

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 8] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 25, 1978 (फाल्गुन 6, 1899)  
No. 8] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 25, 1978 (PHALGUNA 6, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 जनवरी 1978

सं० ए० 12019/1/78-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग) तथा स्थापनापक्ष वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) श्री एम० एल० खण्डूरी को 10 जनवरी, 1978 से 28 फरवरी, 1978 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अध्यक्ष के विशेष सहायक के पद पर नियुक्त किया जाता है।

अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग के विशेष सहायक के सर्वोच्च पद पर श्री एम० एल० खण्डूरी प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे और उनका वेतन समय समय पर संशोधित वित्त मंत्रालय के का० जा० सं० एफ० 10 (24) ई III/60 दिनांक 4 मई, 1961 में अन्विष्ट उपबन्धों के अनुसार विनियमित होगा।

दिनांक 28 जनवरी 1978

सं० ए० 11013/2/71-प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग की समसूचना अधिसूचना दिनांक 28-12-1977 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एवं संघ लोक सेवा आयोग

में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों/सहायकों को आयोग के कार्यालय में 1-2-1978 से दो माह की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थापनापक्ष रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।—

क्रम सं०	नाम	के० स० से० से धारित पद
1.	श्री बी० एम० जगोपोता	अनुभाग अधिकारी
2.	श्री आर० एन० खराना	अनुभाग अधिकारी
3.	श्री एम० श्रीनिवासन	अनुभाग अधिकारी
4.	श्री जे० पी० गोयल	अनुभाग अधिकारी
5.	श्री एम० के० प्रगोडा	सहायक
6.	श्री जी० बी० माथुर	सहायक

उपरोक्त अधिकारियों की नियुक्ति अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर होगी और उनका वेतन समय समय पर संशोधित वित्त मंत्रालय के का०

जा० सं० एफ० 1024 -ई०III /60 दिनांक 4-5-1961  
में निहित शर्तों के अनुसार नियमित होगा।

प्र० ना० मुखर्जी

अवर सचिव

कृते सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 जनवरी 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा०III —संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को, राष्ट्रपति द्वारा 26-12-77 से 10-2-78 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

दिनांक 20 जनवरी, 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा०III (1) —इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/77-प्र० III दिनांक 2-11-77 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा वर्ग के स्थायी सहायक श्री पी० एस० सबरवाल को, राष्ट्रपति द्वारा 1-1-78 से 18-2-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा०III (2) —इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/77-प्र० III दिनांक 31-12-77 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० आर० बसरा को, राष्ट्रपति द्वारा 30-12-77 से 31-1-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा०III (3) —संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आई० जे० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 2-1-78 से 18-2-78 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा०III (4) —संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० के० मांगो को, राष्ट्रपति द्वारा 2-1-78 से 18-2-78 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा०III (5) —संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी

सहायक श्री आर० दयाल को, राष्ट्रपति द्वारा 6-1-78 से 20-2-78 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

दिनांक 31 जनवरी 1978

सं० ए० 38014/5/76-प्रशा०III संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री बी० बी० दाम सरमा को राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक विभाग के का० ज्ञापन सं० 33/12/73-स्था०(क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार 31 जनवरी, 1978 के अग्रहन् से वार्डक्य निवर्तन आयु हो जाने के कारण सरकारी सेवा में निवृत्ति की महर्ष अनुमति प्रदान की गई है।

प्रभात नाथ मुखर्जी

अवर सचिव

(प्रशासन प्रभारी)

संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1978

सं० पी० एफ०/एल०-1/70-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, श्री लोकेन्द्र सिंह, लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सी० आई० यू०-III शाखा को दिनांक 3-1-1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए प्रोन्नति पर तदर्थ आधार पर वरिष्ठ लोक-अभियोजक नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19015/1/78-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, श्री एच० सी० पत्तो, अपराध सहायक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय को दिनांक 23-12-77 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना) की कलकत्ता शाखा में अस्थायी रूप से स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19036/1/78-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा, राजस्थान पुलिस विभाग के अधिकारी तथा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, जयपुर शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री डी० आर० चवन को दिनांक 9-1-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19036/5/78-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, आन्ध्र प्रदेश राज्य पुलिस के अधिकारी तथा केन्द्रीय

अन्वेषण ब्यूरो, हैदराबाद शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री एन० श्रीराम को दिनांक 21-1-78 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

स० ए-19036/2/78-प्रणामन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा राजस्थान पुलिस विभाग के अधिकारी तथा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, जयपुर शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री सुगन सिंह गोगावंत को दिनांक 9-1-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

स० ए-19036/4/78-प्रणामन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस के अधिकारी तथा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कलकत्ता शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री एम० राय को दिनांक 9-1-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण

ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

ए० के० हर्ष,  
प्रणामन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 2 फरवरी 1978

स० ओ० दो० 115/70-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री बी० यू० अचपा, सहायक कमान्डेंट, 32 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फार्स का त्याग पत्र दिनांक 6-1-78 (पूर्वाह्न) से स्वीकार करते हैं।

स० पी० 7-9/76-स्थापना—राष्ट्रपति निम्नलिखित चिकित्सा अधिकारियों, जी० डी० ओ० ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) को उनकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० डी० ओ० ग्रेड I (महायुक्त कमान्डेंट) के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

इन अधिकारियों के पद स्थापन और उनके पद छोड़ने तथा पद ग्रहण करने की तिथियां उनके नामों के सामने दी गई हैं —

क्रम स०	नाम	पद तथा यूनिट जिस का कार्यभार छोड़ा	कार्यभार छोड़ने की तिथि	पद तथा यूनिट जिसका कार्यभार सम्भाला	पद ग्रहण करने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1	डाक्टर मत्स्य नारायण पटनायक	जी० डी० ओ० ग्रेड-II ग्रुप सेंटर दुर्गापुर	10-12-77 अपराह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड- ग्रुप सेंटर बन्तालाव	22-12-77 पूर्वाह्न
2	श्री आर० के० मोहन्ती	जी० डी० ओ० ग्रेड-II 24 बटालियन	5-12-77 पूर्वाह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड-I ग्रुप सेंटर नामच	10-12-77 पूर्वाह्न
3	श्री जी० सी० माहन्ती	जी० डी० ओ० ग्रेड-II ग्रुप सेंटर गोहाटी	28-11-77 अपराह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड- ग्रुप सेंटर इम्फाल	6-12-77 पूर्वाह्न
4	श्री यू० सी० बिसवाल	जी० डी० ओ० ग्रेड-II 29 बटालियन	6-12-77 अपराह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड-I बेस हास्पिटल 2 हैदराबाद	7-12-77 पूर्वाह्न
5	डाक्टर के० के० मैनी	जी० डी० ओ० ग्रेड-II बेस हास्पिटल-I नई दिल्ली।	12-11-77 अपराह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड-I बेस हास्पिटल-I नई दिल्ली।	21-11-77 अपराह्न
6	श्री एम० एन० जयप्रकाश	जी० डी० ओ० ग्रेड-II 13 बटालियन।	24-11-77 पूर्वाह्न	जी० डी० ओ० ग्रेड- ग्रुप सेंटर-I अजमेर।	24-11-77 अपराह्न

दिनांक 4 फरवरी 1978

स० आ० II-1038/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने डाक्टर श्रीमती उषा जैन को, 4-1-1978 के पूर्वाह्न के बाद तीन माह के लिये, अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, उमरे जा भी पहले हो उम तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व

पुलिस में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

स० ओ० दो० 32/78-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री व० दादाभाई, गुजरात सवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व

पुलिस दल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर उप महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री दादाभाई ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के उप महा-निरीक्षक, नई दिल्ली के पद का कार्यभार 16-1-78 के पूर्वाह्न से संभाल लिया।

दिनांक 6 फरवरी 1978

सं० ओ० दो० 1020/72-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री एम० पी० गुलाटी, उप-पुलिस अधीक्षक, 42वीं वाहिनी, के० रि० पु० दल का त्याग पत्र 20-1-78 (अपराह्न) से स्वीकार करते हैं।

दिनांक 7 फरवरी 1978

सं०ओ-II 1080/78-प्रशा०—राष्ट्रपति, डाक्टर अशोक कुमार जैन को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० डी० ओ० ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 25-1-78 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 फरवरी 1978

सं०ओ-II-147/76-स्था०—श्री पी० एन० मेहरा (अवकाश प्राप्त) ने प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्ति पर सहायक कमान्डेंट महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के पद का कार्यभार दिनांक 27-12-77 (अपराह्न) से त्याग दिया।

ए० के० बन्धुपोषाध्याय,  
सहायक निदेशक (प्रशामन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-24, दिनांक 3 फरवरी 1978

रा० ई-16013(1) 1/77-कामिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर, श्री मारकडेय सिंह भारतीय पुलिस सेवा सघ शासित क्षेत्र-56 से 16 जनवरी 1978 के पूर्वाह्न से उप महा-निरीक्षक पूर्वी क्षेत्र के० औ० सु० ब० कलकत्ता के पद का कार्यभार संभाल लिया।

ली० सी० बिष्ट,  
महानिरीक्षक

नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1978

सं० 10/13/76—प्रशा० I—राष्ट्रपति, सघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री रामसिंह को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद नियमित रूप से, अस्थायी तौर पर जनगणना परिचालन, केनटिक (बंगलौर) में दिनांक 27 दिसम्बर, 1977 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, सहर्ष नियुक्ति करते हैं।

दिनांक 8 फरवरी 1978

सं० 25/19/73-ग० प० (प्रशा० I) राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापञ्जीकार के कार्यालय में विशेष कार्य-अधिकारी

(अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति) के पद पर कार्यरत श्री एन० जी० नाग को तारीख 28 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से 9 महीने की अवधि के लिए या अगले आदेशों तक, इनमें जो भी समय पहले हो, उसी कार्यालय में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर सहायक महापञ्जीकार (सामाजिक अध्ययन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2 श्री नाग ने उसी दिन विशेष कार्य-अधिकारी (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति) के पद का कार्यभार भी छोड़ा।

पी० पद्मनाभ,  
भारत के महापञ्जीकार

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 फरवरी 1978

सं० 11/10/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 21 नवम्बर, 1977 की अधिसूचना समसूचक के अनुक्रम में, निम्नांकित अधिकारियों को उपनिदेशक, जनगणना परिचालन के पदों पर उनके नाम के आगे दर्शित निदेशक, जनगणना परिचालनों में, अगले दो महीनों के लिए दिनांक 1-1-78 से 28-2-1978 तक अथवा जब तक पद नियमित रूप से नहीं भरा जाता, जो भी समय कम हो, तदर्थ नियुक्ति को सहर्ष बढ़ाते हैं —

क्रम सं०	नाम	निदेशक, जनगणना परिचालन का नाम	मुख्यालय
1	2	3	4
1	श्री अरविन्द डागे	गिरिकम	गगटीक
2	श्री एम० शंकरराज	तामिल नाडु तथा पाडिचेरी	भद्रास
3	श्री एस० राजेंद्रन	गोवा, दमन एण्ड दीऊ	पणजी
4	श्री जगदीश सिंह	दिल्ली	दिल्ली
5	श्री एस० एस० एम० जेगवाल	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
6	श्री एस० के० अग्रवाल	हिमाचल प्रदेश	शिमला

सं० 11/1/77-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 7 अक्तूबर, 1977 की अधिसूचना सं० 11/1/77-प्रशा०-1 के अनुक्रम में निम्नांकित अधिकारियों को सहायक निदेशक, जनगणना कार्य के पदों पर उनके नामों के आगे दर्शित निदेशक, जनगणना परिचालनों में, अगले 3 महीनों के लिए दिनांक 1-1-78 से 31-3-78 तक अथवा जब तक पद नियमित



रूप में नहीं भरा जाना, जो भी समय कम हो, तदर्थ नियुक्ति सहर्ष बढ़ाते हैं।

क्र० सं० अधिकारी का नाम		राज्य	मुख्यालय
1	2	3	4
1.	श्री एम० के० मजूमदार	नागालैंड	कोहिमा
2.	श्री वी० डी० शर्मा	चडीगढ़	चडीगढ़
		केन्द्र शासित	

दिनांक

1978

सं० 6/1/74 सं० १० (प्रशा० I) — राष्ट्रपति, इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 6/1/74-म० पं० (प्रशा० 1) तारीख 8 जून, 1977 के अनुक्रम में सर्वश्री एन० सी० शर्मा और आर० एन० तलवार की भारत के महापजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पदों पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि की तारीख 1 जनवरी, 1978 से तारीख 31 दिसम्बर, 1978 तक 1 वर्ष की और अवधि के लिए या जब तक ये पद नियमित आधार पर भरे जायेंगे, जो भी समय इनमें पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

सर्वश्री एन० सी० शर्मा और आर० एन० तलवार का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

सं० 10/13/76-प्रशा० 1 — राष्ट्रपति, भारत के महापजीकार के कार्यालय के अन्वेषक और बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में इस समय तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री आर० पी० तोमर को उसी कार्यालय में तारीख 9 दिसम्बर, 1977 के पूर्वानुमान से अगले आदेशों तक नियमित आधार पर अस्थायी तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. उनका मुख्यालय पटना में ही रहेगा।

सं० 11/5/77-प्रशा० I — राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 19 जुलाई, 1977 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में, श्री आर० के० भाटिया, अन्वेषक की उत्तर प्रदेश में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि की, तारीख 4 जनवरी 1978 से तारीख 28 फरवरी 1978 तक या जब तक यह पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, इनमें से जो भी समय पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री भाटिया का मुख्यालय लखनऊ में ही रहेगा।

बंदी नाथ,

भारत के उप-महापजीकार

अनुक्रम में, भारत निर्वाचन आयोग सचिवालय के स्थायी हिन्दी अनुवादक, श्री के० एन० पन्त की भारत के महापजीकार के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण पर हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति की तारीख 1 जनवरी 1978 से 31 मार्च 1978 तक या जब तक यह पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री पन्त का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

बंदी नाथ,

भारत के उप-महापजीकार और  
भारत सरकार के पदेन उप-सचिव

प्रतिभूति कागज कारखाना

हौशंगाबाद (म० प्र०), दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० 7 (36) 8928 — इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक 7 (36) 13834 दिनांक 24/6/75, क्रमांक 7 (36) 10023 दिनांक 23/12/75, क्रमांक 7 (36) 13145 दिनांक 26/3/76, क्रमांक 7 (36) 6051 दिनांक 14/9/77, क्रमांक 7 (36) 12896 दिनांक 25/3/77, क्रमांक 7 (36) 3134, दिनांक 16/7/77 और क्रमांक 7 (36) 6212 दिनांक 28/10/77 के आगे श्री एस० टी० सिरमट तदर्थ आधार पर 31/12/77 से 3 महीने तक की और अवधि अथवा इस पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, अग्नि-शमन अधिकारी के पद पर कार्य करने की अनुमति दी जाती है।

रा० विष्वनाथन  
महाप्रबन्धक

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी 1978

सं० ई० बी० I/8-312/77-78/397 — महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री सी० प्रसन्ना राव को महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000 ई० बी० 40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 31-1-1978 के पूर्वानुमान से जब तक आगे आदेश न दिए जायें, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे बरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

एम० आर० मुखर्जी  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)  
सहायक महालेखाकार (प्रशासन)महालेखाकार कार्यालय, प्रथम, पश्चिम बंगाल  
कलकत्ता-1, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० प्रशा० I/1038/XV/3774 — महालेखाकार प्रथम, पश्चिम बंगाल ने श्री ज्ञानेश चन्द्र चौधरी, स्थायी अनुभाग अधिकारी को स्थायी और स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर दिनांक 28-1-1978 (पूर्वानुमान) या उनके द्वारा वास्तव में महालेखाकार

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 फरवरी 1978

सं० पी०/पी० (35) प्रशा० I — राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 9 दिसम्बर, 1977 की समसंख्यक अधिसूचना के

कार्यालय द्वितीय में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से अन्य आदेश निकालने तक बहाली करने की कृपा की है।

श्री चौधुरी अपने वर्तमान पद से मुक्त होकर महालेखाकार द्वितीय में वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशा०) के समक्ष उपस्थित हो जिससे कि वे उस कार्यालय के रिक्त स्थान में कार्यभार ग्रहण कर सकें।

पी० के० बन्धोपाध्याय  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय

पूर्वी रेलवे

कलकत्ता, दिनांक 1 फरवरी 1978

सं० एल/8/76—इस कार्यालय के स्थानाग्न सहायक मुख्य लेखा परीक्षक श्री पी० बी० बनार्जी सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर 30 नवम्बर, 1977 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

देवीदास आचार्य  
मुख्य लेखा परीक्षक  
पूर्वी रेलवे

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियन्त्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 31 जनवरी 1978

सं० 68012-क (4)/77/प्रशा०-II—राष्ट्रपति, निम्न-लिखित स्थायी लेखा अधिकारियों को, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के नियमित सबर्ग के कनिष्ठ समयमान में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए उनके नाम के सामने लिखे तारीख से आगामी आवेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	नाम	पदोन्नति की तारीख
(1)	(2)	(3)
1.	श्री एस० कनकसवेश अय्यर	12-12-77 (पूर्वाह्न)
2.	श्री पी० बी० भट्टाचार्य	3-1-78 (पूर्वाह्न)
3.	श्री गौर जीवन मित्रा	12-12-77 (पूर्वाह्न)
4.	श्री शाम लाल कपूर	12-12-77 (पूर्वाह्न)
5.	श्री चरणजित लाल मागो	12-12-77 (पूर्वाह्न)
6.	श्री राजकृष्ण बहल	23-12-77 (पूर्वाह्न)

(1)	(2)	(3)
7.	श्री मदन मोहन लाल	21-1-78 (पूर्वाह्न)
8.	श्री के० सी० उन्नीरामन	12-12-77 (पूर्वाह्न)
9.	श्री ई० आर० बालसुब्रह्मण्यम	2-1-78 (पूर्वाह्न)
10.	श्री बी० पी० गुप्ता	20-12-77 (पूर्वाह्न)
11.	श्री बी० जी० कृष्णमूर्ति	12-12-77 (पूर्वाह्न)
12.	श्री भगत राम विशाला	12-12-77 (पूर्वाह्न)
13.	श्री आर० बी० बालमुन्दरम	12-12-77 (पूर्वाह्न)
14.	श्री जी० एल० वर्मा	10-1-78 (पूर्वाह्न)

बी० एम० भीर  
रक्षा लेखा आर महा नियन्त्रक

रक्षा मन्त्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्ट्रिया सेवा

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्ट्रियां

कलकत्ता, दिनांक 17 जनवरी 1978

सं० 1/78/जी०—58, वर्ष की आयु प्राप्त कर, श्री एस० एम० आर० सिंह, स्थानापन्न महाप्रबन्धक, ग्रेड-1 (मौलिक एवं स्थायी महाप्रबन्धक ग्रेड-II) दिनांक 30-11-77 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए :—

दिनांक 27 जनवरी 1978

सं० 3/जी/78—राष्ट्रपति, श्री बी० पी० बनार्जी, भूतपूर्व स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी फोरमैन) को अस्थायी सहायक प्रबन्धक के पद पर ग्यारह महीने के लिए दिनांक 4-4-77 (अपराह्न) से पुनः भर्ती करते हैं।

एम० एन० शूक्ला  
सहायक महानिदेशक आर्डनेन्स फैक्ट्रियां

वाणिज्य मन्त्रालय

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी, 1978

आयात और निर्यात व्यापार नियन्त्रण

(स्थापना)

सं० 6/155/54-प्रशा० (ग०)/290—राष्ट्रपति, श्री श्री० एन० आनन्द, उप मुख्य नियन्त्रक, आयात निर्यात (केन्द्रीय

सचिवालय सेवा में भिन्न) को वित्तीय तदर्थ एवं अस्थाई आधार पर 1-10-77 से आगे के तीन महीने की अवधि के लिए या जब तक नियमित व्यवस्था नहीं हो जाती उनमें से जो भी पहले हो, मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करने हैं।

फा० वे० गोपाद्रि  
मुख्य नियन्त्रक

#### पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1978

सं० प्र०-1/1 (69) VIII—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न उप महानिदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए० का अधिममयमान पद) श्री एस० सी० अग्रवाल को दिनांक 8 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्न से श्री आर० के सिंहल के स्थान पर अपर महानिदेशक के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं। श्री सिंहल जी स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मन्त्रालय में संयुक्त सचिव के पद पर नियुक्ति हो गयी है।

दिनांक 3 फरवरी 1978

सं० प्र०-1/1 (1100)—केरल सरकार के अपने मूल सवर्ग में वापिस लौटने पर श्री सी० करुणाकरण ने दिनांक 18 जनवरी, 1978 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में सहायक निदेशक (बिक्रीकर) (ग्रेड 1) का पदभार छोड़ दिया।

दिनांक 6 फरवरी 1978

सं० ए-1/1 (1108)—निरीक्षण निदेशक (धातुकर्म) जमशेदपुर के अधीक्षक (अपरिग स्तर-II) तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) श्री एस० के० मुखर्जी निवर्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर दिनांक 31 जनवरी, 1978 के अपराह्न से सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए।

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1978

सं० प्र०-6/247 (246) 60 वी०—भारतीय निरीक्षण सेवा धातु रसायन शाखा (श्रेणी-1) के ग्रेड-III में स्थायी सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु-रसायन) और पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन जमशेदपुर निरीक्षणालय में सेवा के ग्रेड-II में स्थानापन्न उप निदेशक निरीक्षण श्री के० एल० मूर्ति दिनांक 31-12-77 के अपराह्न से निवृत्तमान आयु होने पर सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए।

दिनांक 28 जनवरी 1978

सं० ए०-17011/ 71-प्र०-6 -राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा श्रेणी-1 के ग्रेड-III की इजीनियरी शाखा के

निरीक्षण अधिकारी श्री जे० के० सिन्हा को दिनांक 12 दिसम्बर, 1977 के अपराह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक इजीनियरी शाखा के ग्रेड-II में उप निदेशक निरीक्षण के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री सिन्हा ने निरीक्षण अधिकारी इजीनियरी का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 12 दिसम्बर 1977 के अपराह्न से निदेशक उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली के कार्यालय में उप निदेशक निरीक्षण (इजीनियरी) का पदभार सम्भाल लिया।

दिनांक 30 जनवरी 1978

सं० ए०-17011 (64) 77-प्र०—श्री एस० पी० सिंह का सेवा से त्याग पत्र स्वीकृत हो जाने पर उन्होंने दिनांक 8-12-77 (अपराह्न) में इस महानिदेशालय के अधीन मद्रास निरीक्षण मण्डल में निरीक्षण अधिकारी (इजी०) भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी-1) इजीनियरी शाखा के ग्रेड-III का पदभार छोड़ दिया।

सूर्य प्रकाश  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक

#### उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 फरवरी 1978

सं० ए-19018/337/78-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त लघु उद्योग) 23 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से श्री द्वारका प्रसाद पोपली, हिन्दी अनुवादक को तदर्थ आधार पर लघु उद्योग विकास सगठन में हिन्दी अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री द्वारका प्रसाद पोपली ने 23 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) में विकास आयुक्त लघु उद्योग) के कार्यालय में हिन्दी अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

वी० वेक्टरायलु  
उप-निदेशक (प्रशासन)

हस्पत और खान मन्त्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 30 जनवरी 1978

सं० 739/वी/2339 (आर० के० एम०) 19वीं—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्र के सहायक भूभौतिकीविद श्री आर० के० माथुर को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं

से 19 अगस्त, 1977 के अग्रगण्य में, इस्तीफे पर मुक्त किया जाता है।

वी० के० एस० वरदान  
महा निदेशक

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 2 फरवरी 1978

स० ए-19011 67/70-स्था० ए०—श्री आर० डी० नायक उप खनिज अर्थशास्त्री को दिनांक 2 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान व्यूरो में 1300-50-1700 के वेतन पर खनिज अर्थशास्त्री के पद पर पदोन्नति की जाती है।

एल० सी० रणधीर  
कार्यालय अध्यक्ष

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म समारोह निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1978

स० 2/1/78 एफ० एफ० डी०—भारत के पच्चीसवें राष्ट्रीय फिल्म समारोह 1978 के नियम सार्वजनिक सूचनार्थ प्रकाशित किए जाते हैं—

नियमावली

(1) सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के फिल्म समारोह निदेशालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय फिल्म समारोह का मोटो "सत्यम् शिवम् सुन्दरम् है।

इस समारोह के आयोजन के उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

- (क) कलात्मक सौंदर्य से पूर्ण, भावनाप्रद तथा तकनीकी दृष्टि से उच्च स्तर की तथा सामाजिक, देशभक्तिपूर्ण, शैक्षणिक तथा सांस्कृतिक महत्व की फिल्मों के निर्माण को प्रोत्साहन देना,
- (ख) विभिन्न क्षेत्रों के फिल्म-संस्कृति के अधिमूल्यन एवं विवेचन में योगदान देना, तथा,
- (ग) राष्ट्रीय एकता एवं सगठन की भावना को विक्षिप्त करना।

(2) केन्द्रीय फिल्म सेन्सर बोर्ड द्वारा 1977 में प्रमाणन के लिए प्राप्त और 31 जनवरी, 1978 से पहले प्रमाणित कोई भी फिल्म, जो समारोह के उद्देश्यों के अनुरूप हो, समारोह में शामिल की जा सकती है। प्रविष्टि के लिए भेजी गई फिल्मों 35 एमएम या 16 एमएम गेज की होनी चाहिए। लघु चित्रों की लम्बाई आम तौर पर 1000 मीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(3) समारोह में प्रविष्टि के रूप में भेजी गई फिल्म बिल्कुल उसी रूप में होनी चाहिए जिस रूप में फिल्म सेन्सर बोर्ड द्वारा प्रमाणित की गई हो।

(4) कोई भी फिल्म जिसके साथ फिल्म समारोह निदेशालय का कोई पदाधिकारी किसी भी रूप में सम्बन्ध रखता हो समारोह में शामिल नहीं हो पायेगी।

(5) समारोह के लिए प्रविष्टि, सरकारी विभाग या निर्जीव निर्माता/निर्माता कम्पनी, कोई भी भेज सकता है। पूरी तरह भरा गया मलग्न प्रविष्टि पत्र (दा प्रतियामे) 15 मार्च 1978 तक हर हालत में पहुँच जाना चाहिए।

(6) राष्ट्रीय फिल्म समारोह में शामिल करने के लिए फिल्मों के प्रिन्ट 15 मार्च, 1978 तक फिल्म समारोह निदेशालय में अवश्य पहुँच जाने चाहिए। यदि संभव हो तो फिल्मों के प्रिन्ट प्रवेश पत्रों के साथ ही भेज दिए जाएं। प्रिन्ट भेजने के साथ ही प्रेषक को फिल्म के शीपक, भाषा, रोलों की संख्या, प्रिन्ट नंबर और किस प्रकार भेजा गया, इस बारे में तार द्वारा सूचना दे देनी चाहिए।

(7) प्रत्येक प्रतियोगी फिल्म समारोह निदेशालय को निम्नलिखित प्रचार-सामग्री 15 मार्च, 1978 से पहले भेजेगा—

- (क) कथाचित्र के साथ अंग्रेजी में कथामार की 40 प्रतियां। लघुचित्र के साथ कमेंटरी की 15 प्रतियां,
- (ख) प्रचार सामग्री—छ बड़े पोस्टर, एक छोटो मेटम,
- (ग) निर्माता, निर्देशक एवं मुख्य कलाकारों की सक्षिप्त जीवनियां,
- (घ) फिल्म की भाषा में स्क्रिप्ट की 5 प्रतियां तथा अंग्रेजी या हिन्दी में (यदि फिल्म की भाषा कोई अन्य हो) अनुवादित स्क्रिप्ट की 5 प्रतियां,
- (ङ) निर्माता, निर्देशक एवं मुख्य कलाकारों के पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ (प्रत्येक की 2 प्रतियां)।

(8) 35 मि० मी० में 1,000 मीटर तथा 16 मि० मी० में 400 मीटर से अधिक लम्बाई की फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि के साथ 100 रुपए और उस से कम लम्बाई की फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि के साथ 50 रुपए की प्रविष्टि फीस भेजनी होगी। यह फीस वापस नहीं की जाएगी।

प्रवेश शुल्क की राशि सरकारी खजाने में "085 इन्फोर्मेशन एण्ड पब्लिसिटी रिलीज फ्रॉम फिल्म" ग्रीष्म के अधीन ट्रेजरी बालान से जमा करानी चाहिए और इस की प्रति फिल्म समारोह निदेशालय को प्रविष्टि फार्म के साथ लगा कर भेजनी चाहिए।

(9) भारत सरकार द्वारा दो राष्ट्रीय ज्यूरिया गठित की जायेंगी—एक फीचर फिल्मों के लिए, दूसरी लघुचित्रों के लिए। सभी प्रकार के बाल-चित्र राष्ट्रीय फीचर फिल्म ज्युरी द्वारा परखे जायेंगे।

(10) फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्युरी का गठन निम्नलिखित ढंग से होगा—

- (क) सरकार द्वारा नामजद एक अध्यक्ष, और
- (ख) कला, मानविकी और फिल्म के क्षेत्र में 'प्रतिष्ठित' 21 व्यक्ति जो फिल्मों की विषय-वस्तु, कलात्मकता और तकनीकी गुण दाख परखने की योग्यता रखते हों। इन सदस्यों को सरकार नामजद करेगी।

(11) राष्ट्रीय फीचर फिल्म ज्युरी के अध्यक्ष (यदि चाहे) तो प्रत्येक भाषा की फिल्मों तथा बाल चित्रों को परखने हेतु राष्ट्रीय ज्युरी के सदस्यों में से विभिन्न पैनल गठित कर सकते हैं।

(12) पैनल पैनल फीचर फिल्मों के लिए ऊपर निर्दिष्ट राष्ट्रीय ज्यूरि को बिना शर्तों का क्रम वा उत्तरा 10 पुरस्कारों के लिए उपयुक्त समझे जाने वाली अधिक स अधिक तीन फीचर फिल्मों की सिफारिश करेगा। तथापि, यदि पैनल की राय में कोई विशिष्ट फिल्म उसके द्वारा जाची अन्य फिल्मों से नियम 24-1 (v) में (xii) तक के अन्तर्गत व्यक्तिगत सफलताओं के लिए नियत पुरस्कार पाने की अधिकारी है, तो उस अवस्था में फिल्म के शीर्षक के साथ विशिष्ट श्रेणी भी निर्दिष्ट करनी होगी।

(13) तत्पश्चात् फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरि विभिन्न भाषायी पैनलों और बाल फिल्मों सम्बन्धी पैनल द्वारा सिफारिश की गई सभी फिल्मों को देखेगी तथा नियम 24-1 के अन्तर्गत विभिन्न श्रेणियों के पुरस्कारों के लिए फिल्मों की सिफारिश करेगी।

(14) फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरि सर्वप्रथम निम्नलिखित तीन पुरस्कारों के लिए फिल्मों का मूल्यांकन करेगी

—राष्ट्रीय सर्वोत्तम कथाचित्र [नियम 24-1 (i) के अन्तर्गत]।

—लोकप्रियता, स्वस्थ मनोरंजन तथा कलात्मक सौंदर्य वाला सर्वोत्तम कथा चित्र [नियम 24-1 (ii) के अन्तर्गत]।

—राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम कथाचित्र [नियम 24-1 (iii) के अन्तर्गत]।

इन पुरस्कारों के लिए चुनी गई फिल्मों पुन प्रादेशिक पुरस्कार लेने की हकदार नहीं होगी।

(15) लघुचित्रों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरि, जिसमें अध्यक्ष सहित 5 सदस्य होंगे, सरकार द्वारा गठित की जायेगी तथा निम्नांकित पुरस्कारों के लिए फिल्मों की जांच करेगी —

सर्वोत्तम वृत्त फिल्म, सर्वोत्तम शैक्षणिक फिल्म

सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म (अध्यावसायिक/व्यावसायिक)

सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म, सर्वोत्तम कार्टून फिल्म,

सर्वोत्तम भारतीय समाचार चित्र, सर्वोत्तम न्यूजरील कैमरामैन

(16) कोई भी व्यक्ति जो किसी भी रूप में ममारोह में सम्मिलित किसी फिल्म से सम्बन्ध रखता हो, किसी भी ज्यूरि का सदस्य मनोनीत नहीं हो सकता।

(17) दोनों राष्ट्रीय ज्यूरिया फिल्मों को परखने हेतु अपनी-अपनी प्रक्रियाएं स्वयं निर्धारित करेगी।

(18) दोनों राष्ट्रीय ज्यूरियों का 'कोरम' मनोनीत सदस्यों या उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों की संख्या के आधे से कम नहीं होगा।

(19) निदेशक, फिल्म ममारोह निदेशालय या उनके द्वारा मनोनीत कोई व्यक्ति नियमावली सम्बन्धी आवश्यक परामर्श देने हेतु दोनों ज्यूरिया की बैठकों में भाग ले सकता है। किन्तु निदेशक या उनके द्वारा मनोनीत व्यक्ति को मत देने का अधिकार नहीं होगा।

(20) ज्यूरियों के सदस्य बैठकों की कार्यवाही को बिल्कुल गोपनीय रखेंगे। साथ ही वे किसी भी वागजात या सामग्री का, जो

उन्हे ज्यूरि के काम हेतु दी गई हो, समाचार पत्र, रेडियो टेलीविजन या अन्य मीडिया द्वारा प्रसार हेतु, प्रयोग नहीं करेंगे।

(21) इन नियमों में निहित कोई बात फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरि तथा छोटी फिल्मों के लिए राष्ट्रीय ज्यूरि के लिये यह सिफारिश करने में बाधक नहीं होगी कि किसी विशिष्ट भाषा या श्रेणी की फिल्मों में से कोई भी फिल्म या उनके द्वारा परखी गई फीचर फिल्मों का कोई भी स्क्रीन प्ले लेखक, निर्देशक, कैमरामैन, अभिनेता, अभिनेत्री, बाल अभिनेता, पार्श्वगायक और संगीत निर्देशक पुरस्कार के लिए समुचित स्तर का नहीं है।

(22) यदि किसी प्रविष्टि फिल्म के पक्ष में किसी भी प्रकार की पैरवी होगी तो वह पुरस्कार के अयोग्य ठहरा दी जायेगी। यदि दोनों राष्ट्रीय ज्यूरियों का कोई भी सदस्य किसी विशिष्ट फिल्म के लिए पैरवी करता हुआ पाया गया तो वह ज्यूरि की सदस्यता के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकेगा।

(23) दोनों राष्ट्रीय ज्यूरियों के सदस्य नियमों के अन्तर्गत स्वीकार्य यात्रा भत्ते के अलावा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रतियोगिता से सम्बन्धित बैठकों में उपस्थित होने/फिल्मों के प्रदर्श के लिए सरकार द्वारा निर्धारित परामर्श फीस पाने के हकदार होंगे।

(24) राष्ट्रीय फिल्म ममारोह में शामिल फिल्मों निम्नांकित पुरस्कारों के लिए प्रतियोगी हो सकती है

#### I—कथा चित्र

(i) राष्ट्रीय सर्वोत्तम कथाचित्र

वर्ष के राष्ट्रीय सर्वोत्तम कथाचित्र के निर्माता को स्वर्ण कमल तथा 40,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल तथा 20,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(ii) प्रभावशाली, पूर्ण मनोरंजन और कलात्मक सौंदर्य वाले कथाचित्र के लिए विशेष पुरस्कार। निर्माता को स्वर्ण कमल, निर्देशक को रजत कमल।

(iii) राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम कथाचित्र निर्माता को रजत कमल तथा 30,000 रुपये का नकद पुरस्कार निर्देशक को रजत कमल तथा 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(iv) प्रत्येक प्रादेशिक भाषा के सर्वोत्तम कथाचित्र के लिए पुरस्कार

—हिन्दी (उर्दू, हिन्दुरतानी और भोजपुरी, राजस्थानी तथा मैथिली जैसी बोलियों सहित), मराठी (कोकणी सहित), गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी, सिन्धी और अंग्रेजी,

—बंगला, असमिया, उडिया और मणिपुरी,

—तमिल, तेलुगु, कन्नड और मलयालम के सर्वोत्तम कथाचित्र के निर्माता को रजत कमल और 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार और निर्देशक को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

(v) सर्वोत्तम निर्देशन

वर्ष के सर्वोत्तम निर्देशक को रजत कमल और 20,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

- (vi) सर्वोत्तम स्क्रीन प्ले  
सर्वोत्तम रिफ्रैक्ट लेखक को रजत कमल तथा 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।
- (vii) सर्वोत्तम अभिनय  
(क) सर्वोत्तम अभिनेता को रजत कमल तथा 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार;  
(ख) सर्वोत्तम अभिनेत्री को रजत कमल तथा 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार;  
(ग) सर्वोत्तम बाल अभिनेता/अभिनेत्री (जिनकी आयु 14 वर्ष से कम हो) को रजत कमल तथा 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।
- (viii) सर्वोत्तम फोटोग्राफी (रंगीन)  
रंगीन फिल्मों के सर्वोत्तम फोटोग्राफर को रजत कमल तथा 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।
- (ix) सर्वोत्तम फोटोग्राफी मादी  
मादी फिल्मों के सर्वोत्तम फोटोग्राफर को रजत कमल तथा 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।
- (x) सर्वोत्तम ध्वनि आलेखन  
सर्वोत्तम ध्वनि आलेखक को रजत कमल एवं 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।
- (xi) सर्वोत्तम सम्पादन  
सर्वोत्तम सम्पादक को रजत कमल एवं 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।
- (xii) सर्वोत्तम संगीत निर्देशक  
सर्वोत्तम संगीत निर्देशक को रजत कमल एवं 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।
- (xiii) सर्वोत्तम पार्श्वगायक  
सर्वोत्तम पार्श्वगायक को रजत कमल एवं 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।
- (xiv) सर्वोत्तम पार्श्वगायिका  
सर्वोत्तम पार्श्वगायिका को रजत कमल एवं 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।
- (xv) सर्वोत्तम बाल चित्र  
निर्माता को स्वर्ण कमल और 15,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल और 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

## II—लघु चित्र

- (i) सर्वोत्तम सूचना फिल्म (वृत्त चित्र)  
निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल और 4,000 रुपये का नकद पुरस्कार।
- (ii) सर्वोत्तम शैक्षणिक फिल्म  
निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल और 4,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

- (iii) सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म (अव्यावसायिक/व्यावसायिक)  
(राष्ट्रीय गृहत्व जैसे राष्ट्रीय एकता, सामाजिक न्याय, सहयोग, बचत, कृषि कार्य सहित विकास की गतिशीलता आदि के विषय पर सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म या सर्वोत्तम, व्यावसायिक प्रेरक/विज्ञापन फिल्म) निर्माता और निर्देशक को एक-एक रजत कमल।
- (iv) सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म  
निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल और 4,000 रुपये का नकद पुरस्कार।
- (v) सर्वोत्तम कार्टून फिल्म  
निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार, 'एनिमेटर' को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल और 4,000 रुपये का नकद पुरस्कार।
- (vi) सर्वोत्तम न्यूजरील कैमरामैन  
सर्वोत्तम न्यूजरील कैमरामैन को रजत कमल एवं 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।
- (vii) सर्वोत्तम भारतीय समाचार चित्र  
निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

## III दादा साहेब फालके पुरस्कार

(भारतीय सिनेमा के प्रति उल्लेखनीय योगदान के लिए विशेष पुरस्कार)

स्वर्ण कमल, 40,000 रुपये का नकद पुरस्कार और एक शाल।

## स्पष्टीकरण

यहां पर निर्माता, निर्देशक, स्क्रीन प्ले लेखक, अभिनेता, अभिनेत्री, बाल अभिनेता/अभिनेत्री, कैमरामैन, ध्वनि आलेखक, सम्पादक, संगीत निर्देशक, तथा पार्श्व गायक/गायिका, शब्दों से अभिप्राय क्रमशः उस निर्माता, निर्देशक, स्क्रीन प्ले लेखक, अभिनेता, अभिनेत्री, बाल अभिनेता/अभिनेत्री, कैमरामैन, ध्वनि, आलेखक, सम्पादक, संगीत निर्देशक तथा पार्श्व गायक/गायिका से होगा जिनके नामों का उल्लेख केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड द्वारा विधिवत् प्रमाणित प्रतियोगिता में प्रविष्ट फिल्म के शीर्षक में होगा।

(25) सरकार अपने विवेकानुसार, बैंक ड्राफ्ट/चेक के रूप में नकद इनाम दे सकती है।

(26) नियम 24 की श्रेणी I-(i) से (iv) के अन्तर्गत पुरस्कार जीतने वाली फीचर फिल्म के निर्माता को उसके उप-शीर्षक किसी अन्य भाषा में करवाने पर केन्द्रीय सरकार द्वारा 3,000 रुपये की अतिरिक्त राशि दी जायेगी।

(27) सरकार को यह अधिकार होगा कि वह पुरस्कारों के लिए प्रविष्ट उस फिल्म के एक प्रिन्ट को, जिसे पुरस्कार मिला हो, अपने पास रख सके। उस फिल्म की लागत अर्थात् कच्चे माल की लागत और विधायण प्रभारों की निर्माण की प्रतिपूर्ति की जाएगी। प्रतिपूर्ति तभी की जाएगी जब प्रिन्ट विल्कूल नष्ट

होगी तथा पुरस्कार घोषणा के तीन माह के अन्दर फिल्म समारोह निदेशालय के पास पहुँच गई हो। यदि पुरस्कार घोषणा के तीन माह के अन्दर नहीं प्रिन्ट निदेशालय को नहीं दी जाती तो निर्माता को किसी भी प्रकार की प्रति-पूर्ति नहीं दी जाएगी तथा समारोह में सम्मिलित प्रिन्ट को बिना किसी क्षतिपूर्ति दिये सरकार रख लेगी।

(28) यदि निर्देशन में उत्कृष्टता का पुरस्कार प्राप्त करने वाला व्यक्ति राष्ट्रीय सर्वोत्तम कथा चित्र या प्रभावशाली और पूर्ण मनोरजन के लिए पुरस्कार प्राप्त कथा चित्र या राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम कथा चित्र और प्रादेशिक पुरस्कार प्राप्त करने वाली कथा चित्र का भी निर्देशक होगा तो वह केवल एक ही रूप में, अधिक नकद राशि वाला पुरस्कार प्राप्त करेगा।

(29) पुरस्कार के लिए प्रविष्ट फिल्मों के निर्माता को फिल्म को राष्ट्रीय ज्यूरियो या उनके किसी भी पैनल के शो में, जो सरकार द्वारा आयोजित किया जाए, दिखाने में कोई आपत्ति नहीं होगी। यदि इससे कोई आग्रह होगी, तो वह सरकार के राजस्व में जमा करवाई जाएगी।

(30) फिल्म और प्रचार सामग्री के लाने ले जाने पर जो खर्च होगा वह सारा प्रतियोगी को देना होगा।

(31) पुरस्कारों और इन नियमों के सही मतलब का जहाँ तक सम्बन्ध है, केन्द्रीय सरकार के निर्णय अन्तिम होंगे और उसके विरुद्ध कोई अपील नहीं की जा सकेगी।

(32) जो व्यक्ति इन नियमों के अन्तर्गत राष्ट्रीय फिल्म समारोह में भाग लेगा तो यह समझा जाएगा कि उसने यह नियम मान लिए हैं।

(33) फिल्म प्रचार सामग्री तथा प्रवेश-पत्र भेजने का पता .

फिल्मों के निदेशक,

फिल्म समारोह निदेशालय, विज्ञान भवन एनेक्सी,

मौलाना आजाद रोड, नई दिल्ली-110011

तार का पता फिल्मोत्सव नई दिल्ली

25वाँ राष्ट्रीय फिल्म समारोह 1978

प्रविष्टि

(दो प्रतियों में फिल्मों के निदेशक, फिल्म समारोह निदेशालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय विज्ञान भवन एनेक्सी, मौलाना आजाद रोड, नई दिल्ली-110011 के पास 15 मार्च 1978 तक पहुँच जाना चाहिए)।

1 फिल्म का नाम

2 भाषा

3 वर्गीकरण . फीचर/बालचित्र/लघु फिल्म

4 फिल्म की लम्बाई (मीटर में)

5 समय घंटा मिनट

6 रीलो की संख्या

7 गेज 35 मि० मी०/16 मि० मी०

8 गादी/रगीन

9 सेसर प्रमाणपत्र की संख्या तथा तारीख

10 सेसर प्रमाणपत्र का वर्गीकरण ('ए' या 'यू')

11 निर्माता का नाम और पूरा पता (यदि टेलीफोन नं० और तार का पता हो तो वह भी दे दे)

12 निर्देशक का नाम और पूरा पता

13 स्क्रीन प्ले लेखक/स्क्रिप्ट लेखक का नाम और पूरा पता

14 नायक का नाम और पूरा पता

15 नायिका का नाम और पूरा पता

16 14 वर्ष से कम आयु का कोई बाल अभिनेता / अभिनेत्री हो तो उसका नाम और पूरा पता

17 कैमरामैन का नाम और पूरा पता

18 ध्वनि आलेखक का नाम और पूरा पता

19 सम्पादक का नाम और पूरा पता

20 संगीत निदेशक का नाम और पूरा पता

21 पार्श्वगायक का नाम और पूरा पता

22 पार्श्वगायिका का नाम और पूरा पता

23 कार्टून फिल्म के एनी-मेटर का नाम और पूरा पता

24 रिलीज होने की तारीख

25 यदि फिल्म किसी दूसरी फिल्म का डब किया हुआ रूप, रूपान्तर या रिटेक है तो जिस फिल्म का डब किया हुआ रूप रूपान्तर या रिटेक है उसका खोरा

26 समारोह के बाद प्रिन्ट

किम पते पर लौटाई जाये

दिनांक 3 फरवरी 1978

प्रवेशक का नाम  
 पूरा पता  
 दिनांक  
 हस्ताक्षर  
 वी० एस० कटारग,  
 डाइरेक्टर आफ फिल्मस

आकाशवाणी : महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1978

सं० 10/19/77-स्टाफ 3—महानिदेशक, आकाशवाणी  
 श्री जे० के० रुनवाल, आकाशवाणी भागली के सहायक इंजी-  
 नियर (अस्थायी पद पर) का त्यागपत्र दिनांक 5 दिसम्बर  
 1977 (अपराह्न) से स्वीकार कर लिया है।

सं० 10/134/77-एस० III—महानिदेशक, आकाशवाणी  
 श्री जे० पी० मिह को आकाशवाणी दिल्ली में दिनांक  
 31-10-77 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप  
 से नियुक्त करते हैं।

अधीर कुमार बसु  
 प्रशासन उपनिदेशक  
 कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 फरवरी 1978

सं० ए० 31015/1/77-ओ० नि०—स्वास्थ्य सेवा  
 महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) दिपाली राय को 15 जनवरी,  
 1976 से केन्द्रीय औषध प्रयोगशाला, कलकत्ता में संयुक्त  
 औषध विज्ञासी (एसोसिएट फार्माकोलाजिस्ट) के पद पर स्थायी  
 आधार पर नियुक्त किया है।

एस० एम० गोठोस्कर  
 औषध नियन्त्रक (भारत)  
 कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक जनवरी 1978

सं० ए० 19019/1/78-प्रशासन-1—सेवा निवृत्ति की  
 आयु हो जाने पर डा० एन० पिटू डू रसॉरियो ने 31 दिसम्बर,  
 1977 अपराह्न गार्यफ गर्जिन, दन्त विभाग (केन्द्रीय  
 सरकार स्वास्थ्य योजना) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19020/51/76-(एफ० आर० एस० एल०  
 प्रशासन-1—अपना त्यागपत्र भंजूर हो जाने के फलस्वरूप श्री  
 पी० के० सुधीर, कनिष्ठ विलेपक ने 29 नवम्बर, 1977  
 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 32012/1/76-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महा-  
 निदेशक ने सफदरजग अस्पताल, नई दिल्ली के सहायक प्रशासनिक  
 अधिकारी श्री खूब चन्द को 4 जनवरी, 1978 से आगामी आदेशों  
 तक उसी अस्पताल में भण्डार अधिकारी (जनरल स्टोर) के  
 पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12026/14/77 (अ० भा० भी० चि० व०  
 पु० सं०) प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, श्रीमती बी०  
 एन० छाबरिया को 5 सितम्बर, 1977 पूर्वाह्न से 7  
 अक्तूबर, 1977 (अपराह्न) तक श्रीमती एन० ए० केलकर  
 की अवकाश रिक्ती में अखिल भारतीय भौतिक चिकित्सा और  
 पुनर्वास मस्थान, बम्बई के चिकित्सा समाज कल्याण विभाग के  
 चीफ के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12026/36/77 (मुख्यालय) प्रशासन-1—राष्ट्र-  
 पति ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली के सहायक  
 वास्तुविद श्री एच० के० धोते को 19 दिसम्बर, 1977 से  
 4 फरवरी, 1978 तक इसी निदेशालय में श्री एम० के०  
 गुप्ता के स्थान पर वास्तुविद के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त  
 किया है।

दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० ए० 12023/16/76-(ब्ल्यू० एच०) 5 प्रशासन-1—  
 स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एच० सी० अग्निहोत्री, विालगडन  
 अस्पताल, नई दिल्ली में कार्यालय अधीक्षक को 11 जनवरी,  
 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी अस्पताल में भण्डार  
 अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाल  
 उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मन्त्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरोदाबाद, दिनांक 2 फरवरी, 1978

संख्या फाईल :- ए-19023/3/78 प्र-० ह० सब लोक सेवा  
 आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री आर० ए० खानोरकर को  
 नागपुर में दिनांक 19 दिसम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से र० 650-  
 1200 के वेतनमान में अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न  
 रूप से विपणन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने पर श्री  
 खानोरकर ने दिनांक 12 दिसम्बर, 1977 के अपराह्न में



उसा में सहायक विपणन अधिकारी (बर्ग I) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी०पी० चावला  
निदेशक प्रशासन

(ग्राम विकास विभाग)

नागपुर, दिनांक जनवरी 1978

सं० फा० 3 (44)/9/72 वि०-II—उपांत सं० 12 दिनांक 9-6-1945 सं० 1 कैम्प दि० 5-1-1946 सं० 6 दि० 5-2-1949 सं० 64 दि० 17-6-1961 तथा भारत के राजपत्र में प्रकाशित भारत सरकार, वित्त विभाग (केन्द्रीय राजस्व), वित्त मन्त्रालय (राजस्व मंडल) की अधिसूचनाओं के लिए मैं एतद्वारा, सर्वश्री एन० सी० जोशी, उपवरिष्ठ विपणन विकास अधिकारी (शीत गृह) तथा वाई० के० पान्डेय, वरिष्ठ निरीक्षक को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तिथि से तम्बाकू, जिसका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्न) अधिनियम 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 के अधीन सूचीकृत और तम्बाकू श्रेणीकरण और चिह्न नियम के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

ज० सी० उप्पल  
कृषि विपणन सलाहकार

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

सं० रापविप/09002/जी०/(848)/77/स्थ०/500—  
राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, स्थायीवित्त वैज्ञानिक सहायक बी० और स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी इंजीनियर ग्रेड एम० बी० श्री बी० बी० लारेन्स का त्यागपत्र, दिनांक 31 अगस्त, 1977 के अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

गोपाल सिंह  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
नूतने मुख्य परियोजना इंजीनियर

परमाणु ऊर्जा प्रभाग)  
(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० ए० एम० डी०-1/28/77-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री रवीकान्त दिगम्बर, देशमुख को 23 जनवरी 1978 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी इंजीनियर, ग्रेड SB, नियुक्त करते हैं।

सं० ए० एम० डी० 1/28/77-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री जी० एम० रवी को 23, जनवरी 1978 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए उसी

प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर, ग्रेड SB नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400 008, दिनांक 31 जनवरी 1978

सं० भापापए/स्था०/1/घा-39/513—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष-कार्य-अधिकारी श्री यशवन्त पुरुषोत्तम धारपुरे, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र तथा भारी पानी परियोजनाओं (मुख्य कार्यालय), के स्थानापन्न प्रवर्ण श्रेणी लिपिक को उसी परियोजना में 28 दिसम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसन्धान संगठन  
अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-380053 दिनांक 3 जनवरी, 1978

सं० अं० उ० के०/स्थापना/सी० ए०/एम० सी० एस० डी० 34/78—निदेशक, श्री महेंद्र नाथ व्यास को इंजीनियर एस० बी० के पद पर अस्थायी रूप में अन्तरिक्ष विभाग के भारतीय अन्तरिक्ष अनुसन्धान संगठन के अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र में दिनांक 14 नवम्बर, 1977 से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

एस० जी० नायर  
प्रधान, कार्मिक तथा सामान्य प्रशासन

विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र

त्रिवेन्द्रम-695022 दिनांक 17 जनवरी 1978

सं० वि० सा० अं० के०/स्थापना/एन० टी० एफ०/78—  
विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र के निदेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र, त्रिवेन्द्रम में वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के पदों पर स्थानापन्न रूप में रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में, उनके नामों के सामने दी गई तारीखों के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं:

क्र० सं०	नाम	पदनाम	प्रभाग/ परियोजना	नियुक्ति की तारीख
(1)	(2)	(3)	(3)	(5)
सर्व श्री				
1.	यू० आई० गोमागुन्दरम	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	आर० पी० पी	1-10-77

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
सर्वे श्री	वैज्ञानिक इंजीनियर	एस० बी०		
2. एस० सुब्रह्मण्यम	„	एस०टी०एफ०	1-10-77	
3. ए०पी० श्रीधरण	„	ई०एफ०एफ०	1-10-77	
4. ई०पी०आई० कृष्ण दास	„	जी० एस०एस०	1-10-77	
		जी०एस०एस०		
5. के० नारायण पिल्लै	„	ई०एम०डी०	1-10-77	
6. एस० रामास्वामी पिल्लै	„	एस०एल०बी०	1-10-77	
7. श्री के० एम० चन्द्रन	„	पी०एस०सी०	1-10-77	
8. एस० शिवराम- कृष्णन	„	पी० एफ०सी०	1-11-77	
9. के० जॉन	„	सी०ओ०एम०	1-11-77	
10. जी० केशवन नायर	„	सी०ओ०एम०	1-11-77	

राजन बी० जॉर्ज  
प्रशासन अधिकारी-II (स्थापना)  
कृते निदेशक

पर्यटन और नागर विमानन मन्त्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 6 फरवरी, 1978

सं० ई० (1) 00916—वैधशालाओं के महानिदेशक श्री बुलाल चक्रवर्ती को 28 नवम्बर 1977 के अपराह्न से आगामी आदेश तक भारतीय मौसम सेवा ग्रुप-बी (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप-बी) में अस्थायी तौर पर सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० ए-32014/4/76-ई० सी०—नागर विमानन के महानिदेशक ने निम्नलिखित दो तकनीकी सहायकों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें उनके नामों के सामने लिखे स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम	मौजूदा तैनाती स्टेशन	स्टेशन जहाँ तैनात किया	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1. श्री ए० रामास्वामी	वैमानिक संचार स्टेशन, मदुरई	वैमानिक संचार स्टेशन, मदुरई		1-12-77 (पूर्वाह्न)
2. श्री सी० एल० जैन	वैमानिक संचार स्टेशन, वाराणसी	वैमानिक संचार स्टेशन, श्रीनगर		31-12-77 (पूर्वाह्न)

श्री चक्रवर्ती को निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

गुरुमुख राम गुप्ता  
मौसम विज्ञानी  
कृते वैधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी, 1978

सं० ए० 19012/1/78-हिन्दी—महानिदेशक नागर विमानन ने डा० वीरेन्द्र सम्सेना को 30-1-78 (पूर्वाह्न) से, तथा अगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर हिन्दी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें क्षेत्रीय निदेशक, नागर विमानन विभाग, बम्बई के कार्यालय में तैनात किया है।

सत्य देव शर्मा  
उप निदेशक प्रशासन  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1978

सं० ए० 32013/11/77-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 6 जनवरी 1978 की अधिसूचना सं० ए० 32013 11/77-ई० सी० में क्रम संख्या 6 के सामने दी गई प्रविष्टियों को संशोधित रूप में निम्न प्रकार में पढ़ा जाए —

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
6. श्री बी० के० चौधरी	नियंत्रक, वैज्ञानिक निरीक्षण, बम्बई	

सत्य देव शर्मा  
उपनिदेशक प्रशासन

सं० ए-32013/6/77-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 16-8-77 तथा 29 नवम्बर, 1977 की अधिसूचना स ए० 32013/6/77 के क्रम में राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की तदर्थ आधार पर की गई पदोन्नति की अवधि दिनांक 28-10-77 से 31-10-77 तक बढ़ा दी है :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1. श्री ए० जी० नरसिम्हा	रेडियो निर्माण एवं विकास स्कीम, नई दिल्ली ।	
2. श्री ए० जगदीश	वैमानिक संचार स्टेशन, सफदर-जंग, एयरपोर्ट, नई दिल्ली ।	
3. श्री एम० एम० पोलास	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता एयरपोर्ट, दमदम ।	
4. श्री के० सुरेन्द्र	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम एयरपोर्ट, पालम	

सं० ए-32013/11/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित दो तकनीकी अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से और अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती कार्यभार स्टेशन	नया तैनाती कार्यभार सभालने की तारीख
1. श्री रूप चन्द	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली ।	6-1-78	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली ।
2. श्री एम० जय-रामन	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास ।	9-1-78	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास

सत्य देव शर्मा,  
उप निदेशक प्रशासन  
कृते महानिदेशक

वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 2 फरवरी 1978

सं० 16/272/77 स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री सविचदानन्द विश्वास

को, वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून के अधीन क्षेत्रीय वन अनुसन्धान केन्द्र, बर्नीहाट में दिनांक 18 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न में अगले आदेशों तक सहर्ष अनुसन्धान अधिकारी नियुक्त करते हैं ।

दिनांक 3 फरवरी 1978

सं० 16/274/77 स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, डा० रामेश्वर ब्याल को पाञ्चवी पञ्च वर्षीय योजना की गौण वनोत्पाद शोध योजना में, वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, के अधीन क्षेत्रीय केन्द्र बंगलूर में 23 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष अनुसन्धान अधिकारी नियुक्त करते हैं ।

पी० आर० के० भटनागर,  
कुल सचिव

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तलिय

कानपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1977

सं० 126/77—वित्त मन्त्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली के पृष्ठांक सं० फाइल क-22012/27/77-प्रशा० दिनांक 1-8-77 के अन्तर्गत निर्गत आदेश सं० 113/77 तथा इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 1/क/306/77, दिनांक 5-8-77 के अनुसरण में निम्नलिखित अधीक्षकों, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'क' ने केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय कानपुर के अधीनस्थ कार्यालयों में जो उनमें से प्रत्येक के नाम के सामने उल्लिखित तारीखों को कार्यभार ग्रहण किया ।

क्रम सं०	नाम	कार्यग्रहण स्थान	तिथि (तारीख)
1.	कुमारी नीलम रतन	मुख्यालय कानपुर/ एकीकृत केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल कार्यालय मेरठ	8-8-77 (पूर्वाह्न) 11-8-77 (पूर्वाह्न)
2.	कुमारी विजय लक्ष्मी शर्मा	एकीकृत कानपुर I/	8-8-77 (पूर्वाह्न)
3.	श्री एच० ओ० तिवारी	,, कानपुर II/	10-8-77 (पूर्वाह्न)
4.	श्री अशोक कपूर	,, गाजियाबाद I/	6-8-77 (पूर्वाह्न)
5.	श्री राहुल गोयल	,, अलीगढ़ /	8-8-77 (पूर्वाह्न)

के० पी० आनन्द  
समाहर्ता

नागपुर, दिनांक 1 फरवरी 1978

सं० 2/78—निम्नलिखित निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (प्र० श्रे०) की अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी "ख" के पद पर पदोन्नति होने पर, उन्होंने उनके नाम के सामने दर्शाएँ तिथि से अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी "ख" के पद पर कार्यभार ग्रहण किए।

अ० क्र०	अधिकारी का नाम	तैनात का पद	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	एन० एम० नंदनवार	अधीक्षक, के० उ० शु० बहुपदीय अधिका-री रेंज-II, नागपुर	17-1-78 के पूर्वाह्न में
2.	एम० एम० पाटील	अधीक्षक, के० उ० शु० रेंजेस, बल्लारपुर	16-1-78 के पूर्वाह्न में

सं० 3/78—श्री जी० टी० चिपलूणकर, प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, उज्जैन की प्रमुख लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के पद पर पदोन्नति होने पर उन्होंने श्री आर० एस० बैरार, प्रमुख लेखा अधिकारी को कार्यभार से मुक्त कर दिनांक 29-11-1977 के अपराह्न में प्रमुख लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर का कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 4/78—श्री आर० एस० बैरार, प्रमुख लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर की तैनात भुगतान एवं लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर के जगह पर होने पर उन्होंने श्री एम० टी० बाबासुन्दर की जिनका वित्त मन्त्रालय, (राजस्व विभाग) नई दिल्ली का पत्र सं० ए-22013/28 (एम)-77-सीआरसी (प्रशा०) दिनांक 30-9-77 द्वारा गोवा समाहर्ता क्षेत्र की स्थानांतरण हुआ है, को कार्यभार मुक्त कर दिनांक 30-11-1977 के पूर्वाह्न में भुगतान एवं लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर का कार्यभार संभाल लिया।

मनजीत सिंह बिन्द्वा,  
समाहर्ता

नि० एवं ले० प० निदे०

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1978

सं० 6/78—कानपुर समाहर्तलिय, (के० उ० शुल्क) के निरीक्षक श्री मन मोहन माथुर को, जो कि इस समय निरीक्षण

व लेखा परीक्षा निदेशालय में प्रतियुक्ति पर है, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय, इलाहाबाद द्वारा जारी दिनांक 10-1-78 के स्थापना आदेश सं० 5/1978 द्वारा अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, ग्रुप ख के रूप में पदोन्नति किए जाने पर निरीक्षण और लेखा निदेशालय के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में दिनांक 17-1-78 (पूर्वाह्न) से, निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क-व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) ग्रुप 'ख' नियुक्त किया जाता है।

श० वेंकटरामन,  
निरीक्षण निदेशक

निर्माण महानिदेशक कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक दिसम्बर 1977

सं० 33/12/73 ई० सी०—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित निम्नलिखित उम्मीदवारों को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 1100-50-1600 रुपये (तथा सामान्य भत्ते) के वेतनमान में 1100/-रु० प्रतिमास वेतन पर सामान्य शर्तों पर निम्नलिखित के सामने दी गई तिथियों के (पूर्वाह्न) से वास्तुक के अस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप ए) में नियुक्त करते हैं।

2. इन अधोलिखित अधिकारियों को दो वर्ष की अवधि के लिये परीवीक्षा पर दी गई तिथियों (के पूर्वाह्न से) रखे जाते हैं।

सर्वश्री नाम	नियुक्ति तिथि	जहाँ वास्तुक की तैनातियां
1. दीपक रंजन सैन	1-12-77 पूर्वाह्न	वरिष्ठ वास्तुक (उत्तरी अंचल) मुख्य इंजीनियर का कार्यालय, आर० के० पुरम, नई दिल्ली।
2. एम० वी० कोरगांवकर	19-11-77 पूर्वाह्न	वरिष्ठ वास्तुक नई-दिल्ली, अंचल-3, नई दिल्ली।
3. ए० डब्ल्यू० पोनीकर	23-11-77 पूर्वाह्न	वरिष्ठ वास्तुक आवास और नगर योजना-2, नई दिल्ली
4. बी० एच० कम्बले	28-11-77 पूर्वाह्न	वरिष्ठ वास्तुक, नई दिल्ली अंचल-3, नई दिल्ली।

3. उपरोक्त वास्तुक अधिकारी उनके नाम के सामने दी गई तैनातियों की दृष्टि से नियुक्ति की जाती है।

दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० 33/7/76-ई० सी०-9—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री एम० जे० वागमेरे की केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 700-40-900-रु० रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में 700-रुपये प्रतिमास पर सामान्य शर्तों पर 10-1-78

(पूर्वाह्न) से उप-वास्तुक के अस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा समूह-ए) नियुक्ति करते हैं।

2. श्री वागमेरे 10-1-78 पूर्वाह्न से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रखे जाते हैं।

डी० पी० ओहरी,  
प्रशासन उपनिदेशक

### केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 1978

सं० 6/3/77-प्र०-2—प्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा श्री टी० आर० ओबेराय, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा श्रेणी-2 में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के ग्रेड में 3-12-77 (अपराह्न) से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं।

संतोष विश्वास,  
अवर सचिव

### रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 3 फरवरी 1978

सं० 78/आर० ई०/161/1—सर्वसाधारण के सूचनार्थ यह अधिसूचित किया जाता है कि 25 किलोवोल्ट ए० सी० विद्युत कर्षण चालू करने के संबंध में दक्षिण मध्य रेलवे के विट्टगुण्टा (सहित) से चिराला (सहित) खण्ड में सभी समपारों पर ऊंचाई के आमान लगा दिये गये हैं जो स्पष्ट रूप से सड़क की सतह से 15'-4" (4.67 मीटर) की ऊंचाई पर लगे हैं ताकि इससे अधिक ऊंचाई तक लवे हुए भार आदि वाले वाहन आदि बिजलीयुक्त कर्षण तारों के सम्पर्क में न आ जायें या खतरे की सीमा तक निकटता में न आ जायें। एतद्वारा जनता को सूचित किया जाता है कि वे वाहनों में लदान करते समय ऊपर निर्दिष्ट ऊंचाई आमान का पालन करें और किसी भी स्थिति में ऊंचाई आमान का उल्लंघन न करें।

अधिक ऊंचाई वाले भारों को निम्नलिखित खतरे हो सकते हैं:—

1. ऊंचाई आमान को खतरा जिसके परिणाम स्वरूप सड़क और रेलवे लाइन पर बाधा उत्पन्न हो जायेगी।
2. वाहनों पर ले जाये जा रहे माल या उपस्कर अथवा स्वयं वाहन को भी खतरा हो सकता है।
3. बिजलीयुक्त तारों के सम्पर्क में आने या खतरे की सीमा तक उनके निकट आने से आग लगने का खतरा और जान का जोखिम हो सकता है।

सं० 78/आर० ई०/161/1—रेल लाइनों और रेल परिसरों का उपयोग करने वाले सभी लोगों की साधारण सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित खण्डों पर जहाँ पर निर्माण कार्य प्रगति पर है वहाँ पर शिरोपरि ए० सी० 3-476GI/77

कर्षण तारों में 15-2-1978 से या इसके बाद 2.2 के० वी० विद्युत धारा प्रवाहित कर दी जाएगी:—

1. ओंगोल में बिट्टगुण्टा—  
(संरचना सं० 292/5-6 से 211/13-14)
2. चिराला से ओंगोला—  
(संरचना सं० 341/31-32 से 292/5-6)

उस तारीख को और उस से आगे के लिए शिरोपरि कर्षण लाइनों को विद्युत युक्त समझा जाएगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति इनके नजदीक नहीं आयेगा और न ही इनके नजदीक काम नहीं करेगा।

वी० मोहन्ती  
सचिव, रेलवे बोर्ड

### पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

महाप्रबन्धक (कार्मिक) का कार्यालय

पाण्डू, दिनांक 30 जनवरी 1978

सं० ई०/55/III/96/भाग-II (0)---श्री के० एल० अग्रवाल, जो बिजली इंजीनियरी विभाग में परिवीक्षाधीन के रूप में नियुक्त किये गये थे, को दिनांक 31-12-77 से अवर वेतनमान में सहायक बिजली इंजीनियर के पद पर स्थायी किया जाता है।

एम० आर० एन० मूर्ति,  
महाप्रबन्धक

### विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नेलै वीनस लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) के विषय में।

मद्रास, दिनांक 13 फरवरी 1976

सं० 1919 लिक्वि०/एस० 560 (5)/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नेलै वीनस लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

पि० अन्नपूर्णा,  
कम्पनियों का उप-रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अधीन सूचना।

कटक, दिनांक 3 फरवरी 1978

सं० एल० 142/78-6208--कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और कलिंगा इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मामले में सिविल अर्जी सं० 2 के 1975 में उड़ीसा उच्च न्यायालय के दिनांक 24-2-76 के आदेश द्वारा कलिंगा इंडस्ट्रीज लिमिटेड का परि-समापन करने का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और के० चलचित्र डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 3 फरवरी 1978

सं० एस० उ० 414/6210 (2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि चलचित्र डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है, और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

डी० के० पाल,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उड़ीसा

नई दिल्ली-110001, दिनांक फरवरी 1978

मैसर्स डीलक्स क्यूरियोज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अन्तर्गत नोटिस।

माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 19-10-1977 के आदेश से मैसर्स डीलक्स क्यूरियोज प्राइवेट लिमिटेड का परिष्मापित होना, आदेशित हुआ है।

आर० के० अरोड़ा,  
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार  
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मैसर्स अमेनिव रस शाण्डा प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1978

सं० 5643/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स अमेनिव रस शाण्डा प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स ग्रंडर राइटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1978

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स ग्रंडर राइटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं० 3112/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स ग्रंडर राइटर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मैसर्स हरीजाम सेर्विस एण्ड चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1978

सं० 15612/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स हरीजाम सेर्विस एण्ड चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

बि० वाय० राणे  
कम्पनियों के अतिरिक्त रजिस्ट्रार  
महाराष्ट्र।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रूपमहल थियेटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

शिलांग, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० 1113/560/3816—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रूपमहल थियेटर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

वेद प्रकाश कपूर,  
कम्पनी रजिस्ट्रार,  
आसाम, मेघालय, मनीपुर, त्रिपुरा, इत्यादि शिलांग

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बासद्रोनी ल्याफुडेवलपमेंट कं० लिमिटेड के विषय में।

पश्चिम बंगाल, दिनांक 6 फरवरी 1978

सं० 26931/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर बासद्रोनी ल्याफुडेवलपमेंट कं० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित

न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० सि० नाथ,  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,  
पश्चिम बंगाल

कार्यालय, आय-कर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 27 जनवरी 1978

सं० एफ०-48-ए० डी० (ए० टी०)/77-भाग II—इस कार्यालय के दिनांक 8 नवम्बर, 1977 की समसंख्यक अधिसूचना में आंशिक आशोधन करते हुए श्री आर० डी० यादवेन्दु, स्थानापन्न सहायक पंजीकार, आयकर अपील अधिकरण, इन्दौर पीठ, इन्दौर के त्यागपत्र को दिनांक 18 जून, 1976 (अपरान्ह) से स्वीकार किया जाता है।

दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० एफ० 48 ए० डी० (ए० टी०)/77 भा०-II—श्री आर० सी० श्रीवास्तवा, सहायक पंजीकार, आय-कर अपील अधिकरण बम्बई, न्यायपीठ, बम्बई, अधिवर्षिता की आयु को प्राप्त होने पर दिनांक 31-1-1978 (अपरान्ह) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

पी० डी० माथुर,  
अध्यक्ष

कार्यालय, आयकर आयुक्त

पटना, दिनांक 13 दिसम्बर, 1977

फा० सं० जी० सी० 2-11-3/1974—एतद्वारा कर वसूली अधिकारी, भागलपुर प्रभार श्री डी० कुंजर द्वारा उक्त कार्यभार त्यागने तथा आयकर अधिकारी, वार्ड-सी, भागलपुर का कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से समाप्त किया जाता है।

सं० जी० सी० 2-11-3/74—इस कार्यालय के आदेश सं० ए० सी० आई० टी०/जी० एल० आठ 14/71-72, दिनांक 24 फरवरी, 1973 तथा समसंख्यक आदेश दिनांक 6 सितम्बर, 1974 और सं० जी० सी० 2-11-3/74, दिनांक 28 जुलाई, 1977 तथा कर वसूली अधिकारी, भागलपुर के प्रभार के समापन के परिणाम-स्वरूप एतद्वारा यह निदेश दिया जाता है कि कर वसूली अधिकारी, भागलपुर प्रभार समाप्त होने की तिथि से कर वसूली अधिकारी-II पटना, भागलपुर, सन्थाल परगना, मुंगेर और बेगुसराय जिलों के मामलों पर भी क्षेत्राधिकार धारण करेंगे।

ए० के० दास गुप्ता,  
आयकर आयुक्त, बिहार-I तथा-II  
पटना

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1978

आदेश सं० 125/रा० अ०/1977-78

विषय :— स्थापना-राजपत्रित-पदोन्नति-आयकर अधिकारियों की तैनाती और स्थानांतरण :

सं० ई-1/पदोन्नति/आय० अधि०/77-78/श्रेणी-2/31965—श्री एस० एल० बहल निरीक्षक को अगले आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810 -द० रो० -35-880-40-1000- द० रो -1200 के वेतनमान में आयकर अधिकारी (श्रेणी-2) के पद पर काम करने के लिये उनके इस पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से पदोन्नत किया जाता है।

यह पदोन्नति श्री सी० एल० सोनी के निलंबित किए जाने के कारण हुई अस्थायी रिक्ति पर की जा रही है किन्तु यह पदोन्नति दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन 1977 के सी० एम० पी० सं० 652, 1977 के सी० डब्ल्यू० पी० 341 के संबंध में न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन होगी।

यह स्पष्ट किया जाता है कि संबंधित अधिकारी के ड्यूटी पर वापस आने या पुनः बहाल किए जाने पर, यदि उस समय कोई दूसरी नियमित रिक्ति न हुई तो पदोन्नत अधिकारी को निरीक्षक के पद पर वापस जाना होगा।

उनकी पदोन्नति के परिणामस्वरूप आयकर अधिकारियों की निम्नलिखित तैनाती और स्थानांतरण तत्काल करने के आदेश दिए जाते हैं।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान तैनाती	स्थानों- तरण के बाद तैनाती	अभ्युक्ति- तियां
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1.	एल० एल० बहल	पदोन्नत होने पर	श्री ए० सी० सेठी (स्थानांतरित) के स्थान पर सी० आई० टी० 3 को उनकी सेवायें सौंपी जाती हैं।	
2.	ए० सी० सेठी	आयकर अधिकारी उनकी सेवायें सी० आई० डी०-5 (15) अति० टी०-4 को सौंपी जाती नई दिल्ली।	हैं।	
3.	ए० पी० जैन	आयकर अधिकारी (श्री० एस० डी०-2) न० दि० 1।	श्री एस० एस० राणा (स्थानांतरित) के स्थान पर उनकी सेवायें सी० आई० टी०-3 को सौंपी जाती हैं।	

1	2	3	4	5
सर्वश्री				
4. एस० एल० राणा	आयकर अधिकारी	जूनियर ए० आर०		
	डि० 10 (9) न०	आई० बोर्ड के आदेश		
	दि० 1	सं० टी० ए० टी०,		
		नई दिल्ली, एफ० सं०		
		ए०-22013 / 3 / 77		
		एडी०-6, दिनांक		
		30-1-1978 के अनु-		
		सार 1		

श्री दुर्गेश शंकर की कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि, आयकर अपीलीय अधिकरण, नई दिल्ली के पद पर तैनाती, जो इस कार्यालय के दिनांक 26 अगस्त, 1977 के सं० ई-1/तं०-स्था०/आय० अधि०/77-78/खंड-3/5316 के अन्तर्गत जारी किए गए आदेशों सं० 67/रा० अ०/1977-78 द्वारा की गई थी, रद्द की जाती है।

क० न० बुटानी  
आयकर आयुक्त, दिल्ली-1,  
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1978  
आयकर

सं० जुरि/दिल्ली/4/77-78/42014--आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा 1 तथा 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले जारी की गई अधिसूचनाओं में आंशिक संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी, पांचवां अतिरिक्त सर्वे सर्फिल-3, नई दिल्ली का आयकर अधिकारी, पहला अतिरिक्त सर्वे सर्फिल-3 के साथ उनके द्वारा निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियों/मामलों के बारे में समवर्ती अधिकार क्षेत्र होगा। किन्तु इनमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गये हों या इसके बाद सौंपे जाएं।

कार्यों के निष्पादन की सुविधा के लिये आयकर आयुक्त, दिल्ली-4 निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-3ए को यह प्राधिकार भी देते हैं कि वे जैसा कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124 की उपधारा 2 में अपेक्षित है, आदेशों को भी पास करें।

यह अधिसूचना 30-1-1978 से लागू होगी।

सं० : जुरि/दिल्ली/4/77-78/42134--आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा 1 तथा 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले जारी की गई अधिसूचनाओं में आंशिक संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी, चौथा अतिरिक्त सर्वे सर्फिल-3, नई दिल्ली का आयकर अधिकारी, सर्वे सर्फिल-3 के साथ उनके द्वारा निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियों/मामलों के बारे में समवर्ती अधिकार क्षेत्र होगा। किन्तु इनमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गए हों या इसके बाद सौंपे जाएं।

कार्यों के निष्पादन की सुविधा के लिए आयकर आयुक्त, दिल्ली-4 निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-3बी, 3सी तथा 3डी को यह प्राधिकार भी देते हैं कि वे जैसा कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124 की उपधारा 2 में अपेक्षित है, आदेशों को भी पास करें।

यह अधिसूचना 31-1-78 से लागू होगी।

सं० : जुरि/दिल्ली/4/77-78/41893--आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं, कि दिल्ली-4, प्रभार नई दिल्ली में 30-1-1978 से निम्नलिखित डिस्ट्रिक्ट/सर्फिल बनाए जायेंगे :

1. पांचवां अतिरिक्त सर्वे-सर्फिल-3, नई दिल्ली।

सं० : जुरि/दिल्ली/4/77-78/42417--इस कार्यालय की दिनांक 19-4-77 की अधिसूचना एफ० संख्या : जुरि/दिल्ली/4/77-78/1476 में आंशिक संशोधन करते हुए, तथा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-4 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम (1) में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, उसी अनुसूची के कालम (2) में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्टों/सर्फिलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों या मामलों के वर्गों में उक्त अधिनियम के अन्तर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे :--

#### अनुसूची

रेंज	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्फिल
1	2
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-3ए, नई दिल्ली।	1. डि० 3(1), 3(2), 3(7) 3(7) अतिरिक्त 3(14), पहला अतिरिक्त, 3(30), 3(32), तथा 3(34) नई दिल्ली।
	2. निष्कांत सर्फिल, नई दिल्ली।
	3. पहला अतिरिक्त सर्वे सर्फिल-3 नई दिल्ली।
	4. पांचवां अतिरिक्त सर्वे सर्फिल-3, नई दिल्ली।
	5. अधिनियम की धारा 125 के अन्तर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त को पहले ही सौंपे गए इस प्रभार के डिस्ट्रिक्टों/सर्फिलों के मामले भी।

यह अधिसूचना 31-1-78 से लागू होगी।

ए० जे० राणा,  
आयकर आयुक्त, दिल्ली-4,  
नई दिल्ली।



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री अहमदअली बक्कर अली, त्रिभिजी, कल्याणी वाडें,  
खानपुर, अहमदाबाद (अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना(2) श्री फखरुद्दीन हुसेन अली त्रिभिजी, कल्याणी वाडें,  
खानपुर, अहमदाबाद (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

अहमदाबाद, दिनांक 6 फरवरी, 1978

निदेश सं० ए० सी० ब्यू० 23-I-1315(633)/1-1/77-  
78—यतः मुझे, एस० सी० परीखआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है,(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;और जिसकी सं० सी० एस० नं० 4067-ए, शाहपुर वाडें- , है  
जो कल्याणी वाडें, खानपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक र  
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-6-77  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर ;एक अचल सम्पत्ति जिसका सिटी सर्वे नं० 4067-ए है तथा  
जो शाहपुर वाडें-II, कल्याणीवाडें, खानपुर, अहमदाबाद में स्थित  
है तथा जिसका पूर्ण वर्णन जून 1977 वाले विक्री दस्तावेज  
नं० 4099/77 में दिया गया है।एस० सी० परीख,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबादयतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—तारीख: 6-2-78  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी, 1978

सं० आर० पी० सी० 202/77-78—यतः मुझे के० एस०  
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1 है, जो बशीर बाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री हैदराबाद डिस्प्लेसड परसन्स हाउसिंग कोपरेटिव सोसाइटी हैदराबाद जिसका भागीदार मूलचन्द है (अन्तरक)

(2) 1. दौलतराम धेनदल मल घर नं० 5-9-24/70 धेनदल राऊ बशीर बाग हैदराबाद

2. श्रीमती बनीता परनी दौलत राम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1 बशीर बाग हैदराबाद के पास है घर नं० 5-9-30/1 बिस्वे 377 वर्ग मीटर है रजिस्ट्री का दस्तावेज नं० 1638/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-2-1978

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० आर० पी० सी० नं० 203/77-78—यतः मुझे के० एस०  
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8 है, जो बशीर बाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-6-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दो हैदराबाद डिसप्लेस्ड परसन्स कोऑरेटिव सोसाइटी  
मिकन्दराबाद (अन्तरक)(2) कीमानदास जगत राम 21-7-84/2 रामसीबाजार  
हैदराबाद-2। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 8 घर नं० 5-9-30/1 बशीर बाग हैदराबाद विस्वे  
318 वर्ग मीटर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1639/77 उप रजिस्ट्री  
कार्यालय हैदराबाद में।के० एस० वेंकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबादतारीख: 4-2-1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० आर० पी० सी० नं० 204/77-78—यतः मुझे के० एस०  
बेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 10 है, जो बशीर बाग में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-77  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) बी हैदराबाद डिमप्लेसड परमन्स कोपरेटिव सोसाइटी  
मिकन्दराबाद जमका अधिकारी मूलचन्द है (अन्तरक)

(2) श्री धेनद पोता रामधेनद धर नं० 21-2-1982/2  
हैकॉरड रास्ता हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, [के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुली सतानं० 10 धर नं० 5-9-30/1 बशीर बाग हैदराबाद  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1640/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद  
में।

के० एस० बेंकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-2-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० आर० पी० सी० नं० 205/77-78—यतः मुझे के० एस०  
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 11 है, जो बशीर बाग में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री  
कर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-77  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थार्थ :-

4-476G1/77

(1) श्री हैदराबाद डिसप्लेस्ड परसन्स कोपरेटिव सोसाइटी  
सिकन्दराबाद (अन्तरक)

(2) बनसीलाल पिता राम चन्द धर नं० 21-1-982/6  
हैकीरट रास्ता हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कुल जमीन प्लॉट नं० 11 घर नं० 5-9-30/1 बशीर बाग  
हैदराबाद में बिस्वे 286 वर्ग मीटर रजिस्ट्री दस्तावेज नं०  
1641/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-2-1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० आर० पी० सी० 206/77-78—यतः मुझे के० एस०  
बेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269B  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 12 है, जो बशीर बाग में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध पनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्री हर्ती अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारत में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन  
30-6-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने की  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन,  
अर्थात्:—

(1) श्री हैदराबाद डिसप्लेसड परमन्स हाउसिंग कोऑपरेटिव  
सोसाइटी सिकन्दराबाद (अन्तरक)

(2) बली राम कयाराम घर नं० 1091/5 वेन्कटेश्वर  
कालोनी नारायणगज-हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन नं० प्लॉट नं० 12 घर नं० 5-9-30/1 बशीर  
बाग हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1642/77 उप-  
रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० बेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-2-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० नं० 207/77-78—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 15 है, जो बशीर बाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दी हैदराबाद डिसप्लेसड परसन्स हाउसिंग कोर्पोरेटिव सोसाइटी सिकन्दराबाद (अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश चन्द पिता पुरुषोत्तम दास घर नं० 21-1-650 रकाब गंज हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन घर नं० 5-9-30/1 बशीर बाग हैदराबाद बिस्वे 325 वर्ग मीटर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1643/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-2-1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी, 1978

सं० नं० आर० पी० सी० 208/77-78—यतः मुझे के० एस०  
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 13 है, जो बशीर बाग में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
30-6-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) हैदराबाद डिस्प्लेसड परसन्स हाउसिंग कोर्पोरेटिव  
सोसाइटी सिकन्दराबाद  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कास्ता पती अर्जुन दास समताप धर नं०  
3-6-547/5/2 होमाय नगर हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-  
षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कुल जमीन नं० 13 धर नं० 5-9-30/1 बशीर बाग हैदराबाद  
जिस्से 432 वर्ग मीटर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1644/77 उप-  
रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-2-1978  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० आर० पी० सी० 209/77-78—यतः मुझे के० एस०

वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 5 है, जो बशीर बाग में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
30-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

(1) दी हैदराबाद डिसप्लेसड परसन्स हाउसिंग कोपरेटिव  
सोसाइटी सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री बलीराम दयाराम घर नं० 5-3-844/7/13  
मालाकुन्टा हैदराबाद मालिक होटल इम्पीरियल  
नामपली, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन नं० 5 घर नं० 5-9-30/1 बशीर बाग हैदराबाद  
में है बिस्व-281 वर्ग मीटर रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में और  
दस्तावेज नं० 1740/77।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-2 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी, 1977

सं० नं० 210/77-78—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8 घर नं० 1-11-251/5 बेगमपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल

का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वीशानु वडुमल शहानी पिता वडुमल गुतेवार  
"पुनम निवास कलर भवन सिकन्दराबाद—हैदराबाद  
(अन्तरक)

(2) श्री कान्तीलाल घर नं० 55 जिला सिकन्दराबाद-3  
(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 8 दूसरा मजिल पर घर नं० 1-11-251/5 बेगमपेट सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 950/77 सब-रजिस्ट्रार सिकन्दराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-II, हैदराबाद

तारीख : 6-2-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 211/77-78—यतः मुझे के० एस०  
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लाट नं० 4 घर नं० 1-11-251/5 बेगमपेट सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विश्वनु बहूमल शाहनी मुतेदार "पुष्प निवास"  
सोमाजीगुडा हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अबुतपली कमला पत्नी ये वेंकटरत्नम  
घर नं० 10-18-290 भवानी नगर तीरुपती (ए० पी०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लाट नं० 4 पहला मंजला पर—घर नं० 1-11-251/5  
बेगमपेट सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 977/77 उप-  
रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद।

के० एम० वेंकट रामन,

समक्ष अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-2-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),

अजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 212/77-78—यतः मुझे,  
के० एम० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लाट नं० 2 घर नं० 1-11-251/5 बेगमपेट में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-7-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, क अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाटिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विश्वानु बाबुमल शहानी भुतेदार "पुनम निवास"  
सोमाजीगुडा—हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री के० एस० आर० मूरती, मारफत के० के० राउ  
प्लाट नं० 19 दीलसुक नगर कालोनी-5 हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लाट नं० 2 पहली सता पर घर नं० 1-11-251/5 बेगमपेट  
सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० पी-656/77 उपरजिस्ट्री  
कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० एम० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),

अजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-2-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी, 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 213/77-78—यतः मुझे, के० एस०  
बेकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 7 घर नं० 1-11-251/5 बेगमपेट  
में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5—476 GI/77

(1) विष्णु बहुमल शहानी गृहेदार "पुनम निवास"  
सोमाजीगुडा—हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती तारा बेन पती काकुभाई तककर घर नं० 34  
सत्यानारायनपुरम हीदरेवसती, सिकन्दराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 7 दूसरी मंजिल पर घर नं० 1-11-251/5  
बेगमपेट, सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० पी 652/77  
उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० एस० बेकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-2-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी, 1978

सं० नं० 214/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 32 का भाग है, जो नारायणगुडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. वी० एल० नारासिन्हा राओ, मकान नं० 3-6-750/D हिमायतनगर हैदराबाद (2) वी० पी० भारद्वाज मकान नं० 3-6-750/D हिमायत नगर हैदराबाद (अन्तरक)

2. सर्वश्री मोटे वेंकटय्या पिता लक्ष्मय्या मकान नं० 14-3-45 गोणमहल हैदराबाद 2 बालक मलेश/मकान नं० 1-3-1062/5 कबाडी गुडा हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पडमरमरा भाग प्लॉट नं० 32 श्री वेंकटेश्वर हाउसिंग सोसाइटी कालोनी नारायणगुडा, हैदराबाद वीस्ट नं० 223-3 वर्ग याई रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1516/77 सब रजिस्ट्रार हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-2-1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री बी-मल नरसीमय्याड और बी० पी० बरदबाघ घर  
नं० 3-6-750/डी हीमायत नगर हैदराबाद ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 फरवरी 1978

(2) 1. श्री मोते बेनकटया 14-3-45 गीशमहल  
2. बलकी मलेश 1-3-1062/5 कवाडीगुडा, सिकन्दरा-  
बाद । (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

सं० आर० ए० सी० 215/77-78—यतः मुझे के० एस०  
बेनकट रामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लॉट नं० 32 का भाग है, जो नारायनगुडा  
में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 10-6-77 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

कुल जमीन प्लॉट नं० 32 का भाग है तुर्प भाग श्री बेनकटेशवर  
हाउसिंग सोसाइटी कालोनी नारायनगुडा हैदराबाद दरजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 1517/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।के० एस० बेनकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-2-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 2 फरवरी 1978

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/10472/77-78/एसोक्यू/बी  
यतः मुझे, जे० एस राव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8 और 9 है तथा जो वालटन रोड़, बंगलूर में  
स्थित है (और इससे उपाह्वान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, बंगलूर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 9-6-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्रीमती तलमा फरनांडीस पत्नी मेजर एम० ए०  
फरनांडीस नं० 9, वालटन रोड़, बंगलूर, 2. डा० मेखेल  
विनसेंट फरनांडीस सुपुत्र मेजर एम० ए० फरनांडीस  
रेप्रसेंटेव बै० डकासटा 31/1 एम० पी० रोड़ बंगलूर-1  
(अन्तरक)

(2) द आल फोनसियन सोसाइटी मै० डकासटा और  
डकासटा, 31/1, एम० जी० रोड़, बंगलूर-1  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

#### अनुसूची

(इस्तावेज सं० 623/77-78 तारीख 9-6-77)

नं० 8 और 9 वालटन रोड़, बंगलूर।

बांध : उ : दूसरा का

द :

पू : वालटन रोड़

प : कनसरवन्सी रोड़

जे० एस० राव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 2-2-78

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 फरवरी 1978

निर्देश सं० सी०आर० नं० 62/10536/77-78/एक्यू/—

यतः मुझे, जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 4 और 5 हैं, तथा जो लॉग फोरड गारडनस, प्लॉग फोरड टोन, बंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10/6/1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती जी० रतनवल्ल्मी अम्माल, पत्नी पी० एस० गोपाल कृष्ण नं० 6, बरटन रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर-25 और 'कृष्ण' त्यागराजन रोड, मद्रास-17 (अन्तरक)

(2) श्री आनंदपुर ट्रस्ट श्री आनंदपुर तेहसील अणोकनगर गुना डिस्ट्रिक्ट (एम०पी०) रजिस्ट्रार म श्री बै० विविथल दास सुपुत्र उत्तमचंद चावला, श्री आनंदपुर कोंप, बंगलूर। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 646/77-78 ता० 10-6-77)  
नं० 4 और 5 लॉग फोरड गारडनस, लॉग फोरड टोन, बंगलूर  
(डि० नं० 60)

बांध:

उ : नं० 3ए

द : नं० 6

पू : दूसरा का

प : लॉग फोरड गारडनस रोड

जे० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर।

दिनांक : 2-2-1978

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 फरवरी 1978

निर्देश सं० सी आर नं० 62/11166/77-78/एक्यू/(0)—

यतः मुझे, जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिनकी सं० 17-17-1334-एक्स, 133-4ए, 1334-बी है, तथा जो 17 फलनोर वारड, अट्टावर विलेज, मंगलूर, (S.K. Distt) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर सिटी मॉरजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21/6/67

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मैकेल सैरिल फ्रेडरिक मासकारिनहास सुपुत्र स्व० आलवरट मासकारिनहास इंजीनियर स्टुरांक रोड, फलनोर, मंगलूर टौन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुनंदा बि० कामत पत्नी श्री बालकृष्ण० आर० कामत नं० 17-17-1334, फलनोर, मंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 232/77-78 दिनांक 21/6/77)

आर० एस० नं० टी० एस० नं० किसिम पोरशन एकस्टेंड 780-2बी 708-2बी गारडन उत्तर निबाग 37 सेंट्स सारा संपत्ती का डोर नं० 17-17-1334, 1334-ए, 1334-बी 17 फलनोर वारड, अट्टावर विलेज, मंगलूर, (एस० के० डि०) बांध:

उ : रोड

द : पोरशन आफ सेम सरवे नं०

पू :

प : सरवे लैन

जे० एस० राव०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर।

दिनांक : 3-2-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 फरवरी 1978

निर्देश सं० सी०आर० नं० 62/11376/77-78/एक्यू0(बी)  
—यतः मुझे, जे० एस० राव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 2/1ए है, तथा जो मेडिकल कालेज ईस्ट  
मैन रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलासी  
पालयम, बंगलूर बसवत वारडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30/6/77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सी० एम० कालिमूला खान नं० 10 बरली स्ट्रीट  
काम, लाग फोरड, टौन, बंगलूर-25

(अन्तरक)

(2) राधेल एलन रामू पत्नी डी० एम० रामू नं० 2,  
कारनवेल रोड, लाग फोरड टौन बंगलूर-25

(अन्तरिती)

(3) मैमर्स रापटाकास ग्रेट और कंपनी लिमिटेड, 2/1ए  
मेडिकल कालेज ईस्ट मैनरोड, कलासी पालयम,  
बंगलूर-2

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कायबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

#### अनुसूची

(वस्तावेज सं० 688/77-78 ता० 30/6/77)

गं० 2/1ए, मेडिकल कालेज ईस्ट मैन रोड, कलासी पालयम,  
मंगलूर-2

बांध:

पू : सि० एम० आलिमूला खान

प : सि० एम० अब्दुल रहमान खान

उ : एम० एस० मोटाम सरवीस रोड

द : दूसरा का

जे० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 2-2-78

मोहर :

प्रमाण आई० टो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 फरवरी 1978

निर्देश नं० एफटीवी/5/77-78—अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० भूमि 22 कनाल 6 मरला है तथा जो रतीया तहिले फतेहबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पिरथी राम पुत्र श्री आनन्द राम, श्री टेकचन्द पुत्र श्री पिरथी राम मारफत म० रवीन्द्रा जनरल स्टोर नए बस स्टैंड, रतीया तहिले फतेहबाद (अन्तरक)

(2) श्री रजीव कुमार, अरविन्द कुमार पुत्रान श्री मोहन लाल, श्रीमती मिथला देवी धर्मपत्नी श्री मोहन लाल मारफत म० सेतीया राहम मिलज, रतीया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि 22 कनाल 6 मरला जो कि रतीया में स्थित है "सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 570 में दी गई है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में 19-5-1977 को लिखी गई।"

रवीन्द्र कुमार पठानिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 6-2-1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी०एन एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 फरवरी 1978

निर्देश सं० एफ०टी०वी०/6/77-78—अतः, मुझे रवीन्द्र  
कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिन की सं० जमीन 22 कनाल 7 मरला है तथा जो  
रतीया तहिले फतेहबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, फतेहबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
मई, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6-476GI/77

(1) श्री धर्मपाल, लक्ष्मन दास पुत्रान श्री पिरथी राम  
मारफत रवीन्द्रा जनरल स्टोर न्यू बस स्टैंड,  
रतीया तहिले फतेहबाद

(अन्तरक)

(2) मै० रजीव इन्द्रप्राईजज काटन गिनिंग, प्रैसिंग और  
जनरल मिल्ज रतीया तहिले फतेहबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन 22 कनाल 7 मरला जो कि रतीया में स्थित है  
“(संपत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 572 में दी है  
और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में 19-5-77  
को लिखी गई है।)

रविन्द्र कुमार पठानिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 6 फरवरी 1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्रीमती श्रीदेवी कोविलम्मा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री (i) वी० एम० यूसफ  
(ii) वी० एन० ऊममान

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-15, दिनांक 6 फरवरी 1978

निदेश सं० एल० सी० 168/77-78 —यतः मुझे

सी० पी० ए० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कालिकट कार-  
पोरेशन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 10-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

5.35 cents of land and shop cum lodge building bearing  
13-368 to 13/374 and 13/392, Palayam Road, Calicut.

सी० पी० ए० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 6 फरवरी 1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, सवणूर बिल्डिंग धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 4 फरवरी 1978

निर्देश सं० 204/77-78/अर्जन—यतः, मुझे डि० सि०  
राजागोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सि० एम० नं० 1134/50, है, जो तीसरा बार्ड,  
बिजापुर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बिजापुर अंडर डाकुमेंट नं० 792 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दि० 29-6-77  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरिती)  
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (i) श्री मलिकार्जुनप्पा गंगप्पाबैकाड,  
(ii) प्रभु मल्लिकार्जुनप्पा बैकाडे, कमिसेन एजेंट,  
बिजापुर

(अन्तरक)

(2) श्री सिवलिंगप्पागौडा सिवरायागौडा पोलिस पाटील,  
मार्फत मेसर्स दिगावि पाटिल और कं० कमिसेन एजेंट  
ए० पि० एम० सि० यार्ड, बिजापुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थानिक आस्ति ए० पि० एम० सी० के यहाँ है। नं० सि०  
एस० 1134/50, एकत्र 1643.3/9 स्कार यार्ड है।

डि० सि० राजागोपालन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, धारवाड़

दिनांक : 4 फरवरी 1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सवणूर बिल्डिंग धारवाड़

धारवाड़-580004, दिनांक 4 फरवरी 1978

निर्देश सं० 205/77-78/अर्जन—यतः, मुझे, डि० सी०  
राजागोपालन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसको सं० मि० एम० नं० 1134/50 है, जो  
तीसरा वार्ड, बिजापुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, बिजापुर अंडर डाकुमेंट  
नं० 713 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दि० 29-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, लिखित में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (i) श्री मल्लिकार्जुनप्पा, गंगप्पा बैकोड,  
(ii) प्रभु मल्लिकार्जुनप्पा बैकाड, कमीशन एजेंट  
बीजापुर  
(अन्तरक)

(2) श्री सता रेड्डि मडिवालप्पा दिग्गवि, मार्फत मैसर्स  
देग्गवि पाटील और क० कमीशन एजेंट, ए०  
पि० एम० सि० यडि, बिजापुर ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

अनुसूची

स्थानीय आस्ति ए० पि० एम० सि० के यहाँ है । नं०  
सि० एस० 1134/50, एकत्र जागा 1643.3/9 एकार  
वार्ड है ।

डि० सी० राजागोपालन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, धारवाड़

दिनांक : 4 फरवरी 1978  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 4 फरवरी 1978

निर्देश सं० 206/77-78/अर्जन—यतः मुझे डि० सी० राजागोपालन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सि० एस० नं० 1134/50, है, जो तीसरा बार्ड बिजापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिजापुर अंडर डाकुमेंट नं० 794 दिनांक 29-6-77 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री 1. मल्लिकापुत्तप्प गंगप्पा बौकाडे, 2. प्रभु म० बौकाडे, कमीसन एजेंट, बिजापुर

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रशेखर भीमराव दिग्गावि मार्फत मेसर्स दिग्गावि पाटिल और क० कमीसन एजेंट, बिजापुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

स्थानीय आस्ति ए० पि० एम० सि० के यहाँ है। एरिया 1643.3/9 यार्ड है।

संख्या सि० एस० नं० 1134/50

डि० सी० राजागोपालन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, धारवाड़

दिनांक: 4 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/77-78/920—

अतः, मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-6-67 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् 1—

(1) श्री दानवीर आर० बी० राज्य भूषण सेठ तिलोक चन्द्र कल्याणमल दिग्म्बर जैन परमार्थिक संस्था (Trust) 47, शीतलामाता बाजार, इन्दौर। (अन्तरक)

(2) (i) श्री कनकमल पुत्र श्री सौभाग्यमल जी,  
(ii) श्रीमती बदामी बाई पत्नी श्री कनकमल जी सिधवी, दोनों निवासी 14, मोरास अली गली, इन्दौर, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर, 58, (नया नं० 377), गौरा कुंड, एम० जी० रोड, इन्दौर।

रा० कु० बाली

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 30 जनवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/77-78/921--

अतः, मुझे रा० कु० बाली

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिनकी मं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-6-77  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

(1) (i) श्री राम नारायण नाग पुत्र श्री उत्तम नारायण  
नागू (ii) श्रीमती उर्मिला नागू पत्नी श्री राम-  
नारायण नागू (iii) श्री रमन नागू (iv) श्री राजेश  
नागू (v) श्री राकेश नागू सभी पुत्र श्री रामनारायण  
नागू, सभी निवासी "गुलनार" श्यामला हिल्स,  
भोपाल ।"

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुसुम देवी अग्रवाल पत्नी श्री बी० के०  
अग्रवाल निवासी 158, साकेत नगर, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 4/6, पलासिया स्ट्रीट नं० 22, इन्दौर ।

रा० कु० बाली  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 30 जनवरी 1978

भोहर :

प्ररूप आई० सी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 जनवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० ए०/भोपाल/77-78/925—

अतः, मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली भूमि है, जो खरगौन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरगौन में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-6-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (i) श्री मोती लाल (ii) श्री निरंजन लाल (iii) श्री राम गोपाल (iv) श्री राम किशन (v) श्री महेश प्रसाद सभी पुत्र श्री पोखरमल अग्रवाल सभी निवासी खरगौन ।

(अन्तरक)

(2) (i) श्री मांगीलाल (ii) श्री ओमकार पुत्र श्री गंगाराम गुजराती, निवासी ग्राम गैगवा, खरगौन ।  
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

खुली भूमि पी० ए० नं० 36, ब्लॉक नं० 7, ग्रुप नं० 2, सनावद रोड, (टैगोर पार्क कालोनी), खरगौन ।

रा० कु० बाली

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 31 जनवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 77-78/922—

अतः, मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो भोपाल में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्री-  
कृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाथिरब में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7-476 GI/77

(1) श्री डा० महेश्वर कुमार पुत्र श्री धरम दास जी  
निवासी 16/1 साउथ तुकोगंज, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरद्वारी लाल शर्मा पुत्र श्री गोपालराम शर्मा  
द्वारा वीनू पेटर्नस, इन्डस्ट्रीयल स्टेट, गोविन्द  
पुरा, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान स्थित प्लॉट नं० ई-1/55, अरेरा कालोनी, भोपाल।

रा० कु० बाली,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 30 जनवरी 1978

मोहर :

## प्रारूप आई०टी०एन०एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 जनवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एन०/भोपाल 77-78/924—

अतः, मुझे रा० कु० बाली,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिस की सं० मान है जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपावृत्त अलगूनी में और पूर्ण के रूप में वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रार के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत  
अधिनियम 1908 (1908 का 15) के अधीन 27 (77  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तराली (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए न्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित  
नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की धारा उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तराली द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या दिया जाना चाहिए था छिपान  
में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के  
अनुरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नोक्त व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री लाल चन्द श्री जयचन्द वोनो पुत्र श्री सेरमल  
जी स्थित 14 नार्थ राज मुहल्ला गली न०  
7 इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री द्वारका दाश जमनादाम नेमा स्थित 396  
एम० जी० रोड इन्दौर।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान स्थित ब्लाक न० 443 एम मकान न० 14  
गैलरी न० 7 नार्थ राज मुहल्ला (पार्ट) इन्दौर।

रा० कु० बाली,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, भोपाल।

दिनांक. 31 जनवरी 1978

मोहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल दिनांक 31 जनवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/77-78/926—

अतः, मुझे रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-6-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लाल चन्द्र व जय चन्द्र दोनों पुत्र श्री सेरूमल जी निवासी 14, नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्री नवनोतलाल हरीकिशन नीमा, निवासी जूनी कसेरा बाखल, इन्दौर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लॉक नं० 443, म्युनिसिपल मकान नं० 14, स्ट्रीट नं० 7, नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर। (भाग)

रा० कु० बाली,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 31 जनवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एन०-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 जनवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल/77-78/927—  
अतः, मुझे रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-6-77  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :--

(1) (i) श्री लाल चन्द्र (ii) श्री जय चन्द्र दोनों पुत्र श्री  
सीरूमलजी निवासी 14, नार्थ राज मोहल्ला,  
इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) (i) श्री श्याम (ii) श्री मधुर मनोहर पुत्र श्री  
ब्रारकादास नीमा निवासी 396, ऐम० जी०  
रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ब्लॉक नं० 443, मकान नं० 78, गली नं० 7, स्थित  
नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर।

रा० कु० बाली,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल।

दिनांक : 31 जनवरी 1978

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 जनवरी 1978

निदेश सं० आई० ऐ० सी० एक्वी/भोपाल/ 77-78/928—

अतः, मुझे रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-6-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) (i) श्री लाल चन्द, (ii) श्री जयचन्द दोनों पुत्र श्री सीरु-मल जी निवासी-14, नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर ।  
(अन्तरक)

(2) श्री गुलाब चन्द हरीकिशन नीमा, निवासी 8, जूनी बमेरा बाखल, इन्दौर ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ब्लॉक नं० 443, मकान नं० 7, नार्थ राजमोहल्ला, इन्दौर ।

रा० कु० बाली,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख : 31-1-78  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० ए०/भोपाल/77-78/923—

अतः मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषिभूमि है जो, ग्राम सावरो, में स्थित है (और, मैंने उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता सावरो के कार्यालय, सौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-7-77 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :-

(1) रामभाऊ पुत्र श्री मखाराम चौधरी निवासी सावरो, तह० सोसर, जिला-छिन्दवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्री दामोदर पुत्र श्री बिहारी लाल जी व्यास निवासी-पी० ओ० बरडी, तह० सोसर, जिला-छिन्दवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 2.509 हेक्टेयर खसरान न० 333, बियरिंग न० 386, स्थित ग्राम सावरो तह० सोसर व जिला-छिन्दवाड़ा।

रा० कु० बाली,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 30-1-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1978

(1) श्री अमृत लाल पुत्र श्री छगनलाल संचानिया निवासी-  
45, वल्लभनगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री गौरीशंकर पुत्र श्री गोपीलालजी शर्मा, निवासी-  
12/2 ग्रेम कोर्स रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी घाव की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

अनुसूची

प्लॉट नं० 162, कमल बाग, मेन रोड, इन्दौर।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, विधान में सुविधा के लिये।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिनियम, अर्थात्:—तारीख 30-1-1978  
मोहररा० कु० बाली,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल,

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 जनवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 77-78/929—  
अतः मुझे रा० कु० बाली,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुला प्लॉट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-7-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री भीमदेव रावमार्तण्ड राव भागवत, (ii) श्रीमति कुमुदनी, (iii) विरन, (i) बुमारी गुस्वला, सभी निवासी-12 मीरा पथ इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सोमानादेवी पत्नी श्री देवेन्द्र कुमार जैन, स्थित-4/5-एम, जवाहर नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुला प्लॉट नं० 6-अ भाग पर स्थित मीरापथ, इन्दौर।

रा० कु० बाली,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख : 31-1-78.  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/77-78/930—

अतः मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर, में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8—476/GI 77

(1) श्रीमती भगवती बाई पत्नी स्व० श्री गौरीशंकर, निवासी 150, जगदीश भवन, स्मारक पथ, लार्ड-गंज, जबलपुर। (अन्तरक)

(2) श्री रमेश कुमार पुत्र श्री बिसन लाल चौकसे, निवासी-खापा, जबलपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1682, प्लॉट नं० 125 स्थित राईट टाउन, गोल बाजार, जबलपुर।

रा० कु० बाली,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

तारीख: 4-2-78

मोहर:

अर्जन रेंज, भोपाल,

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/77-78/931—

प्रतः, मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग भूमि है, जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सक्कट बाई फरिषता, पत्नी श्री राजबअली फरिषता, निवासी बैरन बाजार, रायपुर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री छोटेलाल राठौर, (2) श्री माखनलाल राठौर, दोनों पुत्र श्री मुन्नालाल राठौर, (3) श्री मुकुन्द लाल राठौर, (4) श्री चन्द्रप्रकाश राठौर, दोनों पुत्र श्री छोटेलाल राठौर, (5) श्री सुरेश चन्द्र राठौर, पुत्र श्री माखनलाल राठौर, सभी निवासी राठौर चौक, रायपुर।

(अन्तरिती)

3. मैसर्स विनार रेस्टोरेंट एण्ड बार, रायपुर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग व भूमि क्षेत्रफल 1084 वर्गफुट जिस पर मैसर्स विनार रेस्टोरेंट एण्ड बार स्थित है, जोकि पंजाब नेशनल बैंक के पास रायपुर में स्थित है।

रा० कु० बाली,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-2-1978

म।

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 जनवरी 1978

निवेश सं० 1031 ए/अर्जन/सहारनपुर/7778/7486—

अतः मुझे आर० पी० भार्गव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय रुड़की में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-6-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पक्षात् :—

(1) फौजा सिंह पुत्र सच्चा सिंह, अश्वतार सिंह एवं भगत सिंह पुत्रगण हजारा सिंह, सरजीत सिंह एवं अजमेर सिंह पुत्र फौजा सिंह, हजारा सिंह पुत्र खुशाल सिंह, निवासी ग्राम ब पोस्ट निरंजनपुर परगना ज्वालापुर तहसील रुड़की, जिला सहारनपुर । (अन्तरक)

(2) हरवन्स सिंह, कुलवंत सिंह, निर्मल सिंह एवं जरनेल सिंह पुत्र दर्शन सिंह निवासी निरंजनपुर परगना ज्वालापुर तहसील रुड़की, सहारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल संपत्ति भूमि 36 बीघा 9 बिस्वा एवं 5 बिस्वासी खसरा नं० 341 एवं 365 स्थित निरंजनपुर परगना ज्वालापुर जिला सहारनपुर 35500 रुपये के विक्रय मूल्य में बेची गई ।

आर० पी० भार्गव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 30 जनवरी 1978 ।  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेंजन, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 जनवरी 1978

निदेश न० 1039ए/अर्जन/देहरादून/7778/7487—

अतः मुझे, आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी म० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 12-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जा  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) श्रीमती सरला बालिया पत्नी वी० जे० सिंह  
निवासी हौज खास नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सेमलन उल्मा राकरा पत्नी टी० आर०  
राकरा निवासी लेह लद्दाख (जे० के०)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि 1 बीघा 3 कुटियों सहित स्थित  
लगभग 3 किलोमीटर दूर राजापुर रोड़ देहरादून से  
32,000) के विक्रय मूल्य में बेची गई।

आर० पी० भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 30 जनवरी 1978

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 जनवरी 1978

निदेश सं० 1202ए/अर्जन/कानपुर/7778/17488—

अतः मुझे आर० पी० भागंब

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-7-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरसुखराय नवीनेधराय कामदार पुत्र नवीनधराय त्रिभुवनदास कामदार नि० 78/279 लाटूश रोड, कानपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती रामा देवी पत्नी भगवान दीन वाजपेयी श्रीमती रामा देवी पत्नी सुरेश कुमार वाजपेयी अनिल कुमार वाजपेयी प्रमोद कुमार, प्रदीप कुमार एवं विनोद कुमार पुत्रगण भगवानदीन वाजपेयी निवासी सरा परगना अकबरपुर, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 78/279 लाटोची रोड कानपुर 1,25,000) के विक्रय मूल्य में बेची गई।

आर० पी० भागंब

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 30 जनवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 जनवरी 1978

निदेश सं० 1030ए/अर्जन/सहारनपुर/7778/7498—अतः

मुझे आर० पी० भार्गव

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रुड़की में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री फौजा सिंह पुत्र सुब्बा सिंह अवतार सिंह एवं भगत सिंह पुत्र हजारा सिंह निवासी गाम व पोस्ट निरंजनपुर व० ज्वालापुर त० रुड़की, सहारनपुर (अन्तरक)

(2) श्री करनैल सिंह, कुलदीप सिंह एवं अवतार सिंह पुरगण वर्शन सिंह निवासी निरंजनपुर प० ज्वालापुर त० रुड़की, सहारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अचल संपत्ति भूमि 45 बीघा का 2/3 भाग खसरा नं० 342 एवं 343 स्थित ग्राम निरंजनपुर परगना ज्वालापुर तहसील रुड़की जिला सहारनपुर 29250) के विक्रय मूल्य में बेची गई।

आर० पी० भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 30 जनवरी 1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 जनवरी 1978

निवेश सं० 1033ए/अर्जन/सहारनपुर/7778/7510—

अतः मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रुड़की में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-6-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पद्मा पुत्र राम प्रसाद निवासी हरदेवपुर सहदेवपुर उर्फ रानी मजरा पोस्ट शाहपुर शीतला खेड़ा प० ज्वालापुर त० रुड़की, सहारनपुर

(अन्तरक)

(2) श्री रुबराज सिंह, देवराज सिंह, देशराज सिंह एवं पुष्पराज सिंह पुत्रगण इन्द सिंह नि० ग्राम व पोस्ट शाहपुर शीतला खेड़ा प० ज्वालापुर त० रुड़की जिला सहारनपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि 16 बीघा 19 बिस्सा एवं 4 बिसोसी खसरा नं० 291, 316, 373, 375 एवं 376 स्थित हरिद्वार जिला सहारनपुर 38,000) के विक्रय मूल्य में बेची गई।

आर० पी० भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन, रेंज कानपुर

दिनांक : 30 जनवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 30 जनवरी 1978

निदेश नं० 1464 ए/अर्जन/सहारनपुर/77-78/7511—

अतः मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रुड़की में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-6-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सेवा राम, इलम सिंह, इच्छा राम, कुंवर पाल उपनाम कुंवर सिंह पुत्रगण घसीटा सिंह निवासी डाढेकी दाना मजाहदपुर डा० लकसर प० मंगलौर, सहारनपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलदीप सिंह, हरजीत सिंह, तेज प्रताप सिंह, गुरनाम सिंह, प्यारा सिंह, अमर देव सिंह निवासी लकसर स्टेशन डा० लकसर प० मंगलौर त० रुड़की जिला-सहारनपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अचल संपत्ति भूमि 21 बीघा 6 बिस्वा खसरा नं० 137, 280, 501, 502, 503/1, 507/2 एवं 509/2 स्थित ग्राम अकबरपुर परगना ज्वालापुर तहसील रुड़की जिला सहारनपुर 64,000) के विक्रय मूल्य में बंटी गई।

आर० पी० भार्गव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 30 जनवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 1977

निदेश नं० 899 ए/अर्जन/ गा० बा०/77-78/6526—अतः मुझे आर० पी० भार्गव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ..... है तथा जो ..... में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-7-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

9-476GI/77

1. श्री दयाल चन्द पुत्र नेमराज, ओमप्रकाश पुत्र केवल राम निवासी प्रेमपुरी गाजियाबाद रामचन्द पुत्र श्यामल दाम नि० 56 प्रेमपुरी गाजियाबाद। (अन्तरक)

2. (1) मुखनाथम श्रीमती राम कली पान्डे पत्नी स्वर्गीय जयन्ता प्रसाद पांडे एवं श्रीमती प्रभा शुक्ला पत्नी जगत नारायण शुक्ला एवं राम कुमार पाण्डे एवं विजय कुमार पान्डे पुत्र जयन्ता प्रसाद पान्डे निवासी 111/36 अशोक नगर कानपुर।

(2) मेसर्स एन० सी० प्रोडक्ट्स 8229/6 आराकशा रोड, पहरगंज नई दिल्ली-55 द्वारा श्री सुरेन्द्र कुमार निवाहन, पार्टनर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं; वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 8 स्थित आनन्द इण्डस्ट्रियल स्टेट जी० टी० रोड जिला गाजियाबाद 35,000/- के विक्रय मूल्य में बेचा गया।

आर० पी० भार्गव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 31-12-1977

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 31 दिसम्बर 1977

निदेश नं० 1005ए/अर्जन/मेरठ/77-78/6528— अतः  
मुझे आर० पी० भागव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० ..... है तथा जो  
..... में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-7-77  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की धारा  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना:—

(1) श्री शेख शफीउद्दीन सावरी पुत्र शेख रफीउद्दीन,  
लाल कुर्ती मेरठ कैन्ट।

(अन्तरक)

(2) नवयुग गृह निर्माण सहकारी समिति लि०  
द्वारा गौतम शर्मा अध्यक्ष पुत्र तारा चन्द शर्मा  
निवासी ब्रह्मपुरी, मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट 16 विस्वा स्थित प्रहलाद नगर के  
पास साकेत के पीछे जिला मेरठ 72600/- के विक्रय मूल्य  
में बेची गई।

आर० पी० भागव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 31-12-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 1977

निदेश नं० 771ए/अर्जन/मु० नगर/77-78/6525—अतः  
मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०..... है तथा जो..... स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-7-1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती राम प्यारी पत्नी श्री रामदत्ता मल 10/4  
गांधी कालोनी मुजफ्फर नगर ।  
(अन्तरक)

(2) मेसर्स जुपीटर पेन्ट एण्ड केमिकल इन्डस्ट्री नई  
मन्डी मुजफ्फर नगर द्वारा श्री चमन लाल  
प्रोप्राइटर निवासी 8-बी/9 गांधी कालोनी  
मुजफ्फर नगर ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसाब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 93, घेर खत्ती नई मन्डी मुजफ्फर नगर  
40,000/- के विक्रय मूल्य में बेचा गया ।

आर० पी० भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-12-77  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 5 जनवरी 1978

सं० 547—यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० 5/1 है, जो गुंटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-7-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री उन्नम विद्यासागर दुग्गिसला (अन्तरक)
- (2) श्री सयद आली गुंटूर (अन्तरिती)
- (3) श्री शेक० पेरु साहिब, गुंटूर ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावण:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

गुंटूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3676/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 5-1-1978  
मोहर:



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-1

4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 फरवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1-एस० आर०-III/64/  
जून-1(11)/77-78/5543—अतः मुझे, जे० एस०  
गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एन-122 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 9-6-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कुन्दन लाल बसरा, सुपुत्र श्री मुख्तार राज  
बसरा, निवासी मकान नं० 8, ब्लॉक नं० 48,  
ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण चन्द्र अरोड़ा, सुपुत्र स्वर्गीय श्री ठाकर  
दास अरोड़ा, तथा श्रीमती प्रेम लता अरोड़ा,  
पत्नी श्री कृष्ण चन्द्र अरोड़ा, निवासी सी-1, होज  
खास, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

बिल्डिंग जोकि वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बनी हुई  
है, जिसका नं० 122, ब्लॉक नं० 'एन' है, निवासी कालोनी  
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : मकान नं० 124

पश्चिम : मकान नं० 120

उत्तर : सविस लेन

दक्षिण : रोड़

जे० एस० गिल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 9 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 फरवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस आर-III/70/जून-2(7)/77-78/5543— अतः मुझे, जे० एस० गिल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एन-199 है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 190 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-6-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सरदारी लाल खन्ना, सुपुत्र श्री श्याम दास खन्ना, निवासी 11/3874, गली नीमवाली, दरिया गंज, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० सी० जार्ज, सुपुत्र श्री सी० जे० जार्ज, तथा श्रीमती कैलिन, पत्नी श्री जे० सी० जार्ज, निवासी द्वारा वर्ल्ड हेल्थ ओरगनाइजेशन, इन्द्र-प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

डेढ़ मंजिला मकान जोकि 300 वर्ग गज क्षेत्र के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 199, ब्लॉक नं० 'एन' है, निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लॉट नं० एन-210

पश्चिम : प्लॉट नं० एन/197-ए

उत्तर : रोड

दक्षिण : सर्विस लेन

जे० एस० गिल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 9 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 फरवरी 1978

निदेश नं० एपी 93/भटिंडा/77-78—यतः मुझे पी० एन०  
मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है,

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
मानु चाहल में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक जून, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसरण में;  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती हरवंस कौर पुत्री संतोख विधवा श्री जरमेज  
सिंह वासी गांव मानु चाहल, तहसील जीरा  
(अन्तरक)

(2) सर्वश्री गुरदयाल सिंह, दरबारा सिंह पुत्रान सोहन सिंह  
वासी मानु चाहल, तहसील जीरा।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

मानु चाहल गांव में 71 कनाल 10 मरले जमीन जैसा कि  
रजिस्ट्री नं० 1688 जून 1977 सब रजिस्ट्रार जीरा में लिखा  
है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, भटिंडा

दिनांक: 6 फरवरी 1978  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 फरवरी 1978

निदेश नं० एपी 94/भटिंडा/77-78— यतः मुझे, पी० एन०  
मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिस की सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मजाहदपुर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) परजीत सिंह पुत्र संता सिंह वासी मजाहदपुर  
तहसील व जिला कपूरथला ।

(अन्तरक)

(2) श्री भोला सिंह पुत्र काला सिंह और जगीर सिंह,  
महेन्द्र सिंह तथा जोगेन्द्र सिंह पुत्रान भोला सिंह वासी  
मजाहदपुर, कपूरथला ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-  
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

मजाहदपुर गांव में 45 कनाल जमीन जैसा कि रजिस्ट्री  
नं० 845 जून 1977 सब-रजिस्ट्रार कपूरथला में लिखा है ।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक : 6 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 फरवरी 1978

निवेश नं० एपी 95/भटिंडा/77-78—यतः, मुझे, पी० एन०  
मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जीरा  
में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जीरा में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून  
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने के लिये सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या  
क्रिज्जाजाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिद्विः—

(1) श्री साबन मल, मैमोरियल ट्रस्ट जीरा जिला  
फिरोजपुर द्वारा जगदीश राए उर्फ राम नाथ प्रधान और  
तरसेम लाल पुत्र श्री चरणदास मैम्बर ट्रस्ट (जीरा)  
(अन्तरक)

(2) सत पाल, सुभाष चन्द्र, राम सरूप, अशोक कुमार  
विजय कुमार, पुष्पान शान चन्द पुत्र ठाँडी राम  
वासी जीरा ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पक्ष  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जीरा में 32 कनाल 16 मरले जमीन जैसा कि रजिस्ट्री  
नं० 1002 जून 1977 सब-रजिस्ट्रार जीरा में लिखा है ।

पी० एन० मलिक

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिंडा

दिनांक: 6 फरवरी, 1978

सोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 फरवरी 1978

निदेश नं० एपी 96/भटिंडा/77-78—यतः, मुझे पी० एन०

मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुदकी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरकी (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री भाग सिंह, जगीर सिंह, पुत्रान सुचा सिंह वासी महिला खुर्ब तहसील मोगा।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरजीत सिंह, मल सिंह, पुत्रान प्रिथी सिंह गांव मुदकी, तहसील फिरोजपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुदकी गांव में 110 कनाल 6 मरले जमीन जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1205 जून 1977 सब-रजिस्ट्रार फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिंडा

दिनांक : 6 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 फरवरी 1978

निदेश सं० एपी 97/भटिंडा/77-78—यतः मुझे पी० एन०  
मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
मैरीपुर जरजपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय सुलतानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1977 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री बलवंत सिंह, केहर सिंह पुत्रान इन्द्र सिंह  
वासी जरजपुर तहसील सुलतानपुर ।  
(अन्तरक)
- (2) श्री सुभाष चन्द्र, रतन चन्द पुत्रान निरंजनदेव  
वासी जरजपुर तहसील सुलतानपुर  
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

मैरीपुर जरजपुर गांव में 159 कनाल जमीन जैसा कि  
रजिस्ट्री नं० 674 जुलाई 1977 सब रजिस्ट्रार सुलतानपुर  
में लिखा है ।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक : 6 फरवरी 1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 फरवरी 1978

निदेश नं० एपी 98/भटिंडा/77-78—यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा रहा था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती माया देवी विधवा रेखु राम पुत्र दौला राम  
2. कशमीरी लाल पुत्र रेखु राम वासी गली नं० 2 अबोहर।

(अन्तरक)

(2) डुंगर चन्द पुत्र श्री बुधा मल, द्वारा बनवारी लाल भोज राज अबोहर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

170 वर्ग गज 8 वर्ग फुट के एक मकान में 3/4 हिस्सा जो अबोहर में गली नं० 6 में वाकिया है। जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1194, अगस्त 1977 सब रजिस्ट्रार अबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक : 6 फरवरी 1978

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 फरवरी 1978

निदेश नं० एपी 99/भटिंडा/77-78—यतः मूझे, पी० एन०  
मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो  
खुबन (फाजिल्का) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1977 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) तारा चन्द पुत्र नरायण दास पुत्र नावर चन्द  
गांव खुबन, तहसील फाजिल्का  
(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश पुत्र मुनशी राम गांव खुबन तहसील  
फाजिल्का  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुबन गांव में 65 कनाल 5 मरले जमीन जैसा कि  
रजिस्ट्री नं० 1128, अगस्त 1977 सब रजिस्ट्रार अबोहर  
में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक : 6 फरवरी 1978  
मोहर :

प्रकृष धार्ई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 फरवरी 1978

निदेश नं० एपी 100/भटिंडा/77-78—यतः मुझे पी० एन०

मलिक

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अमोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तारा चन्द पुत्र नरैन दास पुत्र नादर चन्द गांव खुबन तहसील फाजिल्का ।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रोम प्रकाश पुत्र मुनशी राम गांव खुबन तहसील फाजिल्का ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

65 कनाल 6 मरले जमीन गांव खुबन में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1134, अगस्त 1977 सब रजिस्ट्रार अमोहर में लिखा है ।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक : 6 फरवरी 1978

मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 फरवरी 1978

निदेश नं० एपी 101/भटिंडा/77-78—यतः मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरणों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

(1) श्री द्वारका दास पुत्र श्री चौपत राए पुत्र श्री बूडा राम बासी गली नं० 4 नई आबादी अबोहर तहसील फाजिल्का ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुख्तयार कौर परितपाल सिंह पुत्र बलवंत सिंह पुत्र जसी सिंह गली नं० 4 नई आबादी अबोहर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

2000 वर्ग फुट का एक प्लॉट नई आबादी अबोहर में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1164, अगस्त 1977 सब रजिस्ट्रार अबोहर में लिखा है ।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक : 6 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 फरवरी 1978

निदेश नं० ए पी 102/भटिंडा/77-78—यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा महिला सिंह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीन नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किन्ना जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रूप चन्द, राम कुमार, राज कुमार, राम नाथ पुत्रान गिरधारी लाल पुत्र भगत राम बासी मोगा मंडी (अन्तरक)

(2) श्री राज कृष्ण, सुभाष चन्द्र पुत्रान माहला राम द्वारा माहला राम राज कृष्ण दुकान नं० 75 मोगा (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

4 मसौ, 12 नवम्बर में एक दुकान, बाकिया मोगा जैसा कि रजिस्ट्री नं० 5474 नवम्बर 1977- सक्षम रजिस्ट्रार मोगा में लिखित है ।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक : 6 फरवरी 1978

मोहर :

## संघ लोक सेवा आयोग

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा मई, 1978 हेतु

## आयोग के नोटिस में संशोधन

सं० एफ० 8/9/77-प० I (ख) — भारत के राजपत्र दिनांक 24 दिसम्बर 1977 में प्रकाशित सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, मई, 1978 से सम्बद्ध संघ लोक सेवा आयोग के नोटिस सं० एफ० 8/9/77 प० I (ख) दिनांक 24 दिसम्बर, 1977 रेपरिफिण्ट I के भाग ख में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे।

- (i) "प्रारम्भिक गणित" विषय के विस्तृत पाठ्य विवरण में उप-शीर्षक "ज्यामिति" के नीचे तृतीय उप-पैरा लुप्त किया जाएगा।

- (ii) "गणित (कोड-03)" विषय के विस्तृत पाठ्य विवरण के नीचे "टिप्पणी" संशोधित करके निम्न प्रकार में पढ़ी जाएगी --

"पाठ्य विवरण के भाग ख में से तीन विषय अर्थात् (i) यात्रिकी (ii) खगोल विज्ञान और (iii) सांख्यिकी में से किसी एक पर प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा।"

- (iii) "भारत का इतिहास (कोड-09)" विषय के पाठ्य विवरण के नीचे "टिप्पणी" के प्रथम वाक्य में निम्नलिखित शब्द लुप्त कर दिए जाएंगे --

"और उनको नक्शा बनाना भी आना चाहिए।"

बी० एम० जौली

अवर सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

## SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi the 1st February 1978

No F 6/15/78 SCA(I)—In continuation of this Registry's Notification No F 6/15/78-SCA(I) dated 24th January 1978 the Honble the Chief Justice of India has been pleased to continue Shri H D Gulrajani to Officiate as Deputy Registrar upto 17 February 1978 *vice* Shri A N Oberoi granted leave until further orders

M P SAXENA

Registrar (ADMN)

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi 110011 the 17th January 1978

No A 12019/1/78 Admn II—The Secretary Union Public Service Commission hereby appoints Shri M I Khanduri, a permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) and officiating Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) to the post of Special Assistant to Chairman in the office of Union Public Service Commission, on an *ad hoc* basis for the period from 10th January 1978 to 28th February 1978 or until further orders whichever is earlier

Shri M I Khanduri will be on deputation to the *ex cadit* post of Special Assistant to Chairman Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O M No F 10(24) E III/60 dated the 4th May 1961 as amended from time to time

The 28th January 1978

No A 11013/2/74 Admn II—In continuation of the Union Public Service Commission Notification of even number dated 28th November 1977 the Secretary Union Public Service Commission hereby appoints the following permanent Section Officers/Assistants of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Section Officer (Special) in the Commission's office for a further period of two months w.e.f. 12.1.1978 or until further orders whichever is earlier

*No Name Post held in CSS cadre*

- 1 Shri B S Jagopota Section Officer
- 2 Shri R N Khurana Section Officer
- 3 Shri S Srinivasan Section Officer
- 4 Shri J P Goel Section Officer
- 5 Shri S K Arora Assistant
- 6 Shri G V Mathur Assistant

2 The appointment of the aforesaid officers as Section Officer (Special) will be on deputation and their pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O M No F 10(24) E III/60 dated 4.5.1961 as amended from time to time

P N MUKHERJEE

Under Secy

for Secy

Union Public Service Commission

New Delhi 110011 the 19th January 1978

No A 32014/1/77 Admn III—The President is pleased to appoint Shri H S Bhatia a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a period from 26.12.77 to 10.2.78 or until further orders whichever is earlier

The 20th January 1978

No A 32014/1/78 Admn III(1)—In continuation of this office notification No A 32014/1/77-Admn III dated 2.1.77 the President is pleased to appoint Shri P S Sabherwal a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period

from 1-1-78 to 18-2-78 or until further orders whichever is earlier

No A 32014/1/78 Admn III(2)—In continuation of this office notification No A 32014/1/77-Admn III dated 31-12-77 the President is pleased to appoint Shri B R Basra a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 30.12-77 to 31-1-78 or until further orders whichever is earlier

No A 32014/1/78-Admn III(3)—The President is pleased to appoint Shri I I Sharma a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 2.1.78 to 18.2.78 or until further orders whichever is earlier

No A 32014/1/78 Admn III(4)—The President is pleased to appoint Shri R K Mago a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 2.1.78 to 18.2.78 or until further orders whichever is earlier

No A 32014/1/78 Admn III(5)—The President is pleased to appoint Shri R Dayal a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 6.1.78 to 20.2.78 or until further orders whichever is earlier

The 31st January 1978

No A 38014/5/76-Admn III—The President is pleased to permit Shri B B Das Sarma a permanent Assistant and officiating Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to retire from Govt service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 31st January 1978 in terms of Department of Personnel O M No 33/12/73 Fsts(A) dated the 24th November 1973

P N MUKHERJEE

Under Secy

(Incharge of Administration),

Union Public Service Commission

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DEPARTMENT OF PERSONNEL &amp; A.R.

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi the 2nd February 1978

No PF/I 1/70 Ad V—The Director Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Lokendra Singh, Public Prosecutor CBI CIU III Branch on promotion as Senior Public Prosecutor on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 3.1.1978 until further orders

No A 19015/1/78 Ad V—The Director Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri H C Patro Crime Assistant CBI Coordination Wing to officiate as Office Sndt in the Calcutta Branch of Central Bureau of Investigation Special Police Establishment with effect from the forenoon of 23.12.77 in a temporary capacity until further orders

No A 19036/1/78 Ad V—The Director Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri D R Chavan Inspector of Police CBI Jaipur Branch and an officer of Rajasthan Police Deptt to officiate as Dy Sndt of Police in Central Bureau of Investigation Special Police Establishment with effect from the forenoon of 9.1.78 in a temporary capacity until further orders

No A 19036/5/78 Ad V—The Director Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri N Sree Ram Inspector of Police CBI Hyderabad Branch and an officer of

Andhra Pradesh State Police to officiate as Deputy Supdt. of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the afternoon of 21-1-78 in a temporary capacity until further orders.

The 4th February 1978

F.No. A-19036/2/78-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Suman Singh Gogawat, Inspector of Police C.B.I., Jaipur Branch and an officer of Rajasthan Police Deptt. to officiate as Dy. Supdt. of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 9-1-78 in a temporary capacity until further orders.

No. A-19036/4/78-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri S. Roy, Inspector

of Police, C.B.I. Calcutta Branch and an officer of West Bengal State Police to officiate as Deputy Supdt. of Police Central Bureau of Investigation Special Police Establishment with effect from the forenoon of 9-1-78 in a temporary capacity until further orders.

A. K. HUI

Administrative Officer (E)

Central Bureau of Investigation

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 2nd February 1978

No. O.II-115/70-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri B. U. Achappa, Asstt. Commandant 32 Bn. CRPF w.e.f. 6-1-78 (FN).

No. P. VII-9/76-Estt.—The President is pleased to appoint on Promotion on *ad-hoc* basis the following Medical Officers (GDO; Gd-II, Dy. S. P./Coy. Comdr) as GDO; Grade-I (Asstt. Comdt.) in the CRPF until further orders.

Their postings and the dates of handing/taking over charge are indicated against each:—

Sl. No.	Name	Rank and unit of handing over charge	Date of handing over charge	Rank and unit of taking over charge	Date of taking over charge
1	2	3	4	5	6
1.	Dr. Satya Narain Pattnaik	GDO; Gd-II GC, Durgapur	10-12-77 (A.N.)	GDO; Gd-I GC, Bantalab	22-12-77 (F.N.)
2.	Dr. R. K. Mohanty	GDO; Gd-II 24th Bn.	5-12-77 (F.N.)	GDO; Gd-I GC, Neemuch	10-12-77 (F.N.)
3.	Dr. G. C. Mohanty	GDO; Gd-II GC, Gauhati	28-12-77 (A.N.)	GDO; Gd-I GC, Imphal	6-1-77 (F.N.)
4.	Dr. U. C. Biswal	GDO; Gd-II 29th Bn.	6-12-77 (A.N.)	GDO; Gd-I Base Hospital-2, Hyderabad	7-12-77 (F.N.)
5.	Dr. K. K. Saini	GDO; Gd-II Base Hospital-I, New Delhi	12-11-77 (A.N.)	GDO; Gd-I Base Hospital-I, New Delhi	21-11-77 (A.N.)
6.	Dr. S. N. Jaya Prakash	GDO; Gd-II 13th Bn.	24-11-77 (F.N.)	GDO; Gd-I GC-I, Ajmer	24-1-77 (A.N.)

The 4th February 1978

No. O.II-1038/75-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr.(Mrs) Usha Jain as Junior Medical Officer in the CRPF on an *ad hoc* basis w.e.f. 4-1-1978 (F.N.) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-32/78-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation, Shri K. Dadabhoy, an IPS officer of Gujrat Cadre as DIG in the CRPF.

2. Shri Dadabhoy took over charge of the post of Deputy Inspector General of Police CRPF New Delhi on the forenoon of 16th January 1978.

The 6th February 1978

No. O.II-1020/72-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri M. P. Gulati, Dy. S. P., 42 Bn., CRPF with effect from 20-1-78 (AN).

The 7th February 1978

No. O.II-1080/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Ashok Kumar Jain as G.D.O. Grade-II (Dy. S.P./Coy. Commander) in the C.R.P.F. in a temporary capacity with effect from the forenoon of 25th January, 1978 until further orders.

The 8th February 1978

No. O.II-147/76-Estt.—Consequent on expiry of his term of re-employment in the CRPF Shri P. N. Mehra (Retd)

relinquished charge of the post of Asstt. Commandant in the Dte. General, CRPF, New Delhi on the afternoon of 27th December 1977.

A. K. BANDYOPADHYAY

Assistant Director (Adm).

#### OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-24, the 3rd February 1978

No. F-16015(1)/1/77-Pers.—On transfer on deputation Shri Markandey Singh IPS(UT-56) assumed the charge of the post of Deputy Inspector-General, Eastern Zone, CISF, Calcutta with effect from the forenoon of 16th January 1978.

L. S. BISHI

Inspector General/CISF

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 4th February 1978

No. 10/13/76-Ad.I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Ram Singh as Assistant Director of Census Operations (Technical), on regular basis, in a temporary capacity, in the office of the Director of Census Operations, Karnataka,

with his headquarters at Bangalore, with effect from the forenoon of 27 December, 1977, until further orders.

The 8th February 1978

No. 25/39/73-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri N. G. Nag, Officer on Special Duty (Scheduled Castes and Scheduled Tribes) in the office of the Registrar General, India, at New Delhi, as Assistant Registrar General (Social Studies), in the same office, on a purely temporary and *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 28th December, 1977, for a period of 9 months or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri N. G. Nag relinquished charge of the post of Officer on Special Duty (Scheduled Castes and Scheduled Tribes) held by him in this office on the same day.

P. PADMANABHA  
Registrar General, India.

New Delhi, the 6 February 1978

No. 11/10/76-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 21 November, 1977, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointments of the under-mentioned officers as Deputy Director of Census Operations in the offices of the Directors of Census Operations as mentioned against each for a period of two months with effect from 1 January, 1978 to 28-2-1978, or till the posts are filled up on a regular basis, whichever period is shorter:—

S. No.	Name	Office of the Director of Census Operations	Head-quarter
1	2	3	4
1.	Shri Arvind Dange	Sikkim	Gangtok
2.	Shri M. Thangaraju	Tamil Nadu Pondicherry.	Madras
3.	Shri S. Rajendran	Goa, Daman & Diu	Panaji
4.	Shri Jagdish Singh	Delhi	Delhi
5.	Shri S.S.S. Jaiswal	Uttar Pradesh	Lucknow
6.	Shri S. K. Agarwal	Himachal Pradesh	Simla

No. 11/1/77 Ad.I.—In continuation of this office notification No. 11/1/77-Ad.I dated 7 October, 1977, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointments of the under-mentioned officers in the posts of Assistant Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations as mentioned against each for a further period of three months with effect from 1-1-1978 upto 31-3-1978, or till the post is filled on a regular basis, whichever period is shorter :

S. No. Name of the officer, States Headquarters

1. Shri S. K. Majumdar, Nagaland, Kohima.
2. Shri B. D. Sharma, Chandigarh (UT), Chandigarh.

The 8th February 1978

No. 6/1/74-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 6/1/74-RG(Ad.I) dated 8 June, 1977, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointments of S/Shri N. C. Sharma and R. N. Talwar as Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India, for a further period of one year with effect from 1 January, 1978 upto 31 December 1978 or till the posts are filled in on a regular basis, whichever is earlier.

The headquarters of S/Shri N. C. Sharma and R. N. Talwar will continue to be at New Delhi.

No. 10/13/76-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Tomar, Investigator in the office of the Registrar General, India and presently working as Assistant Director of Census Operations (Technical), on *ad hoc* basis, in the office of the Director of Census Operations, Bihar, at Patna, as Assistant Director of Census Operations (Technical), on regular basis, in a temporary capacity, in the same office,

with effect from the forenoon of 9 December, 1977, until further orders.

2. His headquarters continue to be at Patna.

No. 11/5/77-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 19 July 1977, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment of Shri R. K. Bhatia an Investigator as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh with effect from 4-1-1978 to 28-2-1978 or till the post is filled in on regular basis, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Bhatia will continue to be at Lucknow.

BADRI NATH  
Deputy Registrar General, India &  
*ex-officio* Deputy Secy.

New Delhi-110011, the 8th February 1978

No. P/P(35)-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 9-12-1977, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment of Shri K. N. Pant, a permanent Hindi Translator in the Secretariat of Election Commission of India, as Hindi Officer in the Office of the Registrar General, India by transfer on deputation upto 31 March, 1978, with effect from 1st January, 1978, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Pant will continue to be at New Delhi.

BADRI NATH  
Deputy Registrar General, India.

#### MINISTRY OF FINANCE DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461001, the 4th February 1978

No. 7(36) 8928.—Further to this office notification Nos. 7(36)3834 dated 24/6/75, 7(36)10023 dated 23/12/75, 7(36)13145 dated 26/3/76, 7(36)6051 dated 14/9/76, 7(36)12896 dated 25/3/77, 7(36)3134 dated 16/7/77 and 7(36)6212 dated 28/10/77 Shri S. T. Shirsat is allowed to continue in the post of Fire Officer on an *ad hoc* basis for a further period of 3 months with effect from 31/12/77 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

R. VISWANATHAN  
General Manager.

#### INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPTT. Hyderabad, the 6th February 1978

No. E.B.I./8-312/77-78/397.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri C. Prasanna Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 31-1-1978 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

S. MUKHERJEE  
Senior Deputy Accountant General (Admn)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, WEST BENGAL,

Calcutta-700001, the 4th February 1978

No. Admn.I/1038/XV/3774.—The Accountant General-I, West Bengal has been pleased to appoint Sri Jainesh Chandra Chowdhury permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in a temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 28-1-78 or with effect from the date he actually takes over charge thereafter as Accounts Officer in the office of the A.G. II, West Bengal until further orders.



Sri Chowdhury on being released from his present charge may report to the Sr. Deputy Accountant General (Admn.), Office of the A.G.II, West Bengal for taking over charge as Accounts Officer against the existing vacancy in that office.

**P. K. BANDYOPADHYAY**  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR  
EASTERN RAILWAY**

Calcutta-1, the 1st February 1978

No. I./8/76.—On his attaining the age of superannuation the name of Shri P. B. Banerjee, Assistant Chief Auditor, of the Office of the Chief Auditor, Eastern Railway, Calcutta is not borne on the cadre of this office with effect from the mid-night of 30-11-1977.

**U. D. ACHARYA**  
Chief Auditor

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS**

New Delhi-110022, the 31st January 1978

No. 68012-A(4)/77/AN-II.—The President is pleased to appoint the following Permanent Accounts Officers to officiate in the junior time scale of the regular cadre of the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates shown against them, until further orders:—

Sl. No.	Name	Date from which promoted
	S/Shri	
1.	S. Kanakasabesa Iyer . . . .	12-12-1977 (F.N.)
2.	P. B. Bhattacharjee . . . .	3-1-1978 (F.N.)
3.	Gourjiban Mitra . . . .	12-12-1977 (F.N.)
4.	Sham Lal Kapoor . . . .	12-12-1977 (F.N.)
5.	Charanjit Lal Mago . . . .	12-12-1977 (F.N.)
6.	Raj Krishan Bahl . . . .	23-12-1977 (F.N.)
7.	Madan Mohan Lal . . . .	21-1-1978 (F.N.)
8.	K. C. Unniraman . . . .	12-12-1977 (F.N.)
9.	E. R. Balasubramanyam . . . .	2-1-1978 (F.N.)
10.	V. P. Gupta . . . .	20-12-1977 (F.N.)
11.	B. G. Krishnamurthy . . . .	12-12-1977 (F.N.)
12.	Bhagat Ram Biala . . . .	12-12-1977 (F.N.)
13.	R. B. Balasundaram . . . .	12-12-1977 (F.N.)
14.	G. S. Verma . . . .	10-1-1978 (F.N.)

**V. S. BHIR,**  
Additional Controller General of Defence  
Accounts

**MINISTRY OF DEFENCE**

**INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE  
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES**

Calcutta-16, the 17th January 1978

No. 1/78/G.—On attaining the age of 58 years Shri S. M. R. Singh, offg. General Manager, Gr.I (Subst. & Permt. General Manager, Gr.II) retired from service with effect from 30-11-77 (AN).

The 27th January 1978

No. 3/G/78.—The President is pleased to re-employ Shri B. P. Banerjee, Ex. Offg. Asst. Manager (Permt. Foreman), as Temp. Assistant Manager for eleven months w.e.f. 4-4-77 (FN).

**M. N. SHUKLA**  
Asstt. Director General, Ordnance Factories.

**MINISTRY OF COMMERCE**

**OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS**

New Delhi, the 6th February 1978

**IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL  
ESTABLISHMENT**

No. 6/155/54-Admn(G)/47/1290.—The President is pleased to appoint Shri O. N. Anand, Deputy Chief Controller of Imports and Exports (Non-CSS) as Joint Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi purely on *ad hoc* and temporary basis for a further period of three months with effect from 1-10-1977 or till regular arrangements are made, whichever is earlier.

**K. V. SESHADRI**  
Chief Controller of Imports & Exports.

**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS**

(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 2nd February 1978

No. A-1/1(69)/VIII.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Agarwal, permanent Dy. Director General (Super-time scale post in the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi as Additional Director General on regular basis with effect from the forenoon of the 8th August, 1977 against the regular vacancy caused by the appointment of Shri R. K. Singhal as Joint Secretary, Ministry of Health and Family Welfare.

The 3rd February 1978

No. A-1/1(1100).—On his reversion to the parent cadre in the Govt. of Kerala, Shri C. Karunakaran, relinquished charge of the post of Asstt. Director (Sales Tax) (Gr. I) in Directorate General of Supplies & Disposals at New Delhi on the afternoon of 18th January 1978.

The 6th February 1978

No. A-1/1(1108).—Shri S. K. Mukherjee, Superintendent (Supervisory Level II) and officiating Assistant Director (Admn.) (Grade II) in the Director of Inspection (Met.) Jamshedpur retired from Govt. service with effect from the afternoon of 31st January, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

**SURYA PRAKASH**  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals.

**DEPARTMENT OF SUPPLY**

(Admn. Sec. A—6)

New Delhi, the 23rd January 1978

No. A6/247(246)/60/V.—Shri K. L. Murty, a permanent Asstt. Director of Inspection (Met-Chem.) in grade III of the Indian Inspection Service, Met-Chem. Branch (Class-I) and officiating Dy. Director of Inspection in grade II of the Service in Jamshedpur Inspectorate under the Directorate General of Supplies & Disposals, retired from Govt. Service on the afternoon of 31-12-77 on attaining the age of superannuation.

The 28th January 1978

No. A-17011/11/71-A6.—The President is pleased to appoint Shri G. K. Sinha, Inspecting Officer in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Class I to officiate as Deputy Director of Inspection in Engineering Branch of Grade II of the Service on *ad hoc* basis with effect from the afternoon of the 12th December, 1977 until further orders.

Shri Sinha relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Engg.) in the office of the Director of Inspection Northern Inspection Circle, New Delhi on the afternoon of the 12th December, 1977.

The 30th January 1978

No. A-17011(64)/77-A6.—Consequent on the acceptance of his resignation from service, Shri S. P. Singh relinquished the charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) grade III of the IIS (Class I) Engg. Branch in the Madras Inspection Circle under this Dte. General w.c.f. 8-12-77(AN).

SURYA PRAKASH

Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF INDUSTRY  
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 3rd February 1978

No. A-19018/337/78-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries is pleased to appoint Shri Dwarka Prasad Popli, Hindi Translator as Hindi Officer on *ad hoc* basis, in the Small Industry Development Organisation w.c.f. 23rd January, 78 (F.N.)

2. Consequent upon his appointment as Hindi Officer, Shri Dwarka Prasad Popli has assumed charge of the post of Hindi Officer in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries w.c.f. 23rd January, 1978 (F.N.)

V. VENKATRAYULU

Deputy Director (ADMN.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES  
DEPARTMENT OF MINES  
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 30th January 1978

No. 739/B/2339(RKM)/19B.—Shri R. K. Mathur, Assistant Geophysicist, Western Region, Geological Survey of India, is released on resignation from the afternoon of 19th August, 1977, from the services of the Geological Survey of India.

V. K. S. VARADAN

Director General.

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 2nd February 1978

No. A.19011(69)/77-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri R. D. Naik, Deputy Mineral Economist (Int.) Indian Bureau of Mines as Mineral Economist (Int.) in officiating capacity in the scale of Rs. 1300—50—1700 w.c.f. the forenoon of 2nd January, 1978.

L. C. RANDHIR

Head of Office,  
Indian Bureau of Mines.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
DIRECTORATE OF FILM FESTIVALS

New Delhi, the 7th February 1978

No. 2/1/78-FFD.—The Regulations of the Twentyfifth National Film Festival, 1978 are hereby published for public information, namely :—

REGULATIONS

1. The National Film Festival of India is organised by the Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting, Government of India. Its motto is "SATYAM SHIVAM SUNDARAM".

The Festival aims at :

- (i) encouraging the production of aesthetically beautiful, thematically evocative, emotionally patriotic, technically satisfying and socially significant films;

- (ii) contributing to the understanding and appreciation of the film cultures of different regions
- (iii) promoting the feeling of integration and unity of the nation.

2. Any film received by the Central Board of Film Censors for certification in 1977 and certified not later than 31st of January, 1978 and consistent with the objectives of the festival can be entered in the festival. Films entered should be in 35 mm or 16 mm gauge. Short films should ordinarily not exceed 1000 meters in length.

3. A film entered in the festival should be exactly the same as certified by the Board of Film Censors.

4. No. film with which a member of the staff of the Directorate of Film Festivals is associated can be entered in the National Film Festival.

5. An entry can be made either by a Government department or by individual producers/production companies. Enclosed Entry Form (in duplicate) duly completed must reach the Directorate of Film Festivals not later than 15th March, 1978.

6. Prints of films entered for the National Film Festival should reach the Directorate of Film Festivals latest by 15th March 1978. If possible the prints may be sent along with the entry forms. Immediately after despatching the print, the sender should notify the Directorate of Film Festivals by mail/telegram, the title, the language of the film, the number of reels and the date and mode of despatch of the print.

7. The following material pertaining to both features and shorts entered in the festival should be sent along with the entry form to reach the Directorate by 15th March, 1978.

- (i) 40 copies of the synopsis in English of feature films and 15 copies of the commentary text for short films.
- (ii) Publicity material comprising six posters and photo-sets containing six photographs.
- (iii) 5 copies of the film script of the feature film in original language of the film together with 5 copies of the same in English or Hindi.
- (iv) Short biographical sketches of the producer, the director and the leading artistes of the film.
- (v) 2 sets of photographs of the producer, the Director and the leading artistes of the film.

8. Every application for entry must be accompanied by an entry fee of Rs. 100 in case of films exceeding 1,000 meters in length in 35 mm and 400 metres in 16 mm and Rs. 50 in the case of films shorter in length than the above mentioned limit. This fee shall not be refundable.

The amount of entry fee may be credited to Government account under the head "085-Information and Publicity Receipts from Films", through a treasury challan and receipted copy of the same sent to the Directorate of Film Festivals along with the entry form.

9. Two National Juries will be constituted by the Government of India—one for judging feature films and the other for judging short films. Children's films both features and shorts, will be judged by the Feature Films Jury.

10. The composition of the National Jury for Feature films will be as follows :

- (a) A chairman nominated by the Government; and
- (b) not more than 24 members distinguished in the field of arts and humanities, including films, and qualified to judge thematic, artistic and technical merits of films. The members will be nominated by the Government.

11. Panels may be constituted by the Chairman (at his discretion, if considered necessary) out of the members of

the National Jury for Feature Films to examine feature films in various languages and the children's films.

12. Each panel will recommend to the aforesaid National Jury for Feature Films, not more than three films in each language considered suitable for awards, without indicating order of merit. If, however, in the opinion of the panel, a particular film excels over other films examined by it meriting consideration of awards meant for individual achievements under Rule 24-I (v) to (xiv) the particular category in that event may be specified along with the title of the film.

13. The National Jury for Feature Films will thereafter view all the films recommended by the various panels and the panel for the Children's films and recommended films for various categories of awards under rule 24-I of these regulations.

14. The National Jury for Feature Films will first select the national award-winners for the following three categories :

- National Best Feature Film under rule 24-I (i),
- Best Feature film with mass appeal, wholesome entertainment and aesthetic value under rule 24-I (ii).
- Best Feature Film on National Integration under rule 24-I (iii).

The films selected for these awards will not be eligible for regional awards under rule 24-I (iv) of these Regulations.

15. The National Jury for Short Films consisting of 5 members including the Chairman will be constituted by the Government for examination of entries for giving awards under the categories of :—

- Best Documentary Film.
- Best Educational/Instructional Film.
- Best Promotional Film (Non-commercial/Commercial)
- Best Experimental Film.
- Best Animation Film.
- Best Newsreel Cameraman.
- Best Indian News Review.

16. Any person directly or indirectly associated with any film entered in the National Film Festival will not be eligible to serve on the National Jury for Feature Films and the National Jury for Short Films as the case may be.

17. Both the National Juries may determine their own procedure for the examination of films.

18. The quorum of the two National Juries shall not be less than half of the number of members nominated or present and voting.

19. The Director, Directorate of Film Festivals or his nominee may attend the deliberations of both the Juries with the objective of providing necessary information and clarification regarding the scheme of National Film Festival.

20. The members of both Juries shall treat the deliberations as confidential. Also while working as members of the Jury, they will not utilise any material made available to them in the course of their work for dissemination through any media e.g., Press, Radio, TV before the formal announcement of the results of the National Film Festival.

21. Nothing contained herein shall be construed as restricting the discretion of the National Jury for Feature Films and the National Jury for Short Films from making a recommendation that none of the films in a particular language or category or that none of the director, script writer, actor, actress, child actor/actress, cameraman, sound recordist, editor, music director, playback singer, of feature films examined by them is of a standard adequate for an award.

22. Canvassing in any form in respect of an entry will render that entry liable to be disqualified. Any member of the two National Juries found canvassing for a particular film is liable to be disqualified for membership of the Jury.

23. The members of the two National Juries will be paid travelling expenses and consolidated consultancy fee (at such rates as prescribed by the Government) for attending the meetings/previews of the films in connection with the National Film Festival competition.

24. Films competing in the National Film Festival may be awarded the following prizes :

#### I—FEATURE FILMS

##### (i) National Best Feature Film :

Swaran Kamal and a cash prize of Rs. 40,000 to the producer and Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 20,000 to the director.

##### (ii) Best Feature Film with mass appeal, wholesome entertainment and aesthetic value :

Swaran Kamal to the producer and Rajat Kamal to the director.

##### (iii) Best Feature Film on National Integration :

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 30,000 to the producer and a Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the director.

##### (iv) Best Feature Film in each regional language :

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the producer and Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the director of the best feature film in each language, viz.

— Hindi (including Urdu, Hindustani and connected dialects like Bhojpuri, Rajasthani and Maithili), Marathi (including Konkani), Gujarati, Punjabi, Kashmiri, Sindhi and English.

— Bengali, Assamese, Oriya and Manipuri.

— Tamil, Telugu, Kannada and Malayalam.

##### (v) Best Direction :

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 20,000 to the best director of the year.

##### (vi) Best Screenplay :

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best script writer.

##### (vii) Best Acting :

(a) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best actor,

(b) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best actress,

(c) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best child actor or actress who is not more than 14 years of age.

##### (viii) Best Cinematography (colour) :

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best cameraman of a colour film.

##### (ix) Best Cinematography (Black and White) :

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best cameraman of a black and white film.

##### (x) Best Sound Recording :

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best sound recordist.

##### (xi) Best Editing :

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best editor.

##### (xii) Best Music Direction :

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best music director.

##### (xiii) Best Male Playback Singer :

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best male playback singer.

##### (xiv) Best Female Playback Singer :

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best female playback singer.

##### (xv) Best Children's Film :

Swaran Kamal and a cash prize of Rs. 15,000 to the producer and a Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the director.

**II—SHORT FILMS**

- (i) *Best Information Film (Documentary)* :  
Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and a Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.
- (ii) *Best Educational/Instructional Film* :  
(This category will include educational, instructional and training films).  
Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and a Rajat Kamal and a cash prize of 4,000 to the director.
- (iii) *Best Promotional Film (Non-Commercial/Commercial)* :  
(For the best promotional film of subjects of national importance, e.g., National Integration, Social Justice, Cooperation, Savings, Dynamics of Development including Agricultural Practices or the best commercial advertisement film.)  
Rajat Kamal to the producer and Rajat Kamal to the director.
- (iv) *Best Experimental Film* :  
Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.
- (v) *Best Animation Film* :  
(a) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer,  
(b) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the animator,  
(c) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.
- (vi) *Best Newsreel Cameraman*  
Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best newsreel cameraman.
- (vii) *Best Indian News Review*  
Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer.

**III—DADA SAHEB PHALKE AWARD**

(Special award for outstanding contribution to the cause of the Indian Cinema).  
Swaran Kamal, a cash prize of Rs. 40,000 and a shawl.

**Explanation**

The term 'producer', 'director', 'screenplay writer', 'actor', 'actress', 'child actor/actress', 'cameraman', 'sound recordist', 'editor', 'music director' and playback singer, used in these rules will be construed as referring to the 'producer', 'director', 'screenplay writer'/script writer, 'actor', 'actress', child actor/actress', 'cameraman', 'sound recordist', 'editor', 'music director', and playback singer' as the case may be, as given in the credit titles of the film entered in the competition duly certified by the Central Board of Film Censors.

25. Government may, at its discretion, give each prizes in the form of bank drafts/cheques.

26. The producer of a feature film which wins an award under categories I-(i) to (iv) of rule 24 of these Regulations will be granted by the Central Government an additional sum of Rs. 3,000 on his getting that film sub-titled from its original to any other Indian or foreign language.

27. Government shall be entitled to retain one print of the film entered for the awards and which receives an award. The cost of the print viz., the cost of raw material and processing charges, will be re-imbursed to the producer, reimbursement being made only if a brand new print is made available within three months from the date of announcement of awards. If a brand new print is not supplied to the Directorate within a period of three months of the announcement of the results then no reimbursement will be made and

the print entered for the National Film Festival will be retained by the Government without any compensation to the producer.

28. If a person winning an award for Best Direction also happens to be the director of a film winning award for the National Best Feature Film, the Best Feature Film with mass appeal, wholesome entertainment and aesthetic value, the Best feature Film on National Integration as also award for the Best Feature Film in each regional language, ... he will receive award only in one capacity carrying a higher cash prize.

29. The producer of the film entered for the National film Festival shall have no objection to the screening of the film for the National Juries or for any of their panels, in public shows or for any other special screening that the Government may organise. The proceeds, if any, shall be credited to the Government revenues.

30. Entire cost on freight for print and publicity material will be borne by the entrant.

31. The decision of the Government of India in respect of the awards and of interpretation of these Regulations shall be final and no appeal shall lie against them.

32. A person who participates in the National Film Festival under these Regulations shall be deemed to have accepted these Regulations.

33. The prints of films entered in the Festival, publicity material and correspondence relating thereto should be addressed to :

Director of Films,  
Directorate of Film Festivals,  
Vigyan Bhavan Annexe,  
Maulana Azad Road, New Delhi-110011.

Telegraphic address : *FILMOTSAV, NEW DELHI.*

**25TH NATIONAL FILM FESTIVAL 1978****ENTRY FORM**

(To be completed in duplicate and sent to : The Director of Films, Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting, Vigyan Bhavan Annexe, Maulana Azad Road, New Delhi-110011 so as to reach by 15th March, 1978).

1. Title of the film.
2. Language.
3. \*Category: Feature/Children's Film/Short Film.
4. Length of the film (in meters).
5. Running time : hours minutes
6. Number of reels.
7. Gauge 35 mm/16 mm.
8. Colour system.
9. Number and date of the Censor Certificate.
10. Classification of the film in the Censor Certificate (whether 'A' or 'U').
11. Name and full address of the Producer (with telephone No. and telegraphic address, if any).
12. Name and full address of the Director.
13. Name and full address of screenplay Writer/Script Writer.

\*Please strike out the portion not applicable.

14. Name and full address of the leading male Actor.
15. Name and full address of leading female Actress.
16. Name and full address of the Child actor/actress (if any) of an age not exceeding 14 years.
17. Name and full address of the Cameraman.
18. Name and full address of Sound Recordist.
19. Name and full address of the Editor.
20. Name and full address of the Music Director.
21. Name and full address of the male Playback Singer.
22. Name and full address of female Playback Singer.
23. Name and full address of the Animator of Animation Film entered under category of Short Films.
24. Date of release of the film.
25. If the film is a dubbed version, an adaptation or a retake of another film, particulars of the film of which it is a dubbed version, adaptation or retake.
26. Print of the film to be despatched by (Please give name and complete address).

Name of the person making the entry

.....  
 .....  
 .....

Address

Dated :

Signature  
(Seal)

V. S. KATARA  
Director of Films.

#### DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 7th February 1978

No. 10/19/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to accept the resignation of Shri J. K. Runwal from the post of Assistant Engineer, All India Radio, Sangli (held by him temporarily) with effect from the afternoon of the 5th December, 1977.

A. K. BOSE

Deputy Director of Admn.,  
for Director General.

New Delhi, the 7th February 1978

No. 10/134/77/SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri J. P. Singh to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Delhi w.e.f. 31-10-77.

A. K. BOSE

Deputy Director Administration.

42—476GI/77

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 3rd February 1978

No. A.31015/1/77-DC.—The Director General of Health Services is pleased to confirm Dr. (Mrs.) Dipali Roy in the post of Associate Pharmacologist in the Central Drugs Laboratory, Calcutta with effect from the 15th January, 1976.

S. S. GOTHOSKAR

Drugs Controller (INDIA)

for Director General of Health Services.

New Delhi, the January 1978

No. A.19019/1/78-Admn.I.—Consequent on his retirement on attaining the age of superannuation, Dr. N. Pinto Do-Razario, relinquished charge of the post of Staff Surgeon Dental (CGHS) on the afternoon of 31st December, 1977.

The 3rd February 1978

No. A.19020/51/76(FRSL)Admn.I.—Consequent on his resignation Shri P. K. Sudhir, Junior Analyst relinquished charge of his post on the afternoon of 29th November, 1977.

No. A. 32012/1/76(SJ)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Khub Chand, Assistant Administrative Officer, Safdarjang Hospital, New Delhi, to the post of Stores Officer (General Stores) at the same Hospital, with effect from the forenoon of the 4th January, 1978, on an *ad hoc* basis, and until further orders.

No. A.12026/14/77(AIIPMR)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. B. N. Chhabria in the post of Chief, Medical Social Work Department at the All India Institute of Physical Medicine and Rehabilitation Bombay, with effect from the forenoon of 5th September, 1977 to the 7th October, 1977 (afternoon) in the leave vacancy of Smt. N. A. Kelkar.

No. A.12026/36/77(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri H. K. Dhote, Assistant Architect, Directorate General of Health Services, New Delhi to the post of Architect in the same Directorate, on an *ad hoc* basis *vice* Shri M. K. Gupta on leave with effect from the 19th December, 1977 to the 4th February, 1978.

The 4th February 1978

No. A.12023/16/76(WH)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri H. L. Agnihotri, Office Superintendent in Willingdon Hospital, New Delhi, to the post of Stores Officer in the same Hospital, on an *ad hoc* basis, with effect from the forenoon of the 11th January, 1978, and until further orders.

S. L. KUTHIALA

Dy. Director Administration (O&M)

#### MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

#### DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 2nd February 1978

No. A.19023/31/78-A.III.—On the recommendation of Union Public Service Commission, Shri R. A. Khanorkar is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in the pay scale of Rs. 650-1200 at Nagpur with effect from 19-12-77 (F.N.), until further orders.

2. On his appointment as Marketing Officer, Shri Khanorkar relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer (Group I) at Unjha in the afternoon of 12-12-77.

V. P. CHAWLA

Director of Administration

## (BR. HEAD OFFICE)

Nagpur, the 1st January 1978

No. F.3(44)/9/72-DII.—For the purpose of the Government of India, Finance Department (Central Revenue), Ministry of Finance (Revenue Division), notifications No. 12 Dt. 9-6-1945 No. 1 Camp Dt. 5-1-1946 No. 6 Dt. 5-2-1949 No. 64 Dt. 17-6-1961 published in the Gazette of India, I hereby authorise S/Shri N. C. Joshi Deputy Senior Marketing Development Officer (Cold Storage) and Y. K. Pandey, Senior Inspector to issue Certificates of Grading from the date of issue of this notification, in respect of Tobacco, which has been graded in accordance with the provisions of the Tobacco Grading and Marketing Rules and formulated under Section 3 of Agricultural Produce (Grading and Marketing Act, 137) (1 of 1937).

J. S. UPPAL

Agricultural Marketing Adviser.

## RAJASTHAN ATOMIC POWER STATION

Anushakti, the 31st January 1978

No. RAPS/09002/G(848)77/S/500.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to accept the resignation of Shri V. V. Lorence, a Quasi-permanent Scientific Assistant(B) and officiating Scientific Officer-Engineer-Grade SB with effect from the afternoon of 31st August, 1977.

GOPAL SINGH

Administrative Officer (Est.)  
for Chief Project Engineer.DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 4th February 1978

No. AMD-1/28/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. D. Deshmukh as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of January 23, 1978 until further orders.

No. AMD/1/28/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri G. S. Ravi as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of January 23, 1978 until further orders.

S. RANGANATHAN

Sr. Administrative &amp; Accounts Officer.

## HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 31st January 1978

Ref : No. HWP/Estt./1/G-39/513.—Officer - on - Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Yeshwant Purshotam Gharpure, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Clerk of Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same office, in a temporary capacity, with effect from December 28, 1977 (FN) until further orders.

T. C. SATHYAKEERTHY

Senior Administrative Officer.

## DEPARTMENT OF SPACE

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION  
SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380053, the 3rd January 1978

No. SAC/EST/CA/MCSD/34/78.—The Director is pleased to appoint Shri Mahendra Nath Vyas as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation, Department of Space with effect from November 14, 1977 until further orders.

S. G. NAIR

Head, Personnel &amp; Gen. Admn.

## VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 17th January 1978

No. VSSC/EST/NTF/78:—The Director, VSSC hereby appoints the undermentioned persons in Vikram Sarabhai Space Centre, Trivandrum of the Department of Space as Scientist/Engineer SB in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-E.B.-40-960 with effect from the forenoon of the dates shown against each and until further orders :

Sl. No.	Name	Designation	Divn/Proj.	Date of appointment
1	2	3	4	5
1.	Shri U. I. Somasundaram	Sci/Engr. SB	RPP	1-10-77
2.	Shri S. Subramaniam	"	STF	1-10-77
3.	Shri A. P. Sreedharan	"	EFF	1-10-77
4.	Shri E.P.I. Krishna Das	"	GSS	1-10-77
5.	Shri K. Narayana Pillai	"	EMD	1-10-77
6.	Shri S. Ramaswamy Pillai	"	SLV	1-10-77
7.	Shri K. M. Chandran	"	PSC	1-10-77
2.	Shri S. Sivaramakrishnan	"	PFC	1-11-77
9.	Shri K. John	"	COM	1-11-77
10.	Shri G. Kesavan Nair	"	COM	1-11-77

RAJAN V. GEORGE  
Admn. Officer-II (EST)  
For Director VSSC

## MINISTRY OF TOURISM &amp; CIVIL AVIATION

## INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 6th February 1978

No. E(I)00916.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Dulal Chakrabarty as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in a temporary capacity with effect from the afternoon of 28th November, 77 and until further orders.

Shri Chakrabarty is posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

G. R. GUPTA

Meteorologist

for Director General of Observatories.

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 4th February 1978

No. A-19012/1/78-Hindi.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Dr. Virendra Saxena as Hindi

Officer in the Civil Aviation Department w.e.f. 30-1-1978 (F.N.) on *ad hoc* basis and until further orders and post him in the office of the Regional Director, Civil Aviation Department, Bombay Airport, Bombay.

S. D. SHARMA

Deputy Director of Administration  
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 2nd February 1978

No. A.32013/11/77-EC.—Entries against Serial No. 6 of this Deptt. Notification No. A.32013/11/77-EC, dated the 6th January, 1976 may be amended to read as under :—

S. No. Name, Station of posting.

6. Shri V. K. Chaudhury, Controller of Aeronautical Inspection, Bombay.

The 4th February 1978

No. A. 32014/4/76-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Technical Assistants to the Grade of Assistant Technical Officer on Ad-hoc basis w.e.f. the date indicated against each and to post them at the station indicated against each :—

S. No.	Name	Present station of posting	Station to which transferred	Date of taking over charge
1.	Shri A. Ramaswamy . . . . .	ACS, Madurai	ACS, Madurai	17-12-77 (FN)
2.	Shri C. L. Jain . . . . .	ACS, Varanasi	ACS, Srinagar	31-12-77 (FN)

No. A. 32013/6/77-EC.—In continuation of this Deptt. Notification Nos. A. 32013/6/77-EC, dated 16-2-77 and 29th Sept., 1977, the President is pleased to extend the ad-hoc promotion of the following four Senior Technical Officers in the Civil Aviation beyond 28-10-77 and upto 31-10-77

S. No.	Name	Station of posting	Sl.	Name	Station of posting
1.	Shri A. G. Narasimha .	R. C. D. U. New Delhi.	3.	Shri M. M. Poulse .	A.C.S., Calcutta Airport, Dum Dum.
2.	Shri A. Jagdesan .	A.C.S. Safdarjung Airport, New Delhi.	4.	Shri K. Surender .	A.C.S., Palam Airport, Palam.

No. A. 32013/11/77-EC.—The President is pleased to appoint the following two Technical Officers of Aeronautical Communication Organisation of Civil Aviation Department to the grade of Senior Technical Officer on regular basis with effect from the date indicated against each and until further orders and to post them at the station indicated against each :—

S. No.	Name	Present station of posting	Date of taking over charge	Station of posting,
1	2	3	4	5
1.	Shri Roop Chand . . . . .	Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi.	6-1-1978 (FN)	Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi.
2.	Shri S. Jayaraman . . . . .	ACS, Madras.	9-1-78 (FN)	ACS, Madras.

S. D. SHARMA,

Deputy Director of Administration

## VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-VIDYALAYA

Dehra Dun, the 2nd February 1978

No. 16/272/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Saschidananda Biswas as Research Officer, under the Fifth Five Year Plan Scheme "Establishment of Regional Forest Research Centre" at Burnihat, under the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, with effect from the forenoon of 18th November, 1977 until further orders.

The 3rd February 1978

No. 16/274/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Dr. Rameshwar Dayal, as Research Officer under the 5th Five Year Plan Scheme "Research on Minor Forest Products" at its Regional Research Centre, Bangalore, under the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun with effect from the forenoon of 23rd November, 1977 until further orders.

P. R. K. BHATNAGAR

Kul Sachiv,

Van Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya.

## CENTRAL EXCISE COLLECTORATE : KANPUR

Kanpur, the 8th November 1977

No. 126/77:—In pursuance of the order No. 113/77 issued under Ministry of Finance, Department of Revenue New Delhi's F. No. A-22012/27/77-Ad. II dated 1-8-77 and this office Estt. Order No. 1/A/306/77 dated 5-8-77, the following Superintendents Central Excise, Group 'A' assumed/took over the charge in the Central Excise offices under Kanpur Collectorate, as shown against each:—

Sl. No.	Name	Place/Date of joining
1.	Km. Neelam Rattan	Hdgrs. Office, Kanpur/8-8-77 (F.N.) I.D.O. Meerut/11-8-77 (F.N.)
2.	Km. Vijai Laxmi Sharma	I.D.O. Kanpur-1/8-8-77 (F.N.)
3.	Shri H. O. Tewari	I.D.O. Kanpur-11/10-8-77 (F.N.)
4.	Shri Ashok Kapur	I.D.O. Ghaziabad-I divn./6-8-77 (A.N.)
5.	Shri Rahul Goel	I.D.O. Aligarh/8-8-77 (F.N.)

K. P. ANAND  
Collector,  
Central Excise, Kanpur.

## CENTRAL EXCISE COLLECTORATE : NAGPUR

Nagpur, the 2nd February 1978

No. 2/78:—Consequent upon their promotion as Superintendents of Central Excise, Group 'B', the following Inspectors of Central Excise (S.G.) have assumed their charges as Superintendents of Central Excise, Group 'B' as shown against their names:—

S. No.	Name of Officer	Place of posting	Date of assumption of charge
S/Shri			
1.	N. N. Nandanwar	Supdt. C. Ex. MOR-II, Nagpur.	17-1-1978 (F.N.)
2.	S. M. Patil	Supdt. C. Ex. Ranges Ballarpur.	16-1-1978 (F/N)

No. 3/78.—Consequent upon his promotion as Chief Accounts Officer Central Excise, Shri G. T. Chiplunkar, lately posted as Administrative Officer, Central Excise Division, Ujjain has assumed the charge of Chief Accounts Officer, Central Excise, Nagpur in the afternoon of 29-11-1977, relieving Shri R. S. Berar, Chief Accounts Officer.

No. 4/78.—Consequent upon his posting as Pay Accounts Officer, Central Excise, Nagpur, Shri R. S. Berar, lately posted as Chief Accounts Officer, Central Excise, Nagpur has assumed the charge of Pay & Accounts Officer, Central Excise, Nagpur in the forenoon of 30-11-1977 relieving Shri M. T. Wachasunder, Pay and Accounts Officer who has been transferred to Goa Collectorate vide Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi's F. No. A. 22013/28(M)/77-CERC(ADM) dated 30-9-1977.

M. S. BINDRA  
Collector.

## DIRECTORATE OF INSPECTION &amp; AUDIT

## CUSTOMS &amp; CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 7th February 1978

No. 6/78.—Shri M. M. Mathur, Inspector of Central Excise of Kanpur Collectorate, presently on deputation to the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Ex-

cise, on his promotion as Superintendent Central Excise Group 'B' vide Central Excise Collectorate, Allahabad, Estt. Order No. 5/1978 dated 10-1-78 is appointed as Inspecting Officer (Cus. & CE) Group 'B' in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise at New Delhi with effect from 17-1-1978 (Forenoon).

S. VENKATARAMAN  
Director of Inspection & Audit.

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS

## CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the December 1977

No. 33/12/73-ECIX:—The President is pleased to appoint the following candidates nominated by the U.P.S.C. against the temporary post of Architect (G.C.S. Group A) in the C.P. W. D. on a pay of Rs. 1100/- p. m. in the scale of Rs. 1100-50-1600 (Plus usual allowances) with effect from the dates noted against each on usual terms and conditions.

2. These officers are placed on probation for a period of two years with effect from the dates noted against each:—

Name	Date of appointment	Where posted at Architects
S/Shri		
1. Dipakranjan Sen	1-12-77 (F.N.)	SA (NZ) X, Office of the CE (NZ) R. K. Puram, New Delhi.
2. M. V. Korgaonkar	19-11-77 F.N.	SA, NDZ-III, New Delhi.
3. A. W. Paunikar	23-11-77 F.N.	SA, H&TP-II, New Delhi.
4. V. H. Kamble	28-11-77 F.N.	SA, NDZ-III, N. Delhi.

3. On appointment as Architect, these officials have been posted in the units noted against their names above.

The 4th February 1978

No. 33/7/76-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri M. J. Waghmare, a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Dy. Architect (G.C.S. Group A) in the C.P.W.D. on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 plus usual allowances with effect from 10-1-78 FN on the usual terms and conditions.

2. Shri Waghmare is placed on probation for period of two years with effect from 10-1-78 FN.

D. P. OHRI  
Deputy Director of Administration

## CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

NEW DELHI-110022.

No. 6/3/77-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Sh. T. R. Oberoi, Supervisor to the grade of EAD/A.E. of the Central Power Engineering (Class II) Service in an officiating capacity, with effect from 3-12-1977 (A.N.), until further orders.

S. BISWAS  
Under Secy.

## MINISTRY OF RAILWAYS

## (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 3rd February 1978

No. 78/RE/161/1.—It is notified for information of General public that in connection with introduction of 25 kV A. C. Electric traction, Height Gauges have been erected at



all the level crossings in the section Bitragunta (Inclusive) to Chirala (Inclusive) of South Central Railway with a clear height of 15'-4" (4.67 m) above road level with a view to prevent loads of excessive height from coming into contact with or in dangerous proximity to live traction wires. Public are hereby notified to observe the height specified above for the purpose of loading vehicles and to see that the loads carried in road vehicles do not infringe the Height Gauges under any circumstances.

The dangers of a load of excessive height are as follows :—

- (i) Danger to the height gauge and consequent obstruction to the road as well as the railway line;
- (ii) Danger to the materials or equipment carried on the vehicle itself;
- (iii) Danger of fire and risk of life due to the contact with or dangerous proximity to the live conductors.

No. 78/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises that A. C. Over-head traction wires will be energised on 2.2 kV on or after 15-2-1978 in the following sections in stages where the works are in progress :

- (1) Ongole to Bitragunta—  
(Structure Nos. 292/5-6 to 211/13-14).
- (2) Chirala to Ongole—  
(Structure Nos. 341/31-32 to 292/5-6).

On and from the same date, the overhead traction line shall be treated as live at all time and no unauthorised persons shall approach or work in the proximity of it.

B. MOHANTY  
Secretary, Railway Board.

N. F. RAILWAY

OFFICE OF THE GENERAL MANAGER (P)

Pandu, the 30th January 1978

No. E/55/III/96/PII(0).—Shri K. L. Agarwal who was appointed as a probationer in the Electrical Engineering Department is confirmed as Assistant Electrical Engineer in the Junior Scale with effect from 31-12-77.

M. N. N. MOORTHY.  
General Manager.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS  
(DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES  
TAMILNADU, MADRAS.

Madras-600006, the 13th February 1978

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Nellai Venus Limited (In Liquidation)*

No. 1919/5,560(5)/Liqn/75.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Sec. 560 of the Companies Act 1956, that the name of Nellai Venus Limited (In Liquidation) has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

P. ANNAPURAM  
Registrar of Companies.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Kalinga Industries Limited.*

Cuttack, the 3rd February 1978

No. L.142/6208.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that an order for winding up of the above named Company was made by the Hon'ble High Court of Orissa on 24-2-76 in Company Act case No. 2 of 1975 and that the Official Liquidator attached to the Hon'ble High Court of Orissa has been appointed as the Official Liquidator of the Company.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Chalachitra Distributors Private Limited.,*

Cuttack, the 3rd February 1978

No. S. 0/414-6210.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Chalachitra Distributors Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

D. K. PAUL  
Registrar of Companies, Orissa.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Deluxe Curios Pvt. Ltd.*

Delhi, the 2nd February 1978

No. Co. Liqn/4862/235.—By an order dated the 19-10-1977 of the Hon'ble High Court of Delhi/M/s Deluxe Curios Private Limited has been ordered to be wound up.

R. K. ARORA  
Asstt. Registrar of Companies,  
Delhi & Haryana.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Abhinav Rasashala Private Limited.*

Bombay, the 3rd February 1978

No. 5643/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Abhinav Rasashala Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Underwriters Private Limited.*

Bombay, the 3rd February 1978

No. 3112/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Under Writers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Harijas Saving & Chit Fund Private Limited.*

Bombay, the 3rd February 1978

No. 15612/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Harijas Saving & Chit Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. Y. RANE  
Asstt. Registrar of Companies,  
Maharashtra, Bombay.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Rupmahal Theatres Private Limited.*

Shillong, the 4th February 1978

No. 1113/560/3816.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of Rupmahal Theatres Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. P. KAPOOR  
Registrar of Companies,  
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,  
Arunachal Pradesh & Mizoram, SHILLONG.

*"In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Bansdroni Land Development Company Limited.*

West Bengal, the 6th February 1978

No. 26931/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bansdroni Land Development Company Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. NATH

Asstt. Registrar of Companies,  
West Bengal.

OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE  
TRIBUNAL

Bombay-20, the 27th January 1978

No. F.48-Ad(AT)/77-Part-II.—In partial modification of this office Notification of even number, dated 8th November, 1977, the resignation of Shri R. D. Yadvendu, officiating Assistant Registrar in the Income-tax Appellate Tribunal, Indore Bench, Indore is accepted with effect from the afternoon of 18th June, 1976.

The 4th February 1978

No. F.48-Ad(AT)/77-P.II.—On reaching the age of superannuation, Shri R. C. Srivastava, Assistant Registrar in the Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay

retired from the Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1978.

P. D. MATHUR  
President.

KARYALAYA, AAYAKAR AYUKTA, BIHAR, PATNA

Patna, the 13th December 1977

F. No. GC-2-II-3/1974.—The Charge of Tax Recovery Officer, Bhagalpur is hereby abolished with effect from the date Shri D. Kujur relinquishes the same and takes over charge of Income-tax Officer, Ward-'C', Bhagalpur.

F. No. GC-2-II-3/74.—In partial modification of this office order No. ACIT/GL.VIII-14/71-72, dated the 24th Feb. '73 and even number dated the 6th Sept. '74 and No. GC-2-II-3/74, dated 28th July 1977, and consequential to abolition of charge of Tax Recovery Officer, Bhagalpur it is hereby directed that the Tax Recovery Officer-II, Patna shall also hold jurisdiction over the cases of the District of Bhagalpur, Santhal Parganas, Monghyr and Begusarai with effect from the date of the charge of Tax Recovery Officer, Bhagalpur stands abolished.

A. K. DAS GUPTA  
Commissioner of Income-tax,  
Bihar-I & II, Patna.

OFFICE OF THE  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
DELHI I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th February, 1978

Subject:—Establishment—Gazetted—Promotions—Postings and Transfers of Income-tax Officers.

ORDER No. 125/GO/1977-78:—Shri S. L. Bahl, Inspector is promoted to officiate as Income-tax Officer (Class II) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200, with effect from the date he takes over as such and until further orders.

This promotion is being made against the temporary vacancy caused by the suspension of Shri C. L. Soni, but is subject to final orders of the Delhi High Court in C.M.P. 652-W of 1977 in C.W.P. 341 of 1977 pending before the Court.

It is clarified that in the event of return to duty on reinstatement of the Officer concerned, the promoted Officer will have to revert to the post of Inspector, if there is no other regular vacancy at that time.

Consequent upon his promotion the following postings and transfers of Income-tax Officers are ordered with immediate effect:—

Sl. No.	Name of the Officer	Presently posted as	Now posted as	Remarks
1	2	3	4	5
	SVS.			
1.	S. L. Bahl	On Promotion.	Services placed at the disposal of C. I. T. (III), vice Sh. A. C. Sethi. Transferred.	
2.	A. C. Sethi	I.T.O.V. (15) Addl. N. Delhi.	Services placed at the disposal of C.I.T. (IV).	
3.	A. P. Jain	I.T.O. (O.S.D. II), N. Delhi.	Services placed at the disposal of C. I. T. (III) vice Sh. S.S. Rana transferred.	
4.	S. S. Rana	I.T.O. Distt. X(9), N. Delhi.	Jr. A.R.I.T.A.T. New Delhi.	In terms of Board's order F. No. A-22013/3/77-Ad. VI., D/30-1-78.

The posting of Shri Durgesh Shanker as Junior Authorised Representative, Income-tax Appellate Tribunal, New Delhi, made vide Order No. 67/GO of 1977-78, issued under No. Est. I/Post-Transfer/I.T. Os/77-78/Vol. III/5316 dated the 26th August, 1977, is hereby cancelled.

K. N. BUTANI,  
Commissioner of Income-tax,  
Delhi I, New Delhi

Delhi-IV, the 31st January 1978

The 2nd February 1978

F.No. JUR/DLI/IV/77-78/42014.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and in Partial modification of the notifications issued earlier on the subject CIT-IV New Delhi hereby directs that the ITO 5th Addl. Survey Circle III shall have concurrent jurisdiction with the I.T.O. 1st Addl. Survey Circle III in respect of the person/case assessed/assessable by them excepting the cases assigned u/s 127 or which may hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T. Delhi-IV also authorises the I.A.C. Range-III A to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of the section 124 of the I.T. Act, 1961.

This notification shall take effect from 30-1-78.

F.No. JUR/DLI/IV/77-78/42134.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of I. T. Act, 1961 (43 of 1961) and in Partial modification of the notifications issued earlier on the subject CIT IV New Delhi hereby directs that the I.T.O. 4th Addl. Survey Circle III shall have concurrent jurisdiction with the I.T.Os Survey Circle III, 2nd Addl. S. Circle III and 3rd Addl. Survey Circle III in respect of the person/case assessed/assessable by them excepting the cases assigned u/s 127 or which may hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T. Delhi-IV also authorises the I.A.Cs. Range IIIB, IIIC and IIID to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of the section 124 of the I.T. Act, 1961.

This notification shall take effect from 30-1-78.

No. JUR-DLI/IV/77-78/4183.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the following Income-tax District/Circles shall be created in Delhi-IV charge, New Delhi with effect from 31-1-78.

1. 5th Addl. Survey Circle-III, New Delhi.

No. JUR-DLI/IV/77-78/42417.—In partial modification of this office Notifications F. No. JUR-DLI/IV/77-78/1476 dated 19-4-77 and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, mentioned in Column 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Assistant Commissioner of Income tax under the said Act in respect of such area or of such persons or classes of persons or of such income or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the Income-tax officers of the Districts/Circles mentioned in column 2 of the said schedule :—

## SCHEDULE

Range	Income-tax Districts/Circles
1	2
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Range-III-A, New Delhi.	(1) Distt. III(1), III(2), III(7), III (7) Addl. III (14) 1st Addl. III (30) III(32) & III (34), New Delhi.
	(2) Evaucues Circle, New Delhi.
	(3) 1st Addl. Survey Circle-III, New Delhi.
	(4) 5th Addl. Survey Circle- III New Delhi.
	(5) Also cases of the District Circles of this charge already assigned to the Inspecting Assistant Commissioner u/s 125, of the Act.

This notification shall take effect from 31-1-78.

A. J. RANA  
Commissioner of Income-tax.  
Delhi-IV, New Delhi

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 4th February 1978

Ref. No. RAC. No. 202/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1 situated at Badhirbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 30-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. The Hyderabad Displaced persons Housing Co-operative Society, Ltd., Hyderabad. Represented by its partner Sri Moolchand.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Daulat Ram Chandanmal, H. No. 5-9-24/70 at Chandan Village, Lake Hill Road, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1 situated at Bashir Bagh, Hyderabad in premises No. 5-19-30/1 admeasuring 377 Sq. Mets. registered vide Doc. No. 1638/77 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 4-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. The Hyderabad Displaced Persons Housing Co-operative Ltd. Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishendas, Jagatram, H. No. 21-7-84/2 Ghansi-bazar, Hyderabad-2.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 4th February 1978

Ref. No. RAC. No. 203/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 8 situated at Bashirbagh Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Hyderabad on 30-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 8 in the premises No. 5-9-30/1 and situated at Bashirbagh, Hyderabad admeasuring 318 Sq. Mets. registered vide Doc. No. 1639/77 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

13—476GU/77

Date : 4-2-1978.

Seal :

FORM ITNS— —

(1) M/s. The Hyderabad Displaced Housing Co operative Society, Ltd., Secunderabad. Represented by its President Sri Moolchand, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Srichand S/o Ramchand, H. No. 21-2-1982/6 High Court Road, Hyderabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 4th February 1978

Ref. No. RAC. No 204/77-78.—Whereas, I K S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 10 situated at Bashirbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 30.6.1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 326 Sq. Yds. plot No. 10 in the premises No. 5-9-30/1 situated at Bashirbagh, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1640/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 4-2-1978,

Seq :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.**

Hyderabad, the 4th February 1978

Ref. No. RAC. No. 205/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 11 situated at Bashirbagh, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 30-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. The Hyderabad Displaced Housing Co-operative Society, Ltd., Secunderabad.  
(Transferor)
- (2) Sri Bansilal S/o Ramchand, H. No. 21-1-982/6 at High Court, Road, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open plot No. 11 in the premises No. 5-9-30/1 situated at Bashirbagh, Hyderabad admeasuring 286 Sq. Mts., registered vide Doc. No. 1641/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

**K. S. VENKATARAMAN**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 4-2-1978.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. The Hyderabad Displaced Housing Co-operative Society, Ltd., Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 4th February 1978

Ref. No. RAC. No. 206/77-78.—Whereas, I K. S. VEN-  
KATARAMAN,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Plot No. 12 situated at Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad on 30-6-1977for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons namely :—

(2) Sri Baliram S/o Khyaram, H. No. 1091/5 at Ven-  
kateswara Colony, Narayanguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. 12 in the premises No. 5-9-30/1 situated at  
Bashirbagh, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1642/77 with  
the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 4-2-1978.

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 4th February 1978

Ref. No. RAC. No. 207/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 15 situated at Bashirbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 30-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. The Hyderabad Displaced Housing Co-operative Society, Ltd., Secunderabad. Represented by its President Sri Moolchand, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Prakashchand S/o Purshottamdas, H. No. 21-1-650 at Rikabgunj, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land Plot No. 15 in the premises No. 5-9-30/1 at Bashirbagh, Hyderabad admeasuring 325 Sq. Mts. registered vide Doc. No. 1643/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 4-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. The Hyderabad Displaced Housing Co-operative Society, Ltd., Secunderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kanta W/o Arjandas Samtani, H. No. 3-6-547/5/2 Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 4th February 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 208/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 13 situated at Bashirbagh, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 30-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Open plot No. 13 in premises No. 5-9-30/1 situated at Bashirbagh, Hyderabad admeasuring 432 Sq. Mts. registered vide Doc. No. 1644/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. The Hyderabad Displaced Housing Co-operative Society, Ltd., Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Waliram Dayaram, H. No. 5-3-844/7/D at Malakunta Hyderabad. Prop Hotel Imperial, at Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 4th February 1978

Ref No RAC No. 209/77-78 —Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 5 situated at Bashirbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Hyderabad on 30-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land No. 5 in the premises No. 5-9-30/1 situated at Bashirbagh, Hyderabad admeasuring 281 Sq. Mts. registered vide Doc. No. 1740/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 4-2-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Vishnu Wadhuma! Shahani, S/o Wadhuma!, Contractor, "Poonam Nivas, Next to Kala Bhavan, Saifabad, Hyderabad.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Kantilal H. No. 55-Tecm, Secunderabad-3.

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 6th February 1978

Ref. No. RAC. No. 210/77-78.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 8 on situated at 1-11-251/5 Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 4-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

flat No. 8 on 2nd floor of H. No. 1-11-251/5 at Begumpet Secunderabad, registered vide Doc. No. 950/77 with the Sub-Regist. office Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-2-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 6th February 1978

(1) Sri Vishnu Wadhupal Shahani, S/o Wadhupal, Contractor, "Poonam Nivas, at Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Avutapally Kamala, W/o A. Venkataratnam, H. No. 18-1-290 at Bhavani Nagar, Tirupathi, A.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 211/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 4 on situated at 1-4-251/5 Begumpet, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 4-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 1st floor in the H. No. 1-11-251/5 at Begumpet, Secunderabad, registered vide Doc. No. 977/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

14—476GI/77

Date : 6-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 6th February 1978

Ref. No. RAC. No. 212/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2 on situated at G.F. of 1-11-251/5 Begumpet, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 1-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sri Vishnu Wadhupal Shahani, S/o Wadhupal, Contractor, "Poonam Nivas" at Somajiguda, Hyderabad.
- (2) Sri K. S. R. Moorthy, C/o Sri K. K. Rao, plot No. 19 Dilsuk Nagar Colony-5, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2 on Ground floor of House No. 1-11-251/5 at Begumpet, Secunderabad, registered vide Doc. No. P. 656/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-2-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Vishnu Wadhmal Shahani, Contractor, "Poonam Nivas, Somajiguda Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Tara Ben, W/o Kaku Bhai Thakker, H. No. 34 at Satyanarayanapuram, Hyderabad, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 6th February 1978

Ref. No. RAC. No. 213/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 7 on situated at 2nd floor of 1-11-25/5 Begumpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 7 on 2nd floor in H. No. 1-11-251/5 at Begumpet, Secunderabad, registered vide Doc. No. P. 657/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 6th February 1978

Ref. No. RAC. No. 214/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port. Plot 32 situated at Narayanguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 10-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri V. L. Narasimha Rao, H. No. 3-6-750/D Himayatnagar Hyderabad.
2. Shri V. P. Bharadwaja, H. No. 3-6-750/D Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Mote Venkataiah, S/o Laxmiah, H. No. 14-3-45, Gosha Mahl, Hyderabad.
2. Balki Mallesha, S/o B. Malliah H. No. 1-3-1062/5 Kavadiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Western portion of plot No. 32 at Sri Venkateswara Housing Society Colony, Narayanguda, Hyderabad admeasuring 223.3 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 1516/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-2-1978.

Seal :



FORM ITNS ———

(1) Sri V. L. Narasimha Rao and V. P. Bharadwaju,  
H. No. 3-6-750/D at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Shri Mote Venkatiiah, S/o Luxmiah, H. No. 14-  
3-45 at Goshamal, Hyderabad.2. Shri Balki Mallesha, H. No. 1-3-1062/5 at Kava-  
diguda, Secunderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 6th February 1978

Ref. No. RAC. No. 215/77-78.—Whereas, I K. S. VEN-  
KATARAMAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
bearing No.

Portion of Plot No. 32 situated at Narayanguda, Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad on 10-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the 'said Act',  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot No. 32 at Eastern portion situated at Sri Venka-  
teshwara Housing Society Colony, Narayanguda, Hyderabad,  
registered vide Doc. No. 1517/77 with the Joint Sub-Registrar  
Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 6-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore, the 2nd February 1978

C.R. No. 62/10472/77-78/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property bearing Nos. 8 and 9, Walton Road, Banagalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 623/77-78 on 9-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Mrs. Thelma Fernandes  
W/o Major.M.A.Fernandes  
No. 9, Walton Road, Bangalore.  
2. Dr. Michal Vincent Fernandes,  
S/o M. A. Fernandes  
No. 9, Walton Road, Bangalore.  
present residing in the United States and  
rep. by his duly constituted attorney  
Mr. George Da Costa, Advocate C/o  
M/S. D. A. Costa and Da Costa,  
31/1, M. G. Road Bangalore-560001.  
(Transferor)
- (2) The Alphonsian society,  
rep. by it president. The very Rev.  
Bernard, Pereira, C.S.S.R. C/o  
M/s Da Costa and Da Costa,  
31/1, M. G. Road, Bangalore-560001.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Doc. No. 623/77-78 Dated 9-6-77]  
Property bearing Nos. 8 and 9, Walton Road, Bangalore

## Boundaries:—

- N. Neighbour's property.
- S. Neighbour's property.
- E. Walton Road and
- W. Conservancy lane.

J. S. RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 2-2-1978

Sd: :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore, the 2nd February 1978

C.R. No. 62/10536/77-78/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property bearing Corpn. Nos. 4 & 5 situated at Longford Gardens, Longford Town, Bangalore - (Corpn. Dn. No. 60) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, B'lore, Doc. No. 646/77-78 on 10-6-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati G. Ratnavalli Ammal,  
W/o Mr. P. S. Gopalakrishna,  
No. 6, Brunton Road Civil Station,  
Bangalore-560025, and also  
R/o "Krishna", Thyagarajan Road,  
Madras-600017.

(Transferor)

- (2) Shri Anandpur Trust,  
Regd. Office at Shri Anandpur, Tehsil Ashoknagar,  
Guna Dist. (M.P.), Rep. by its Trustee & General  
P.A. Holder Shri Vavialdas,  
S/o Uttamchand Chawla,  
R/o Shri Anandpur Camp, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 646/77-78. Dated 10-6-77]

Property bearing Nos. 4 & 5, Longford Gardens, Longford Town, Bangalore (Corpn. Dn. No. 60)

## Boundaries :

North : Premises No. 3A.  
South : Premises No. 6  
East : Private property &  
West : Longford Garden Road.

J. S. RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 2-2-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 3rd February 1978

C.R. No. 62/11166/77-78/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS. No. 780-2B, TS. No. 708-2B, Kissam Garden, Northern A. C. portion, Extent.  $O \frac{37}{37}$  together with a building bearing Municipal Door Nos. 17-17-1334, 1334-A and 1334-B, situated at Falnir ward, Attawar village, Mangalore town, S.K. Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Head quarter Sub Registrar, Mangalore City 232/77-78 on 21-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sri Michael Cyril Fredric Mascarenhas  
S/o late Albert Mascarenhas, Engineer,  
Sturrock Road, Falnir, Mangalore Town. rep. by  
Dr. Joseph R. Pais S/o late Shri E. A. Pais,  
Babsevern, Balamatta, Mangalore town.

(Transferor)

(2) Mrs. Sunanda B. Kamath, W/o  
Shri Balakrishna R. Kamath,  
No. 17-17-1334, Falnir, Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

R. S. No. 780-2B, TS. No. 708-2B, Kissam Garden, Northern Portion Extent  $O \frac{37}{37}$  together with a building bearing Municipal Door Nos. 17-17-1334, 1334-A, and 1334-B, situated at 17th Falnir ward, Attawar village, Mangalore S.K. Dist.

## Boundaries :

N. : Road.  
W. : Survey line.  
South and East : Portions of the same S. No.

J. S. RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-2-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri C. M. Kallemulla Khan,  
No. 10, Berlie Street Cross,  
Longford Town, Bangalore-25,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Ethel Ellen Ramu,  
W/o Dr. M. Ramu,  
No. 2, Cornwell Road,  
Longford Town, Bangalore-25,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-27

(3) M/s. Raptakas Brett & Co. Ltd.  
2/1A, Medical College East Main Road,  
Kalasipalayam,  
Bangalore-2.

(Person in occupation of the property)

Bangalore-27, the 2nd February 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

C.R. No. 62/11376/77-78/ACQ/B.—Whereas, I,  
J. S. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Property bearing Corporation No. 2/1A,  
situated at Medical College East Main Road, Kalasipalayam,  
Bangalore-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Bangalore, Doc. No. 688/77-78 on 30-6-77

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely :—

15—47 6GI/77

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 668/77-78 dated 30-6-77].  
Property bearing Corporation No. 2/1A, Medical College  
East Main Road, Kalasipalayam, Bangalore-2.

## Boundaries :

East : Property bearing to Sri C. M. Alimulla Khan,  
and others.

West : Property belonging to Sri C. M. Abdul Rahman  
Khan.

North : N. S. Motor Service Shed and  
South : Private Road.

J. S. RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 2-2-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK.

Rohtak, the 6th February 1978

Ref. No. FTB/5/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 22 Kanal 6 Marla situated at Vill. Ratia, Tehsil Fateh Bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Fateh Bad in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Pirthi Ram S/o  
Sh. Anant Ram,  
Sh. Tek Chand S/o Sh. Pirthi Ram  
C/o M/s Ravindra General Store,  
New Bus Stand,  
V.P.O. Ratia, Tehsil Fatehbad,

(Transferor)

(2) S/Sh. Rajiv Kumar, Arvind Kumar,  
Ss/o Sh. Mohan Lal, Smt. Mithla Rani W/o  
Sh. Mohan Lal  
C/o M/s Satia Rice Mills,  
Ratia, Tehsil Fatehbad.  
V.P.O. Ratia, Tehsil Fatehbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 22 Kanal 7 Marla situated at Village Ratia, Tehsil Fatehbad.

(Property as mentioned in sale deed No. 572 dated 19.5.77 registered in the office of Registering Authority, Fatehbad).

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range

Rohtak

Date : 5-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 6th February 1978

Ref No FTB/6/77-78 —Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No.

Land measuring 22 Kanal and 7 Marla situated at Vill Ratia, Tehsil Fatehbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fateh bad in May 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) S/Sh Dharm Paul, Lachhman Dass  
Ss/o Sh Pirthi Ram,  
C/o M/s Ravindra General Store,  
New Bus Stand,  
V.P.O Ratia, Tehsil Fatehbad  
(Transferor)
- (2) M/s Rajiv Enterprises,  
Cotton Ginning, Pressing and General Mills, Ratia  
V.P.O Ratia, Tehsil Fatehbad  
C/o M/s Satia Rice Mills,  
Ratia, Tehsil Fatehbad  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 22 Kanal 6 Marla situated at Village Ratia, Tehsil Fatehbad

(Property as mentioned in sale deed No 570 dated 19.5.77 registered in the office of Registering Authority, Fatehbad).

RAVINDER KUMAR PATHANIA  
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Rohtak

Date 6-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sreedevi Kovilamma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri V. N. Yousuf (ii) V. N. Usman.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD,  
ERNAKULAM, COCHIN-682016.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Cochin-682016, the 6th February 1978

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Ref. L.C. No. 168/77-78.—Whereas I, C. P. A. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Calicut Corporation (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chalapuram on 10-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

5.35 cents of land and shop cum lodge building bearing No. 13/368 to 13/374 and 13/392, Palayam Road, Calicut.

C. P. A. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-2-1978.  
Seal.



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
DHARWAR-4.

Dharwar-4, the 4th February 1978

No. 204/77-78/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 1134/50, situated at Third Ward, Bijapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bijapur, under Document No. 792/77-78 on 29-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Mallikarjunappa Gangappa Byakod,  
2. Shri Prabhu Mallikarjunappa Byakod,  
Commission Agent, Bijapur.

(Transferor)

- (2) Shri Shivalingappagouda Shivarayagouda Policepatil  
C/o M/s Digavi Patil & Co.,  
Commission Agents,  
A.P.M.C. Yard, Bijapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable Property situated at A.P.M.C. Yard bearing C.S. No. 1134/50, measuring 1643.3/9 Sq. Yards.

D. C. RAJAGOPALAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
DHARWAR.

Date : 4-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
DHARWAR-4.

Dharwar-4, the 4th February 1978

No. 205/77-78/Acq.—Whereas I, D. C. RAJAGOPALAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 1134/50, situated at Third Ward, Bijapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bijapur under Document No. 793 on 29-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Mallikarjunappa Gangappa Byakod,  
2. Shri Prabhu Mallikarjunappa Byakod,  
Commission Agent, Bijapur.

(Transferor)

- (2) Shri Shivalingappagouda Shivarayagouda Policepatil  
C/o M/s. Digavi Patil & Co.,  
Commission Agents,  
A.P.M.C. Yard, Bijapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable Property situated at A.P.M.C. Yard bearing C.S. No. 1134/50, measuring 1643.3/9 Sq. Yards.

D. C. RAJAGOPALAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
DHARWAR,

Date : 4-2-1978.

Seal :

**FORM ITNS**

- (1) 1. Shri Mallikarjunappa Gangappa Byakod,  
2. Shri Prabhu Mallikarjunappa Byakod,  
Commission Agent, Bijapur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (2) Shri Shivalingappagouda Shivarayagouda Policepatil  
C/o M/s. Digavi Patil & Co.,  
**Commission Agents,**  
A.P.M.C. Yard, Bijapur,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

DHARWAR-4.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Dharwar-4, the 4th February 1978

No. 206/77-78/Acq.—Whereas I, D. C. RAJAGOPALAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 1134/50, situated at Third Ward, Bijapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bijapur under Document No. 794 on 29-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Immovable Property situated at A.P.M.C. Yard bearing C.S. No. 1134/50, measuring 1643.3/9 Sq. Yards.

**D. C. RAJAGOPALAN,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
DHARWAR.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL

Bhopal, the 30th January 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/920.—Whereas, I, R. K. BALI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 58 (old and New M. No. 377) Gora Kund M. G. Road, Indore situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Danvir R. B. Rajya Bhushan Seth Trilok Chand Kalyanmal Digambar Jain Parmarthik Sansathan (Trust),  
47, Sitalumata Bazar, Indore-2.

(Transferor)

(2) (1) Shri Kanank Mall S/o Shri Sobhagmalji  
(2) Smt. Badambai w/o Shri Kanakmalji Shinghvi  
Both r/o 14, Morasali Gali, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 58 (Old and New M. No. 377) Gora Kund, M. G. Road, Indore.

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 30-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL

Bhopal, the 30th January 1978

- (1) (i) Shri Ram Narain Nagu  
S/o Shri Uttam Narain Nagu  
(ii) Smt. Umila Devi Nagu  
W/o Shri Ram Narain Nagu  
(iii) Shri Raman Nagu  
(iv) Shri Rajesh Nagu  
(v) Shri Rakesh Nagu,  
All sons of Shri Ram Narain Nagu,  
All i/o (Gulnar Shmala Hills, Bhopal).

(Transferor)

- (2) Smt. Kusum Devi Agarwal  
W/o Shri B. K. Agarwal  
R/o 158, Saket Nagar, Indore (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/921/—Whereas, I, R. K. BALI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 4/6, Palasia Street No. 2, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

House No. 4/6, Palasia Street No. 2, Indore.

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

16—476G1/77

Date : 30-1-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL

Bhopal, the 31st January 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/925/.—Whereas, I, R. K. BALI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. An open land P.H. No. 36 Block No. 7 Group No. 2 Sanabad Road, Tagore Park Colony situated at Khargaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khargaon on 16-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

- (1) (i) S/Shri Motilal  
(ii) Niranganlal  
(iii) Ramgopal  
(iv) Ramkishan  
(v) Maheshprasad  
All sons of Shri Pokharmal Agrawal  
All r/o Khargaon.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Mangilal  
(ii) Onkar s/o Shri Gangaram Gujrati  
R/o Vill. Ghagava Distt. Khargaon.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open land P.H. No. 36, Block 7 Grup No. 2 Sanabad Road, (Tagore Park Colony) Khargaon.

R. K. BALL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 31-1-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Dr. Mahendra Kumar s/o Shri Dharamdasji  
R/o 16/1, South Tuko Ganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Hardwarilal Sharma  
s/o Shri Gopalram Sharma  
R/o c/o Vinno Pateras Industrial Estate,  
Govindpura, Bhopal.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 30th January 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/922.—Whereas, I,  
R. K. BALI

being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

House constructed on Plot No. E-1/55 Atera Colony,  
Bhopal situated at Bhopal  
and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Bhopal on 8-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C. of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely :—

## THE SCHEDULE

House constructed on Plot No. E-1/55 Atera Colony,  
Bhopal.

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 30-1-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st January 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/924/.—Whereas, I, R. K. BALI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 443 M-House No. 14 St. No. 7 North Raj Mohalla (Part), Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 27-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Lal Chand and Shri Jai Chand  
both sons of Shri Sirumalji  
R/o 14, North Raj Mohalla Street No. 7,  
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Dwarkadas Jammadas Neema  
r/o r/o 396, M. G. Road,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Block No. 443 M-House No. 14 St No. 7 North Raj Mohalla (Part), Indore.

R. K. BALI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 31-1-1978

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st January 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/926/.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. 443, M.H. No. 14, Street No. 7 North Raj Mohalla, Indore (Part), situated at Indore, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Lal Chand and Shri Jai Chand  
both sons of Shri Sirumal  
R/o 14, North Raj Mohalla Indore.

(Transferor)

(2) Shri Navnitlal Harikishan Neema,  
R/o Junikasera Bakhai,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Block No. 443, M. H. No. 14 Street No. 7 North Raj Mohalla, (Part), Indore.

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 31-1-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st January 1978

Ref. No. LAC/ACQ/77-78/BPL/927/.—Whereas, I, R. K. BALI being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 443, M.H. No. 14, Street No. 7 North Raj Mohalla, Indore (Part) situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Lal Chand and Shri Jai Chand  
Both sons of Shri Sirumalji  
R/o 14, North Raj Mohalla,  
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Shyam and Madhurmanohar,  
S/o Shri Dwarkadas Neema,  
R/o 396, M.G. Road,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Block No. 443, M. H. No. 14 Street No. 7 North Raj Mohalla, Indore.

R. K. BALI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 31-1-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st January 1978

- (1) Shri Lal Chand and Shri Jai Chand  
Both sons of Shri Sirumalji  
R/o 14, North Raj Mohalla  
Indore. (Transferor)
- (2) Shri Gulab Chand Harikishan Neema,  
R/o 8 Junikasera Bakhal,  
Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/928/.—Whereas, I, R. K. BALI being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 443, M.H. No. 7 North Raj Mohalla, Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Block No. 443, M.H. No. 7 Raj Mohalla, Indore.

## THE SCHEDULE

R. K. BALI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-1-1978  
Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Shri Ram Bhau s/o Shri Sakharan Chaudhari,  
R/o Vaj Jam Sambre Tahsil Sausar,  
Distt. Chhindwara.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Damodar s/o Shri Bihatalaji Vyas,  
R/o P.O. Berdih Tahsil Sausar,  
Distt. Chhindwara.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

(Transferee)

OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 30th January 1978

Ref. No. IAC/ACQ/RPL/77-78/923/.—Whereas, I,  
R. K. BALI  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
Agricultural land area 2.509 Hectare K. H. Nos 233 bear-  
ing No. 386 situated at Village Sambre, Sausar  
(and more fully described  
in the Schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer at  
Sausar on 7-7-1977  
for an apparent consideration which  
is less than the fair market value of the aforesaid property  
and I have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
said Act, in respect of any income arising from  
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Agriculture land total area 2.509 Hectare K. H. No. 233  
bearing No. 386 situated at Gram Sambre Tahsil Sausar  
Distt. Chhindwara.

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 30-1-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 30th January 1978

(1) Shri Amrit Lal s/o Shri Chhaganlal Sanchania,  
R/o 45, Vallaon Nagar,  
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Gauri Shankar s/o Shri Gopilalji Sharma,  
R/o 112/2 Restore Road,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/919/.—Whereas, I,  
R. K. BALI  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
Plot No. 162 situated at Kanchan Bag Main Road, Indore  
situated at Indore,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Sausar on 4-7-1977

for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

## THE SCHEDULE

Plot No. 152 situated at Kanchan Bag Main Road, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

R. K. BALI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

17- 476GI/77

Date : 30-1-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st January 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/929/—Whereas, I]  
R. K. BALI  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
An open Plot No. 6-A (Part) at Meerapath, Indore situated at Indore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-9-1977  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Bhimdevrao Martandrao Bhagwat,  
(ii) Smt. Kumudni,  
(iii) Kiran,  
(iv) Ku. Gurubala,  
All r/o 12 Meerapath, Indore.

(Transferor)

- (2) Shrimati Sobhnadevi w/o Devendrakumar Jain,  
R/o 4/5m Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open Plot No. 6-A (Part) at Meerapath, Indore.

R. K. BALI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 31-1-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Bhagwati Bai w/o Late Shri Gaurishankar  
R/o 150, Jagdish Bhawan Smarak Path Lord Ganj,  
Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ramesh Kumar s/o Shri Vishanlal Chokshe  
R/o Khapa Distt. Jabalpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 4th February 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/930/.—Whereas, I,  
R. K. BALIbeing the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000 and bearing No.(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.House No. 1682, Plot No. 125 situated at Right Town  
Gole Bazar, Jabalpur(and more fully described in the schedule annexed hereto), has  
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Jabalpur on 20-6-1977EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);House No. 1682, Plot No. 125 situated at Right Town,  
Gole Bazar, Jabalpur.R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Date : 4-2-1978  
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Sakkar Bai Farishta  
W/o Late Rajabali Farishta,  
R/o Beran Bazar, Raipur (M.P.).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/931/.—Whereas, I,  
R. K. BALI

being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing Building and its land occupied by M/s. Vinar Restaurant situated Near P. N. Bank, Raipur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 16-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) S/Shri  
(1) Chhotelal Rathore  
(2) Makhanlal Rathore  
Both sons of Shri Munnalal Rathore  
(3) Mukundlal Rathore  
(4) Chandraprakash Rathore  
Both sons of Shri Chhotelal Rathore  
(5) Suresh Chandra Rathore  
S/o Makhanlal Rathore  
All r/o Rathore Chouk, Chouk, Raipur.

(Transferee)

- (3) M/s. Vinar Restaurant & Bar, Raipur.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building and its land area 1084 sq. ft occupied by M/s. Vinar Restaurant situated near Punjab National Bank, Raipur.

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 4-2-1978  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th January 1978

Ref. No. Acq/1031-A/S PUR/77-78 7486.—Whereas, I R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 22-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Phauja Singh S/o Suchcha Singh, Avtar Singh and Bhagat Singh Ss/o Hazara Singh, Sarjeet Singh and Ajmer Singh Ss/o Phauja Singh, Hazara Singh S/o Khusal Singh, R/o V. & P. Niranjanpur, Parg, Jawalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Harbans Singh, Kulwant Singh, Nirmal Singh and Jarnail Singh, Ss/o Darshan Singh, R/o P. & P. Niranjanpur, Parg, Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 36 Bighas 9 Biswa and 5 Biswansi comprised in Khasra Nos. 341 and 465, situated at Niranjanpur, Parg. Jwalapur, Distt. Saharanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 35,500/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 30-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th January 1978

Ref. No. ACQ/1039-A/D.DUN/77-78/7487.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 13-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sarla Walia W/o V. J. Singh  
R/o Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mrs. Samlon Dalma Rakra  
W/o T. Theem Rampokey Rakra  
R/o Leh Laddakh (J&K).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring approx. 1 Bibha with 3 Cottages situated about 3 Km. away from Rajpur Road, Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 32,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 30-1-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th January 1978

Ref. No. Acq/1202-A/Kanpur/77-78/7488.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 15-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harsukhrai Navnidhrai Kamdar  
S/o Navnidhrai Tribhuwandas Kamdar,  
R/o 78/279, Latouche Road,  
Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Rama Devi W/o Bhagwan Deen Bajpai,  
Smt. Rama Devi W/o Suresh Kumar Bajpai,  
Anil Kumar Bajpai, Pramod Kumar, Pradip Kumar  
and Vinod Kumar sons of Bhagwandin Bajpai,  
R/o Rura, Parg. Akbarpur, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House bearing No. 78/279, Latouche Road, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,25,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 30-1-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th January 1978

Ref. No. Acq/1030-A/Saharanpur/77-78/7498.—

Whereas, I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 22-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Phauja Singh S/o Suchcha Singh, Avtar Singh and Bhagat Singh Ss/o Hazara Singh, R/o V. & P. Niranjapur, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, District Saharanpur.

(Transferor)

- (2) S/Shri Karnail Singh, Kuldeep Singh and Avtar Singh sons of Darshan Singh, V. & P. Niranjapur, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 2/3rd of 45 Bighas comprised in Khasra Nos. 342 and 343 situated at Village Niranjapur, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 29,250/-.

R. P. BHARGAVA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 30-1-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th January 1978

Ref. No. Acq/1033-A/Saharanpur/77-78/7510.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 28-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—476 GI/77

(1) Shri Panna S/o Ram Prasad,  
R/o Hardevpur Sahdevpur  
Urf. Rani Majra, Post Shahpur Sectla Khera  
Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee,  
Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Rubraj Singh, Devraj Singh, Deshraj  
Singh and Puspraj Singh,  
Sons of Inder Singh,  
R/o V&P Shahpur Sectla Khera, Parg. Jwalapur,  
Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 16 Bigha 19 Biswa and 4 Biswansi in Khasra Nos. 291, 316, 373, 375, and 376 situated at Haridwar, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 38,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 30-1-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th January 1978

Ref. No. Acq/1464-A/Saharanpur/77-78/7511.—Whereas,  
I, R. P. BHARGAVAbeing the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Roorkee on 16-6-1977for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition  
of the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—(1) S/Shri Sewaram, Ilam Singh, Incharam, Kanwarpal  
alias Kanwar Singh sons of Ghaseeta Singh,  
R/o Dhadheki Dhana Majahadpur,  
P.O. Laksar Parg. Mangalore, Distt. Saharanpur  
(Roorkee).

(Transferor)

(2) S/Shri Kuldeep Singh, Harjeet Singh, Amardev  
Singh, Tej Pratap Singh, Gurnam Singh, Pyara  
Singh,  
R/o Laksar Station, P.O. Laksar, Parg. Mangalore,  
Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which  
ever period expires later;(b) facilitating the concealment of any income or any  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 21 Bigha  
6 Biswa comprised in Khata Nos. 137, 280, 501, 502, 503/1,  
507/2 and 502/2, situated in Village Akbarpur, Parg. Jwala-  
pur Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an ap-  
parent consideration of Rs. 64,000/-.R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 30-1-1978

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR  
Kanpur, the 31st December 1977

Ref. No. Acq/899-A/G.Bad/77-78/6526.—Whereas, I,  
R. P. BHARGAVA

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 14-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian said Act, or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Dayal Chand S/o Nemraj,  
Om Prakash S/o Kewal Ram,  
R/o Prempuri, Ghaziabad  
Ram Chand S/o Raimal Das  
R/o 56, Prempuri Ghaziabad  
Mukhtaram Smt. Ram Kali Pandey  
W/o Late Jamna Prasad Pandey and  
Smt. Prabha Sukhla  
W/o Jagat Narain Shukla and  
Ram Kumar Pandey and Vijai Kumar Pandey  
S/o Jamna Prasad Pandey,  
R/o 111/36, Ashok Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) M/s. N. C. Products,  
8229/6, Aarakasha Road, Paharganj,  
New Delhi-55,  
Through Sri Surendra Kumar Nijhawan,  
Partner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 8, situated at Anand Industrial Estate, G. T. Road, Distt. Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 35,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-12-1977

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Shekh Shafiuddin Sabri  
S/o Shekh Rafiuddin,  
Lal Kurti, Meerut Cantt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Navzug Grah Nirman Sahkari Samiti Ltd.  
Through Sri Gautam Sharma,  
President S/o Tara chand Sharma,  
R/o Brahmpuri, Meerut.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st December 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 1005-Δ/Acq/MRT/77-78/6528.—Whereas, I,  
R. P. BHARGAVA  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the  
schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer at  
Meerut on 27-7-1977  
for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid pro-  
perty and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the appa-  
rent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the con-  
sideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the trans-  
fer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the trans-  
feree for the purposes of the Indian Income-tax Act,  
1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-  
tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Plot of land measuring  
16 Biswa situated at Near Prahlad Nagar Opp. Saket Dist.  
Meerut transferred for an apparent consideration of Rs.  
72,600/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-12-1977  
Seal :



FORM ITNS-----

- (1) Smt. Ram Pyari wife of Ramdittamal,  
10/4, Gandhi Colony,  
Muzaffarnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) M/s. Jupiter Paint & Chemical Industry,  
Nai Mandi Muzaffarnagar  
Through Shri Chaman Lal, Prop.  
R/o 8-B/9 andhi Colony,  
Muzaffarnagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st December 1977

Ref. No. Acq/771-A/M. Nagar/77-78/6525.—Whereas I,  
R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Muzaffarnagar on 18-7-77

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed  
to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective  
persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 93, Gher Khatti, situated at Nai Mandi  
Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of  
Rs. 40,000/-.

R. P. BHARGAVA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-12-1977

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 547.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS No. 5/1 situated at Gunturivari Thota, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on 21-7-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Unnam Vidya Sagar,  
S/o Rajarao, (Retd. Sub-Post Master),  
Duggirala, Tenali Tq.

(Transferor)

(2) Shri Syed Ali,  
S/o Akhar Saheb,  
Pr. in M/s. Standard Mechanical Sales,  
Opp. R.T.C. Bus Stand,  
Guntur-522001.

(Transferee)

(3) Shri Sheik Peru Saheb,  
Guntur.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3676/77 registered before the Sub-registrar, Guntur during the fortnight ended on 31-7-77.

N. K. NAGARAJAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 5-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 9th February 1978

Ref. No. JAC/Acq.I/SR.III/64/Junc-I(11)/77-78/5543.  
—Whereas, I, J. S. GILL,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.N-122 situated at Greater Kailash-I, New Delhi  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
New Delhi on 9-6-1977for an apparent  
consideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the  
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent  
of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with  
the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the said  
Act, in respect of any income arising from the  
transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Kundan Lal Basra,  
S/o Shri Mulkh Raj Basra,  
R/o II. No. 8, Block No. 48, East Patel Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Krishan Chander Arora,  
S/o Late Shri Thakar Dass Arora and  
Smt. Prem Lata Arora,  
W/o Shri Krishan Chander Arora,  
R/o C-1, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building constructed on a plot No. 122, Block No. 'N'  
measuring 300 sq. yds. in the residential colony known as  
Greater Kailash-I, New Delhi and bonded as under :—

East : House No. 124  
West : House No. 120  
North : Service Lane  
South : Road

J. S. GILL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Date : 9-2-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 9th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ.I/SR.III/70/June-II(7)/77-78/5543.—Whereas, I, J. S. GILL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing N-199 situated at Greater Kailash, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 21-6-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sardari Lal Khanna,  
S/o Shri Shyam Dass Khanna,  
R/o 11/3874, Gali Necmwali, Darya Ganj,  
Delhi,

(Transferor)

(2) Shri J. C. George,  
S/o Shri C. O. George and  
Smt. Celine,  
W/o Shri J. C. George,  
C/o World Health Organisation,  
Inderprastha Estate,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One and a half storeyed house built on Plot No. 199, Block No. 'N' measuring 300 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash, New Delhi and bounded as under :—

East : Plot No. N-210  
West : Plot No. N/197-A  
North : Road  
South : Service Lane

J. S. GILL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Date : 9-2-1978

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Smt. Harbans Kaur d/o Sh. Santokh  
Wd/o Sh. Jarnej Singh,  
R/o Village Manu Chahal, Teh. Zira.

(Transferor)

- (2) Shri Gurdial Singh, Shri Darbara Singh  
Ss./o Shri Sohan Singh,  
R/o Village Manu Chahal, Teh. Zira.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 71 Kanal 10 Marlas in village Manu Chahal, Teh. Zira as mentioned in sale deed No. 1688 of June, 1977 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-2-1978

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda. the 6th February 1978

Ref. No. AP93/BD/77-78.—Whereas, I. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

As per schedule situated at Manu Chahal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Zira on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—476 GI/77

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHATINDA

Bhatinda, the 6th February 1978

Ref. No. AP 94/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at Majahadpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on June 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Parjit Singh s/o Shri Santa Singh,  
R/o Village Majahadpur, Teh. and Distt.  
Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Bhola Singh s/o Shri Kala Singh and  
S/Shri Jagir Singh, Mohinder Singh,  
Joginder Singh ss/o Shri Bhola Singh,  
R/o Village Majahadpur (Kapurthala).

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 45 Kanals in village Majahadpur as mentioned in sale deed No. 845 of June, 1977 registered with the S. R. Kapurthala.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-2-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BHATINDA

Bhatinda, the 6th February 1978

Ref. No. AP 95/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Zira (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) The Sawan Mal Memorial Trust, Zira, Distt. Ferozepur through Shri Jagdish Rai Urf Ram Nath, President and Shri Tarsem Lal s/o Shri Charan Dass, Member, Trust, Zira.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Sat Pal, Subash Chander, Ram Saroop, Ashok Kumar, Vijay Kumar Ss/o Shri Gian Chand s/o Shri Thandi Ram, R/o Zira.  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 32 Kanal and 16 Marlas in village Zira as per sale deed No. 1002 of June, 1977 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date . 6-2-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHATINDA

Bhatinda, the 6th February 1978

Ref. No. AP 96/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at Mudki (Ferozepur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhag Singh, Shri Jagir Singh,  
Ss/o Shri Sucha Singh,  
R/o Mehla Khurd, Teh. Moga.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Surjit Singh, Sh. Mall Singh,  
Ss/o Shri Pirthi Singh,  
Village Mudki, Teh. Ferozepur.  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 110 Kanals 6 marlas in village Mudki, Teh. Ferozepur as per sale deed No. 1205 of June, 1977 registered with the S. R. Ferozepur.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-2-1978  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHATINDA

Bhatinda, the 6th February 1978

Ref. No. AP 97/BT/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Merrypur Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Balwant Singh, Shri Kehar Singh etc.  
Ss/o Shri Inder Singh,  
R/o Village Jarjpur, Teh. Sultanpur.

(Transferor)

(2) Shri Subash Chander, Shri Rattan Chand,  
Shri Niranjan Dev,  
Village Jarjpur, Teh. Sultanpur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 159 Kanals situated in Village Merrypur Jarjpur as mentioned in sale deed No. 674 of July, 1977 registered with the S. R. Sultanpur.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-2-1978

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Smt. Maya Devi wd/o Shri Rokhu Ram,  
S/o Shri Daula Ram,  
2. Shri Kashmiri Lal s/o Shri Rekhu Ram,  
R/o Gali No. 15, Mandi Abohar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHATINDA

Bhatinda, the 6th February 1978

Ref. No. AP 98/BTI/77-78.—Whereas, J. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on August 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Shri Dugar Chand s/o Shri Bugha Mal,  
C/o M/s. Banwari Lal Bhoj Ram,  
Abohar.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

3/4th share in a house measuring 170 sq. yards 8 sq. ft. in street No. 6, Mandi Abohar as mentioned in sale deed No. 1194 of August, 1977 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-2-1978

Seal :

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHATINDA

Bhatinda, the 6th February 1978

Ref. No. AP 99/BTJ/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Khuban (Fazilka) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Abohar on August 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Tara Chand s/o Shri Narain Dass,  
S/o Nadar Chand,  
R/o Village Khuban,  
Teh. Fazilka.

(Transferor)

- (2) Shri Om Parkash s/o Shri Munshi Ram,  
Village Khuban,  
Teh. Fazilka.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 65 Kanal and 5 marlas in Village Khuban, Teh. Fazilka as per sale deed No. 1128 of August, 1977 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-2-1978

Seal :

## FORM TINS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BHATINDA

Bhatinda, the 6th February 1978

Ref. No. AP 100/BT/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- As per schedule situated at Khuban (Fazilka) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on August 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tara Chand s/o Shri Narain Dass,  
S/o Nadar Chand,  
R/o Village Khuban,  
Teh. Fazilka.  
(Transferor)
- (2) Shri Om Parkash s/o Shri Munshi Ram.  
Village Khuban,  
Teh. Fazilka.  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 65 Kanals and 6 marlas in village Khuban, Teh. Fazilka as mentioned in sale deed No. 1134 of August, 1977 registered with the S. R. Abohar.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-2-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHATINDA

Bhatinda, the 6th February 1978

Ref. No. AP/BT/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on August 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Dwarka Das s/o Shri Chaupat Rai,  
s/o Shri Bura Ram,  
R/o Street No. 4, Nai Abadi,  
Mandi Abohar, Teh. Fazilka.

(Transferor)

- (2) Smt. Mukhtiar Kaur,  
(2) Shri Pritpal Singh s/o Shri Balwant Singh  
S/o Shri Jati Singh,  
Street No. 4, Nai Abadi,  
Abohar.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

- (4) Anybody interested in the property.  
(Person whom the undersigned know  
to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 2000 sq. ft. in street No. 4, Nai Abadi, Abohar as per sale deed No. 1164 of August 1977 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 6-2-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHATINDA

Bhatinda, the 6th February 1978

Ref. No. AP/BTI/77-78.—Whereas, I. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at Moga Mehla Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on November 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Roop Chand, Shri Ram Kumar, Shri Raj Kumar, Shri Ram Nath ss/o Shri Girdhari Lal, S/o Shri Bhagat Ram, R/o Moga Mandi.

(Transferor)

(2) S/Shri Raj Kishan Subash Chander, Ss/o Shri Mala Ram C/o M/s. Mala Ram Raj Kishan, Shop No. 75, Moga.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One shop measuring 4 marlas and 12 sq. ft. in Moga as mentioned in registered deed No. 5472 of November, 1977 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-3-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ahmadali Bakarali Tirmizi  
Kalyaniwad, Khanpur, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Fakruddin, Hassainali Tirmizi,  
Kalyaniwad, Khanpur, Ahmedabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th February 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used here  
in as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

No. Acq. 23-I-1315(633)/1-I/77-78.—Whereas, I S. C. PARIKH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 4067-A of Shahpur Ward-II, situated at Kalyaniwad, Khanpur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Land & building bearing City Survey No. 4067-A of Ahmedabad City Survey Shahpur Ward-II, situated at Kalyaniwad, Khanpur, Ahmedabad and described in sale-deed No. 4099/77 registered with registering Officer, at Ahmedabad in the month of June, 1977.

S. C. PARIKH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 6-2-1978.

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

*Amendment to the Commission's Notice for the Combined Defence Services Examinations. May, 1978.*

No. F.8/9/77-E.I(B).—In the Union Public Service Commission Notice No. F.8/9/77-E.I(B) dated 24th December, 1977 relating to the Combined Defence Services Examination, May, 1978, published in the Gazette of India dated 24th December, 1977, the following amendments shall be made in Part B of Appendix I.

- (i) Second sub-para below sub-heading 'Geometry' in the detailed syllabus for the subject "ELEMENTARY MATHEMATICS" shall be deleted.

- (ii) 'NOTE' below the detailed syllabus for the subject "MATHEMATICS (Code-03)" shall be amended to read as under :—

"From Part B of the syllabus it will be compulsory to answer questions on any one of the three topics viz., (i) Mechanics; (ii) Astronomy and (iii) Statistics."

- (iii) The following words shall be deleted from the first sentence to the 'NOTE' below the syllabus for the subject "INDIAN HISTORY (Code-09)" :—

"and be prepared to draw sketch maps."

B. S. JOLLY

Under Secy.

Union Public Service Commission